SOHANLAL TEA TIME
KAJU KATLI 920/-kg
KAJU FRY 1000/-kg
BESAN CHAKI 480/-kg
BESAN SEV NAMKEEN 340/-kg
BEST DRY FRUITS REASONABLE RATE
CHAI PATHI & TEA MASALA
J.N ROAD, ABIDS, HYD-12
PH : 9913217229, 8125212356

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 201 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.11 2082 शुक्रवार, 17 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश को दी 13430 करोड़ की सौगात

कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

अमरावती, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश में 13403 करोड़ रुपये की तमाम परियोजनाओं का शिलान्यास और लोर्कापण किया है। ये परियोजनाएं उद्योग, बिजली, सड़क, रेलवे, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फैली हुई हैं।

बता दें कि, प्रधानमंत्री मोदी ने 2880 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से कर्नूल-III पूलिंग स्टेशन पर ट्रांसमिशन सिस्टम सुदृढ़ीकरण परियोजना की आधारशिला रखी। इस परियोजना में 765 केवी डबल-सर्किट कुरनूल-III पूलिंग स्टेशन-चिलकलुरिपेटा ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण शामिल है, जिससे ट्रांसमिशन क्षमता में 6,000 एमवीए की वृद्धि होगी और देश के विकास को गति देने के लिए बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा का ट्रांसमिशन संभव होगा।

पीएम ने कोप्पर्थी औद्योगिक क्षेत्र की रखी आधारशिला :

इसी तरह, उन्होंने कर्नूल में ओर्वाकल औद्योगिक क्षेत्र और कडप्पा में कोप्पर्थी औद्योगिक क्षेत्र की आधारशिला रखी, जिनका कुल निवेश 4,920 करोड़ रुपये से अधिक है। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट (एनआईसीडीआईटी) और आंध्र प्रदेश औद्योगिक अवसंरचना निगम लिमिटेड (एपीआईआईसी) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित, ये आधुनिक बहु-क्षेत्रीय औद्योगिक केंद्र प्लग-एंड-प्ले अवसंरचना और वॉक-टू-वर्क अवधारणा से युक्त हैं।

>14

तेलंगाना सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

ओबीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण पर रोक का फैसला बरकरार

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें राज्य सरकार ने ओबीसी वर्ग को स्थानीय निकाय चुनाव में 42 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की थी। इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट ने भी राज्य सरकार के इस फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के अंतरिम फैसले के खिलाफ तेलंगाना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट से भी उसे निराशा हाथ लगी है और सर्वोच्च अदालत ने याचिका खारिज कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मेरिट के आधार पर फैसला ले हाईकोर्ट :

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने राज्य सरकार की विशेष याचिका खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय को मेरिट के आधार पर फैसला करना चाहिए और उसे राज्य सरकार की याचिका खारिज होने से प्रभावित नहीं होना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि चुनाव अधिसूचना से पहले आरक्षण क्यों नहीं लाया गया? इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि राज्यपाल ने बिना अनुमति दिए विधेयक को लंबित रखा था। सिंघवी ने कहा कि तमिलनाडु राज्यपाल मामले में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद, विधेयक को 'मान्य अनुमति के आधार पर' कानून बना। उन्होंने आगे कहा कि कानून को कोई चुनौती दिए बिना ही स्थगन प्राप्त कर लिया गया है।

उच्च न्यायालय ने ट्रिपल टेस्ट ढांचे के अंतर्गत चुनाव कराने का दिया निर्देश :

इससे पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि स्थानीय निकाय चुनाव सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित त्रिस्तरीय परीक्षण के ढांचे के भीतर होने चाहिए। राज्य

>14

'उम्मीद है चुनाव आयोग अंतिम मतदाता सूची की गलतियों को सुधारेगा'

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि उम्मीद है कि चुनाव आयोग बिहार की अंतिम मतदाता सूची में टाइपिंग और अन्य गलतियों को सुधारेगा। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ अब इस मामले पर 4 नवंबर को सुनवाई करेगी। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने कहा कि 30 सितंबर को उनके द्वारा प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची को लेकर अभी तक एक भी आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई है।

चुनाव सुधार संगठन एडीआर की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि एक मतदाता द्वारा यह दावा किया गया कि उसका नाम अंतिम सूची में नहीं जोड़ा गया था, जिसे चुनाव आयोग ने 7 अक्टूबर को सुनवाई में फर्जी बताया था, लेकिन उसका दावा सच है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को बताना चाहिए कि कितने मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए हैं।

जूता फेंकने वाले वकील पर चलेगा अवमानना का केस

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। ऐसा इसलिए कि वकील के खिलाफ पर अवमानना का मुकदमा चलेगा। अटॉर्नी जनरल ने राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की सहमति दे दी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कोर्ट से अनुरोध किया कि मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना मामले की सुनवाई की जाए।

ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने दीवाली की छुट्टियों के बाद मामला सुनवाई के लिए लगाने का निर्देश दिया है। दरअसल, गुरुवार (16 अक्टूबर) को मामला न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ से अनुरोध किया कि मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना मामले की सुनवाई की जाए।

गुजरात में सीएम को छोड़कर सभी मंत्रियों का इस्तीफा

आज होगा राज्य कैबिनेट का विस्तार

अहमदाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले गुजरात मंत्रिमंडल का विस्तार शुक्रवार को होगा। वहीं इससे पहले आज राज्य के सभी मंत्रियों ने अपने पदों से इस्तीफा सौंप दिया है। वहीं कैबिनेट विस्तार को लेकर एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने पहले बताया था कि आगामी मंत्रिमंडल विस्तार में राज्य को लगभग 10 नए मंत्री मिल सकते हैं, और लगभग आधे मौजूदा मंत्रियों को बदला जा सकता है। भूपेंद्र पटेल ने 12 दिसंबर, 2022 को दूसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मंत्रिमंडल का विस्तार शुक्रवार सुबह 11:30 बजे होगा। वर्तमान गुजरात मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री

पटेल समेत कुल 17 मंत्री हैं। इसमें आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं, जबकि इतने ही राज्य मंत्री (एमओएस) हैं। बता दें कि, 182 सदस्यीय विधानसभा वाले गुजरात में 27 मंत्री या सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत मंत्री हो सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में, गुजरात सरकार में राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल की जगह भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के नए अध्यक्ष बने।

क्या गुजरात फॉर्मूले के चलते मंत्रियों को छोड़ना पड़ा पद?

2022 में गुजरात में विधानसभा चुनाव हुए थे। चुनाव से 15 महीने पहले सितंबर 2021 में राज्य की पूरी कैबिनेट बदल दी गई थी। इस बार राज्य में चुनाव को करीब 26 महीने बचे हुए हैं। हालांकि, इस बार मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया है सिर्फ उनके कैबिनेट सहयोगियों ने पद छोड़े हैं। 2021 में तो पांच साल के अंदर दो बार मुख्यमंत्री बदल दिए गए थे। 2017 में जब चुनाव हुआ था, तब विजय भाई रूपाणी को सीएम बनाया गया था, लेकिन 2021 में उन्हें हटाकर भूपेंद्र पटेल को जिम्मेदारी दे दी गई।

क्या एंटी इनकंबेंसी को खत्म करने की कोशिश?

वहीं चुनाव में 182 में से 103 नए चेहरों को टिकट दिया गया। पांच मंत्रियों समेत 38 विधायकों के टिकट काट दिए गए। 2022 के चुनाव में में इसका नतीजा भी देखने को मिला। भाजपा ने गुजरात में रिकॉर्ड 156 सीटें हासिल की। कहा जा रहा है इसी फॉर्मूले के तहत गुजरात कैबिनेट के मंत्रियों की छुट्टी हुई है। विश्लेषक मानते हैं कि चेहरे बदलकर भाजपा राज्य में लंबे समय से चल रही सरकार के प्रति होने वाली एंटी इनकंबेंसी को खत्म कर देती है। नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद से पूरी कैबिनेट को चुनाव से करीब 15 महीने पहले बदला जा रहा था। हालांकि, इस बार ये बदलाव थोड़ा जल्दी हुआ है।

अबूझमाड़ नक्सल मुक्त, दो दिन में 258 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण : अमित शाह

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर स्थित अबूझमाड़ के पहाड़ी जंगल इलाके को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया। यह बड़ी घोषणा उस वक्त की गई जब 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया। शाह ने इन सभी का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने हिंसा छोड़कर भारत के संविधान में भरोसा जताया है, यह एक साहसिक और सराहनीय कदम है।

इस बात की जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज छत्तीसगढ़ में 170, कल 27 और महाराष्ट्र में 61 नक्सलियों ने

आत्मसमर्पण किया। दो दिन में कुल 258 कट्टर नक्सलियों ने हिंसा छोड़ दी है। शाह ने कहा कि यह दिखाता है कि मोदी सरकार की रणनीति से नक्सलवाद अब खत्म होने की कगार पर है। सरकार के अनुसार, यह घटनाएं देश में वामपंथी उग्रवाद के अंत की ओर बढ़ते कदम को दर्शाती हैं।

अमित शाह ने बताया कि कभी नक्सली आतंक का गढ़ रहे छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर को अब पूरी तरह नक्सल मुक्त घोषित कर दिया गया है। अब केवल दक्षिण बस्तर के कुछ इलाकों में ही नक्सली बचे हैं, जिन्हें भी जल्द समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कह कि हमारी नीति स्पष्ट है, जो नक्सली आत्मसमर्पण करेंगे उनका स्वागत है, लेकिन जो हथियार उठाए रहेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों की कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। अमित शाह ने यह भी बताया कि जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 1785 गिरफ्तार किए गए हैं और 477 को न्यूट्रलाइज किया गया है उन्होंने कहा कि यह सब 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के संकल्प की दिशा में एक ठोस कदम है। शाह ने सभी नक्सलियों से अपील की कि वे हिंसा छोड़ें, हथियार डालें और मुख्यधारा में लौटकर देश की प्रगति में भागीदार बनें।

इसके साथ ही दूसरी ओर गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि विदेशों में छिपे अपराधियों की भारत वापसी (प्रत्यर्पण) में तेजी लाने के लिए हर राज्य में एक विशेष जेल बनाई जाए जो अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी उतरे। साथ ही जिन अपराधियों के खिलाफ इंटरपोल की रेड नोटिस जारी हो चुकी है, उनके पासपोर्ट रद्द किए जाएं ताकि वे दुनिया में आज़ादी से घूम न सकें। अमित शाह ने यह बातें सीबीआई द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में कहीं।

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और मुकेश नायक पर मामला दर्ज

भोपाल, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बंगले के बाहर प्रदर्शन करने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक पर मामला दर्ज किया गया है। बिना अनुमति के धरना प्रदर्शन करने पर भोपाल की टीटी नगर पुलिस ने ये कार्रवाई की है।

बता दें कि दोपहर में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और किसानों के साथ केंद्रीय मंत्री कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सरकारी आवास पर पहुंचे थे। यहां फसलों के दाम सही नहीं मिलने को लेकर प्रदर्शन किया था।किसानों के साथ जीतू पटवारी भी अपने साथ गेहूं की बोरी लेकर पहुंचे। शिवराज के घर के बाहर पहुंचे पटवारी और किसानों को जब अंदर नहीं जाने दिया तो प्रदर्शनकारियों ने शिवराज के घर के सामने सड़क पर ही गेहूं की बोरी उलट दी और वहीं रोड पर बैठ गए।

पुलिस ने जब रोकने की कोशिश की तो हल्की झड़प की स्थिति बन गई। दरअसल, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के साथ करीब डेढ़ दर्जन किसान प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचे थे। वहां उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से मुलाकात की और भावांतर योजना, प्याज, धान सहित तमाम फसलों के सही दाम न मिलने को लेकर चर्चा की।

'आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या की'

एएसआई संदीप लाठर सुसाइड मामले में ऐसा क्यों बोले पंजाब के मंत्री हरपाल चीमा?

चंडीगढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार मामले की जांच कर रहे रोहतक के साइबर सेल के एएसआई संदीप लाठर की ओर से आत्महत्या करना सुनियोजित हत्या भी हो सकती है ताकि अनुसूचित जाति की आवाज को दबाया जा सके। यह बाद राज्य के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कही। चीमा वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में हरियाणा के डीजीपी और रोहतक के एसपी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात करने के बाद राजभवन के बाहर पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का वीडियो सामने आया है उसमें हत्या की भी आशंका लगती है और इसमें किसी एजेंसी का हाथ हो सकता है।

'एडीजीपी की आत्महत्या कोई छोटी बात नहीं'

उन्होंने कहा कि एएसआइ ने पहले अपनी सारी स्टेटमेंट का वीडियो बनाया और उसके बाद आत्महत्या कर ली।

आम आदमी पार्टी से जुड़े अनुसूचित जाति के सांसद, विधायक, एससी विंग के प्रधान और अन्य नेताओं के साथ राज्यपाल से मिलने के दौरान चीमा ने मांग की कि एक अनुसूचित जाति से संबंधित एडीजीपी का आत्महत्या कर लेना छोटी बात नहीं है लेकिन उन्हें इंसाफ अभी तक नहीं मिला है। चीमा ने कहा कि राज्यपाल जो चंडीगढ़ के प्रशासक भी हैं, ने हमें आश्वासन दिया है कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई होगी। चीमा ने कहा कि अगर ऐसा न हुआ तो आम आदमी पार्टी भाजपा के खिलाफ गांव-गांव जाकर लोगों को एकजुट करेगी।

नीतीश को झटके पर झटका

अब जदयू की प्रदेश महासचिव आसमां प्रवीण ने दिया इस्तीफा

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और जदयू ने अपने अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। इस बीच, नीतीश की जदयू को एक और बड़ा झटका लगा है। नीतीश की पार्टी जदयू की प्रदेश महासचिव आसमां प्रवीण ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पद से इस्तीफा देने के साथ ही आसमां ने पार्टी की प्राथमिकता सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। आसमां ने अपने समर्थकों के बीच रोते हुए सुनाई अपनी पीड़ा। इस्तीफा देने के बाद आसमा ने बताया कि वे आज महुआ से नामांकन करेंगी। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में जदयू के सिंबल पर लड़ी थी चुनाव।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, डीआईजी और हैंड ग्रेनेड बरामद; आतंकी साजिश नाकाम

अमृतसर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉर्डर रेंज के डीआईजी नानक सिंह के निर्देशन में अमृतसर ग्रामीण पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अजनाला थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक आईईडी, तीन हैंड-ग्रेनेड, मदरबोर्ड, रिमोट कंट्रोल बैटरी और डेथनेटर सहित विस्फोटक सामग्री बरामद की है। वीरवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीआईजी ने बताया कि यह बरामदगी किसी संभावित बड़े आतंकी हादसे को टालने में अहम साबित हुई है।

डीआईजी नानक सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान और डीजीपी पंजाब के निर्देशानुसार बॉर्डर रेंज में आतंकवाद, गैंगस्टर गतिविधियों और नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि अमृतसर पुलिस का मकसद स्पष्ट है जो भी लोग समाज में भय या अशांति फैलाने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ड्रग्स के खिलाफ चल रहे अभियानों का ब्योरा देते हुए डीआईजी ने बताया कि जिले में अब तक 879 मामले दर्ज किए जा चुके हैं,

जिनमें 1,491 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने अब तक 211 किलोग्राम हेरोइन, 6 किलोग्राम आईस, और करीब 1।5 किलोग्राम अफीम बरामद की है। बरामदगी का कुल अनुमानित मूल्य लगभग 1।90 करोड़ आंका गया है। उन्होंने बताया कि नशा तस्करी से अर्जित संपत्तियों को फ्रीज और फोर्चर करने की प्रक्रिया जारी है। एनडीपीएस एक्ट के तहत 68 भगोड़े आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। डीआईजी ने कहा कि बीएसएफ, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ लगातार संयुक्त ऑपरेशन किए जा रहे हैं। इंटेलिजेंस-आधारित छापे और विशेष अभियान ही ऐसे नेटवर्कों को जड़ से खत्म कर सकते हैं। पुलिस न केवल बरामदगी तक सीमित है,

बल्कि स्मगलिंग चेन के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक भी तोड़े जा रहे हैं। डीआईजी ने आम नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि अमृतसर जिला शांतिपूर्ण है और रहेगा, कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

युवक के रोटी पर थूकने का वीडियो हुआ वायरल

हिंदू संगठन ने किया प्रदर्शन बाजार बंद कराया'

उत्तरकाशी, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में एक रेस्टोरेंट में युवक के रोटी पर थूकने का वीडियो वायरल होने पर हंगामा मच गया। विरोध में हिंदू संगठन से जुड़े युवाओं ने बाजार में दुकाने बंद कराई और प्रदर्शन किया। वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें समुदाय विशेष का युवक तंदूरी रोटी में थूकता दिखाई दे रहा है। पुलिस उक्त मामले में मुकदमा पंजीकृत कर विस्तृत जांच में जुट गई। बृहस्पतिवार दोपहर हिंदू संगठन से जुड़े युवाओं ने इसके विरोध में जिला मुख्यालय में मंडी व समस्त दुकाने सभी बंद करवाई। साथ ही घटना को अंजाम देने वाले युवक पर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठाई।

एल्विश यादव और सिंगर फाजिलपुरिया के खिलाफ चार्जशीट दाखिल, सांप के साथ शूटिंग से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूट्यूबर एल्विश यादव और पंजाबी सिंगर फाजिलपुरिया के खिलाफ सांपों के साथ शूटिंग करने के मामले में आरोप तय हो चुके हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुग्राम स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट में चंडीगढ़ की कंपनी स्काई डिजिटल को भी दोषी बनाया गया है। अदालत की तरफ से चार्जशीट पर संज्ञान लेने के बाद दोनों को जल्द तलब किया जाएगा। ईडी जांच में खुलासा हुआ है कि फाजिलपुरिया के गाने "32 बोर" से 52 लाख रुपये की कमाई हुई थी। इसी रकम से बिजनौर में 3 एकड़ जमीन 50 लाख में खरीदी गई। एल्विश और

फाजिलपुरिया के बैंक खातों से कुल 3 लाख रुपये, जबकि स्काई डिजिटल कंपनी के खाते से 2 लाख रुपये जब्त किए गए हैं। ईडी ने दोनों की करीब 55 लाख रुपये की संपत्ति भी अटैच की है।

यह मामला उस वीडियो से जुड़ा है, जिसमें एल्विश यादव और फाजिलपुरिया ने सांपों के साथ शूटिंग की थी। इसी मामले में पहले "कोबरा कांड" के तहत भी एल्विश यादव पर नोएडा में केस दर्ज हुआ था। यह केस गौरव गुप्ता नाम के एक व्यक्ति ने दर्ज कराया था। इस मामले में उनका भाई सौरभ गुप्ता गवाह भी था। दोनों भाइयों ने बाद में एल्विश यादव के समर्थकों पर उन्हें धमकाने का आरोप भी लगाया था।

क्या हैं आरोप?

एल्विश यादव और अन्य लोगों पर आरोप हैं कि एक पार्टी में सांप के जहर को नशे की तरह इस्तेमाल किया गया था। इसमें विदेशी नागरिक भी शामिल थे। रेव पार्टी से जुड़े मामले में पिछले साल एल्विश यादव को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद से एल्विश लगातार सुर्खियों में रहे हैं। अधिकतर मौकों पर वह नकारात्मक कारणों से चर्चा में रहे हैं। हालांकि, इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान उनके वकील ने कहा था कि एल्विश और सह-आरोपी के बीच कोई संबंध स्थापित नहीं हुआ है। इसके अलावा उनके पास से कोई सांप, मादक पदार्थ या नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ था।

यादव एक ''जाने-माने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर'' हैं जो टेलीविजन पर कई रियलिटी शो में दिख चुके हैं, ऐसे में प्राथमिकी में उनका नाम आने से ''मीडिया का बहुत ध्यान'' आकर्षित हुआ है। इसके बाद उनके खिलाफ कार्यवाही पर उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी।

इलाज के बहाने डॉक्टर ने बेहोशी का इंजेक्शन देकर पत्नी की जान ली

बंगलूरू, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बंगलूरू में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल शहर के एक सर्जन डॉक्टर को अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मृतका भी डॉक्टर थी।

आरोप है कि पति ने इलाज के बहाने बार-बार अपनी पत्नी को बेहोशी का इंजेक्शन देकर मार डाला। मृतका के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि डॉक्टर ने इस साल अप्रैल में अपनी पत्नी की जान ली, लेकिन पुलिस ने आरोपी को अब गिरफ्तार किया। दरअसल मृतका के पिता ने अपने दामाद पर बेटी की हत्या का आरोप लगाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। डॉ। कृतिका के पिता ने शिकायत में बताया कि डॉ महेंद्र रेड्डी ने कृतिका से अस्पताल बनाने के लिए अपने घर से पैसा लाने की मांग की थी। हालांकि कृतिका के पिता इतना पैसा नहीं दे पाए। शिकायत के बाद पुलिस ने मृतका के विसरा को फोरेंसिक जांच के लिए फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री भेजा, जहां से विसरा सैंपल में एनेस्थीसिया की दवाई मौजूद होने का पता चला। इसके बाद पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को विक्टोरिया अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी डॉक्टर विक्टोरिया अस्पताल में ही सर्जिकल रेजीडेंट के पद पर तैनात है। पुलिस ने बताया कि आरोपी डॉक्टर महेंद्र रेड्डी जीएस (31 वर्षीय) की मार्च 2024 में डॉक्टर कृतिका रेड्डी (28 वर्षीय) से शादी हुई थी।

पुलिस ने बताया कि फोरेंसिक जांच में विसरा रिपोर्ट में प्रोपोफोल की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। यह दवा ऑपरेशन या किसी प्रक्रिया के लिए मरीज को बेहोश करने के लिए एनेस्थीसिया के इंजेक्शन में दी जाती है। पुलिस जांच में पता चला कि डॉक्टर महेंद्र रेड्डी और उनकी पत्नी डॉक्टर कृतिका बंगलूरू के वाइटफील्ड के मुन्नेकोलाल इलाके में रह रहे थे। 24 अप्रैल को डॉक्टर कृतिक की तबीयत बिगड़ी और वे बेहोश हो गईं। डॉक्टर महेंद्र पत्नी को लेकर कावेरी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टर्स ने कृतिका को मृत घोषित कर दिया।

16 से अधिक मामलों में वांटेड अपराधी तुषांत वसु गिरफ्तार, लंबे समय से था फरार

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने रोहिणी इलाके से कुख्यात अपराधी तुषांत वसु उर्फ टाइगर को गिरफ्तार किया है। तुषांत पर गुजरात के कच्छ जिले के गांधीधाम में एक व्यापारी के अपहरण का आरोप है। दिल्ली पुलिस को उसके कब्जे से एक ऑटोमेटिक पिस्टल और काफी मात्रा में जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक

16 जुलाई 2025 को गांधीधाम में चार लोग दो गाड़ियों में व्यापारी के ऑफिस के सामने पहुंचे और उसे जबरन ले गए। इस मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को जानकारी मिली कि आरोपी रोहिणी में अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। तुरंत टीम गठित कर छापेमारी की गई और तुषांत को गिरफ्तार किया गया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक तुषांत वसु 32 साल का है और राजस्थान के बीकानेर जिले के बाज्जू गांव का रहने वाला है उसने बीए की पढ़ाई बीच में छोड़ दी थी। पुलिस पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह 16 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहा है, जिनमें हत्या के प्रयास, डकैती, चोरी और आर्म्स एक्ट के मामले शामिल हैं। तुषांत पहले भी हरियाणा के कालानौर में हत्या के प्रयास और डकैती के मामलों में गिरफ्तार हो चुका था। 2024 में जमानत मिलने के बाद वह अपनी बहन के घर गुजरात गया, जहां उसने हिस्ट्रीशीटर हितेन्दर सिंह झाला से संपर्क किया। दोनों ने मिलकर व्यापारी का अपहरण किया जिसे बाद में छोड़ दिया गया।

दिल्ली पुलिस की जांच जारी

दिल्ली पुलिस ने इस गिरफ्तारी के दौरान एक पिस्तौल और काफी मात्रा ने कारतूस बरामद किए। तुषांत वसु पर राजस्थान और हरियाणा के कई जिलों में दर्ज 16 से अधिक मामले पहले से ही दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

किसानों का दमन कर रही गुजरात सरकार

आप का दावा- हमारे 2 नेता गिरफ्तार, केजरीवाल बोले- कांग्रेस की तरह बीजेपी को भी अहंकार

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आप नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि गुजरात की तीस साल की बीजेपी सरकार ने दमन की इंतहा कर दी। केजरीवाल ने कहा कि किसानों के पक्ष में आवाज उठाने के जुर्म में बीजेपी ने आप के दो नेताओं को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए नेताओं में प्रवीण राम और राजू करपड़ा शामिल हैं।

केजरीवाल ने अपनी पोस्ट में लिखा कि 1985 में गुजरात में कांग्रेस की 182 में से 149 सीट आई थीं। कांग्रेस को अहंकार हो गया। इसके बाद 1987 में किसान आंदोलन हुआ। कांग्रेस ने उसका दमन किया और गुजरात के लोगों ने 149 सीट वाली कांग्रेस को अगले चुनाव में उखाड़ फेंका। आप प्रमुख ने कहा कि इसी तरह पिछले 30 साल से गुजरात में बीजेपी का शासन है। उन्हें भी अब बहुत ज्यादा अहंकार हो गया है और जिस तरह से उन्होंने किसानों का दमन शुरू किया है, गुजरात के लोग अगले चुनाव में बीजेपी को भी उखाड़ फेंकेंगे। आप नेता मनीष सिसोदिया ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए बीजेपी को घेरा। उन्होंने कहा कि गुजरात में बीजेपी के तीन दशकों से सरकार में होने के बाद भी किसान दुखी हैं, व्यापारी परेशान हैं, युवा बेरोजगार हैं,

और जब कोई सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाता है। उन्होंने कहा कि यही है बीजेपी का सरकार चलाने का "गुजरात मॉडल।" उन्होंने कहा कि यह बहुत दिलचस्प है कि गुजरात में कोई भी कांग्रेस नेता गिरफ्तार नहीं होता, जबकि रोज आप नेताओं को जनता की आवाज उठाने पर गिरफ्तार किया जाता है। सिसोदिया ने कहा कि गुजरात में बीजेपी और कांग्रेस एक हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल और आप ही अब गुजरात के लोगों की एकमात्र उम्मीद हैं।

जाति सर्वे में हिस्सा क्यों नहीं लेगा सुधा मूर्ति का परिवार? राज्यसभा सांसद ने बताई वजह

बंगलूरू, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और समाजसेवी सुधा मूर्ति ने कर्नाटक में 'कास्ट सर्वे' के नाम से मशहूर सोशल और एजुकेशनल सर्वे में हिस्सा लेने से मना कर दिया है।

इस बात की जानकारी उन्होंने खुद दी है। दरअसल, टेक की दिग्गज कंपनी इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति और उनकी पत्नी ने कर्नाटक में हो रहे इस सर्वे में हिस्सा लेने से मना कर दिया है।

दंपती का कहना है कि वे किसी पिछड़े समुदाय से नहीं हैं और इसलिए इस सर्वे में हिस्सा नहीं

लेंगे।

राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने एक सेल्फ-डिक्लेरेशन पर साइन किया। इसमें कहा गया कि परिवार सर्वे में हिस्सा लेने से मना कर रहा है क्योंकि इससे उनके मामले में सरकार का कोई मकसद पूरा नहीं होगा।

वहीं, सुधा मूर्ति ने कर्नाटक स्टेट कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेस के सोशल और एजुकेशनल सर्वे में कोई भी जानकारी न देने के बहाने के तौर पर पर्सनल कारण भी बताए। इधर, सुधा मूर्ति के स्टैंड पर रिएक्ट करते हुए कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि हम किसी को भी सर्वे में हिस्सा लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकते हैं। यह अपनी मर्जी से करना होगा। बता दें कि ये सर्वे पूरी तरीके से वैकल्पिक है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

कवा कोयल की आजवा को दबा सकता है, लेकिन अपनी आवाज को मधुर नहीं कर सकता...

हाई कोर्ट ने जुबली हिल्स 'वोट फ्रॉड' याचिका में दखल देने से मना कर दिया

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाई कोर्ट ने साफ कर दिया है कि वह भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की उस याचिका में दखल नहीं दे सकता है, जिसमें जुबली हिल्स चुनाव क्षेत्र में कथित वोट फ्रॉड के बारे में बताया गया है, जहां 11 नवंबर को उपचुनाव होना है। ये याचिकाएं बीआरएस की उम्मीदवार मगंटी सुनीता और पार्टी के वर्किंग प्रेसिडेंट के.टी. रामाराव ने लंच मोशन के ज़रिए दायर की थीं, जिसमें जुबली हिल्स सेगमेंट में वोटर रोल में बड़े पैमाने पर हेरफेर का आरोप लगाया गया था। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सीनियर वकील डी शेषाद्रि नायुडू ने कहा कि जुबली हिल्स इलाके में हजारों 'अयोग्य या अनजान लोगों' को वोटर के तौर पर रजिस्टर किया गया था और लगभग 12,000 वोट बाहरी लोगों के हैं जो उस चुनाव क्षेत्र के निवासी नहीं हैं। कुछ मामलों में, एक ही घर में 43 तक वोटर रजिस्टर्ड थे। उन्होंने बताया कि इलेक्शन कमीशन को फर्जी वोटर्स के पक्के सबूत देने के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया गया है।

पिटीशनर्स के वकील की दलीलों से अलग राय रखते हुए, ईसी के वकील ने कोर्ट को बताया कि बिहार इलेक्शन से जुड़ा ऐसा ही एक मामला सुप्रीम कोर्ट में पहले से ही सुना जा रहा है। ईसी नॉमिनेशन फाइल करने की आखिरी तारीख तक ऑब्जेक्शन लेगा। संबंधित लोकल इलेक्शन ऑफिसर को बीआरएस के रिप्रेजेंटेशन की जांच करने और नतीजों के आधार पर एक्शन लेने के निर्देश दिए गए हैं।

असल में, नए रजिस्टर्ड वोटर्स की असली संख्या लगभग 8,000 है, न कि 12,000 जैसा कहा जा रहा है। जो लोग 18 साल के हो गए हैं, वे कानूनी तौर पर वोटर के तौर पर रजिस्टर करने के हकदार हैं। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, कोर्ट ने कहा कि ईसी पहले से ही इलेक्टोरल रोल्स में रिवीजन कर रहा है। इसलिए, इस मुद्दे पर कोर्ट को किसी और निर्देश या दखल की ज़रूरत नहीं है। तेलंगाना हाई कोर्ट ने जुबली हिल्स फर्जी वोट मामले में कोई भी अंतरिम आदेश या निर्देश जारी करने से इनकार कर दिया है, यह कहते हुए कि यह मामला चुनाव आयोग की चल रही वोटर लिस्ट में बदलाव की प्रक्रिया के तहत आता है, और मामले का निपटारा कर दिया है।

उपचुनाव के लिए ईवीएम और वीवीपीएटी का पहला रैंडमाइजेशन पूरा हुआ

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर (सीईओ) सुदर्शन रेड्डी ने बुधवार को बताया कि 61-जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल्स (वीवीपीएटी) का पहला रैंडमाइजेशन पूरा हो गया है।

हैदराबाद के डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर ने सीईओ मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस) के जरिए यह रैंडमाइजेशन किया, जिसमें मान्यता प्राप्त नेशनल और स्टेट पॉलिटिकल पार्टियों के रिप्रेजेंटेटिव मौजूद थे। कुल 407 पोलिंग स्टेशनों को 569 बैलेट यूनिट (बीयू), 569 कंट्रोल यूनिट (सीयू), और 610 वीवीपीएटी दिए गए हैं। रेड्डी ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर पर पॉलिटिकल पार्टी के रिप्रेजेंटेटिव के साथ चुनाव क्षेत्र के हिसाब से रैंडमाइज्ड मशीनों की लिस्ट शेयर की गई थी। सभी ईवीएम और वीवीपीएटी को सिक्योरिटी के साथ तय स्ट्रॉन्ग रूम में रखा गया है, और सीलिंग के दौरान जानी-मानी पॉलिटिकल पार्टियों के रिप्रेजेंटेटिव मौजूद रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव लड़ने वाले कैंडिडेट्स की लिस्ट फाइनल होने के बाद, पहले रैंडमाइजेशन की डिटेल्स भी सभी चुनाव लड़ने वाले कैंडिडेट्स को दी जाएंगी।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले में बुधवार रात एक सड़क दुर्घटना में 25 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। विकाराबाद निवासी अंतगिरी श्रीनू (25) अपनी बाइक से विकाराबाद ब्रिज पर जा रहे थे, तभी एक तेज रफ़्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

श्रीनू की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। हादसे में कार चालक भी घायल हो गया।

ग्रेटर हैदराबाद में ट्रांस फॉर्मर लगाने का नया तरीका

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद में बिजली डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को मॉडर्न बनाने के लिए, सदर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ऑफ तेलंगाना लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) ने नई पहल की है। डिप्टी चीफ मिनिस्टर भट्टी विक्रमार्क के सुझावों पर काम करते हुए, अधिकारियों ने शहर में ट्रांसफॉर्मर लगाने के तरीके में नए बदलाव किए हैं। अब तक, ज्यादातर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफ़ॉर्मर सड़क के किनारे ज़मीन के पास लगाए जाते थे। इस व्यवस्था से पैदल चलने वालों को परेशानी होती थी, और ट्रांसफ़ॉर्मर के आस-पास कचरा और प्लास्टिक का कचरा जमा होने से अक्सर खतरनाक हालात बन जाते थे। कुछ मामलों में, शॉर्ट सर्किट और बिजली लीकेज से हादसे हुए। इन समस्याओं को दूर करने के लिए, टीजीएसपीडीसीएल ने पोल-माउंटेड डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफ़ॉर्मर सिस्टम नाम का एक नया टेक्निकल तरीका शुरू किया है। इस नए तरीके में, बिजली के खंभे पर जमीन से लगभग 10 फ़ीट ऊपर एक लोहे का स्ट्रक्चर लगाया जाता है, और उस पर ट्रांसफ़ॉर्मर लगाया जाता है। यह सेटअप ट्रांसफ़ॉर्मर को जमीन से सुरक्षित रूप से ऊपर रखता है, जिससे यह पक्का होता है कि पैदल चलने वालों के आने-जाने में कोई रुकावट न आए। इसके अलावा, क्योंकि ट्रांसफ़ॉर्मर के आस-पास कचरा और वेस्ट मटीरियल जमा नहीं हो पाता, इसलिए सेफ्टी स्टैंडर्ड में काफ़ी सुधार होता है। इसके अलावा, यह सिस्टम इंस्टॉलेशन कॉस्ट को कम करता है, क्योंकि इससे बड़े कंक्रीट फाउंडेशन की जरूरत खत्म हो जाती है। टीजीएसपीडीसीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, मुशर्रफ फारूकी ने अंबरपेट पुलिस लाइन में लगाए गए एक मॉडल पोल-माउंटेड डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर का इंस्पेक्शन किया और ज़रूरी सुझाव दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी नए ट्रांसफॉर्मर इंस्टॉलेशन के लिए यह तरीका अपनाया जाना चाहिए। इस विजिट के दौरान, डायरेक्टर डॉ. नरसिम्हुलु, चीफ इंजीनियर (मेट्रो) प्रभाकर, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर वेंकन्ना और दूसरे अधिकारी मौजूद थे।

धोखाधड़ी करने वाले कुख्यात गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार

80 लाख रुपये के सात फोर व्हीलर गाड़ियां बरामद

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिलकलगुडा पुलिस ने दो कुख्यात, संगठित अपराधियों को पकड़ा। वे भोले-भाले गाड़ी मालिकों को महीने के किराए के नाम पर फंसाते थे और न तो किराया देते थे और न ही गाड़ियां वापस करते थे।

उन्होंने इन गाड़ियों को अलग-अलग लोगों को देकर आपराधिक साजिश रची और भोले-भाले गाड़ी मालिकों से करीब सात लाख रुपये का किराया ठगा। गिरफ्तार आरोपियों में संगीशेट्टी प्रवीण कुमार और जी. अमरेंद्र शामिल है।

जबकि एक अन्य आरोपी मोहम्मद रिज़वान फरार है। पुलिस ने बताया यह अपराधी गैंग में मुख्य आरोपी संगीशेट्टी प्रवीण कुमार, पीड़ितों (कार मालिकों) को किराए के नाम पर ज्यादा किराए का लालच देता था और सभी चार पहिया गाड़ियां मालिकों से ले लेता था।

शुरू में वह एक या दो किश्तें देकर मालिकों का भरोसा जीतता था, उसके बाद वह अपने दोनों साथियों साथ प्लान बनाता और किराया देने या गाड़ियां देने से बच जाता। यह गैंग लंबे समय से किराए की सभी गाड़ियों का इस्तेमाल अलग-अलग जगहों पर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में अलग-अलग लोगों को सौंपकर करता था, ताकि गाड़ी मालिकों को धोखा दिया जा सके। एक पीड़ित की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कार मालिकों को आगाह किया है कि लोग अपनी कारें किराए पर देने का इरादा रखते हैं। वे गाड़ियां किराए पर देने से पहले, वे कार रेंटल एजेंसी चलाने वाले लोगों का पिछला रिकॉर्ड वेरिफाई कर लें और इस तरह के गैंग के जाल में न फंसें।

3.20 करोड़ कीमत के 1061 चोरी हुए और खोए हुए मोबाइल फोन बरामद

मोबाइल फोन उनके मालिकों को सौंपे गए

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक बड़ी कामयाबी में, डीसीपी क्राइम ए. मुथ्यम रेड्डी की लीडरशिप में, साइबराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) के पांच ज़ोन ने रिकवरी ऑपरेशन के 9वें फ़ेज के तहत 1061 चोरी हुए और खोए हुए मोबाइल फोन सफलतापूर्वक रिकवर किए हैं। पिछले 45 दिनों में, सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का इस्तेमाल करके लगभग 3.20 करोड़ कीमत के कुल 1061 मोबाइल फ़ोन रिकवर किए गए। ये मोबाइल फोन साइबराबाद पुलिस कमिश्नर ऑफ़िस के लॉन में असली मालिकों को ऑफिशियली सौंप दिए गए। इस मौके पर बोलते हुए, डीसीपी अपराध ए. मुथ्यम रेड्डी ने कहा कि पिछले 45 दिनों में ही, हमने 1061 मोबाइल फ़ोन रिकवर किए हैं। उन्होंने खोए या चोरी हुए मोबाइल फ़ोन की तुरंत रिपोर्ट सबसे पास के पुलिस स्टेशन या सीईआईआर पोर्टल के ज़रिए करने की जरूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि मोबाइल फ़ोन में अक्सर सेंसिटिव पर्सनल डेटा और सेंटीमेंटल वैल्यू होती है, जिससे समय पर रिकवरी ज़रूरी हो जाती है। क्राइम एडीसीपी के. राम कुमार ने कहा कि मोबाइल फोन हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत जरूरी हैं और इनमें पर्सनल, बिजनेस और फाइनेंशियल जानकारी होती है। क्योंकि फ़ोन चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, इसलिए सभी को सावधान रहना चाहिए। 2023 से, साइबराबाद पुलिस ने 13,423 फोन रिकवर किए हैं।

Dil Khol Ke Celebrate This Season

Metro FOOTWEAR Ke Saath.

Shop Closing time 10:45 PM*

Metro® FOOTWEAR & LEATHER STORES

ONLY at ABIDS, STATION ROAD, Hyd

WE HAVE NO BRANCH

SUNDAY OPEN

GST Savings

Metro hai bharosa hai!

बिस्तर पर लाश, एक हाथ में मोबाइल

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदिरा नगर थाना क्षेत्र में एक ऐसी घटना ने सबको झकझोर दिया, जिसने एक मासूम की जिंदगी को हमेशा के लिए खामोश कर दिया। 13 साल का विवेक, जो अपने परिवार के साथ बेहतर भविष्य की तलाश में लखनऊ आया था, मोबाइल गेम 'फ्री फायर' की लत का शिकार हो गया। उसकी छोटी सी दुनिया उसी मोबाइल स्क्रीन में सिमटकर रह गई, जब वह अचेत पड़ा मिला और अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सीतापुर से आए विवेक का परिवार महज आठ दिन पहले ही परमेश्वर एनक्लेव कॉलोनी में किराए के मकान में शिफ्ट हुआ था। तकरोही इलाके की एक परचून दुकान पर काम करने वाला विवेक मेहनती था, लेकिन उसकी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा मोबाइल गेम ने छीन लिया था।

जेडीयू के सभी 101 उम्मीदवारों की घोषणा

4 मुसलमानों को टिकट, गोपाल मंडल बेटिकट

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए जनता दल (यूनाइटेड) ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस सूची में 44 उम्मीदवारों के नाम हैं। 57 नामों की घोषणा पहली लिस्ट में की गई थी। इस तरह जेडीयू के सभी 101 उम्मीदवारों के नाम सामने आ गए हैं। जदयू की 101 लोगों की सूची में सिर्फ 4 मुसलमान उम्मीदवार हैं। इस बार अररिया से शगुफ्ता अजीम, जोकीहाट से मंजर आलम, अमौर से सबा जफर और चैनपुपर से जमा खान उम्मीदवार हैं।

भागलपुर के गोपालपुर से विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल का टिकट जदयू ने काट दिया है। वो टिकट के लिए नीतीश कुमार के आवास के बाहर धरने पर भी बैठे थे। अब उन्होंने निर्दलीय लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जदयू में बड़े लीडर की दूषित मानसिकता की वजह से मेरा टिकट कटा है। अब हम निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। एनडीए में टिकट बंटवारे के बाद सामने आया था कि नीतीश कुमार सीट बंटवारे को लेकर असहज महसूस कर रहे है। इस बार जदयू को उतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ना है जितनी भाजपा को दी गई हैं, जबकि पहले बीजेपी गठबंधन में जूनियर पार्टनर रही है।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए ये है जेडीयू की पहली लिस्ट

जेडीयू की पहली सूची की बात करें तो उसमें जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश दिखाई दी थी। पार्टी के परंपरागत लव-कुश यानी कुर्मी-कुशवाहा जातियों को बड़ी संख्या में टिकट दिया गया। इसमें 12 दलित, 9 कुर्मी, 6 कुशवाहा, 3 धानुक, 6 भूमिहार, 5 राजपूत, 1 कायस्थ, 1 ब्राह्मण, 5 वैश्य और 2 निषाद थे। 10 अनुसूचित जाति वर्ग के प्रत्याशी थे। 30 सीटों पर उम्मीदवार बदले गए, 27 को फिर से टिकट दिया।

एक और भेड़िया मारा गया

वन विभाग ने किया शूट

इलाके में बना हुआ था आतंक

बहराइच, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में आतंक का पर्याय बने भेड़ियों के झुण्ड के एक सदस्य को फारेस्ट विभाग ने सुबह 4 बजे गोली मार दी। भेड़िये का शव मुख्यालय लाया जा रहा है। जहां पोस्टमार्टम के बाद उसे दफनाया जाएगा। कैसरगंज इलाके के मझरा तौकली गांव में स्थित भिरगू पुरवा ग्राम में बुधवार की देर रात ग्रामीणों व वन विभाग की टीम द्वारा काम्बिंग के दौरान भेड़िया होने की जानकारी मिली। जिसके बाद प्रभागीय वन अधिकारी राम सिंह यादव व डी एफ ओ गाजीपुर अजीत सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंच उसकी तलाश शुरू कर दी। टीम की ओर से उसे घेर कर पकड़ने का प्रयास किया गया लेकिन पकड़ में न आने पर सुबह करीब चार बजे शूटर ने भेड़िए को गोली मार दी गई। जिसके चलते उसकी मौत हो गई। वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि इस इलाके में एक माह से अधिक समय से भेड़िए के हमले में छह लोगों की मौत हुई है। वहीं करीब 29 लोग लोग घायल हुए हैं।

आज सुबह एक भेड़िए को शूट किया गया है। इसके पहले 28 सितंबर को भी एक भेड़िए को मारा गया था। इसके अलावा तीस सितम्बर व 11 अगस्त को भी दो भेड़िए को गोली मार गई थी वो मिसिंग हैं। बता दें, इस क्षेत्र में भेड़िये के आतंक को देखते हुए स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी क्षेत्र में आए थे। तब उन्होंने वन विभाग को निर्देश दिया था कि अगर भेड़िए पकड़ में न आए तो उन्हें गोली मार दी जाए।

ब्रह्मोस मिसाइलें दुश्मनों का करेंगी काम तमाम

कल पहली खेप होगी रवाना

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बनी ब्रह्मोस मिसाइलें अब दुश्मनों को नष्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत और रूस के संयुक्त प्रयास से बनाई गई इन मिसाइलों की पहली खेप को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 18 अक्टूबर को लॉन्च करेंगे। लखनऊ के भटगांव में स्थापित ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई में ये मिसाइलें तैयार की जा रही हैं। बता दें कि इस साल 11 मई को रक्षा मंत्री ने लखनऊ के भटगांव में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई का उद्घाटन किया था। 300 करोड़ रुपये की लागत से 80 एकड़ में फैली इस इकाई में हर साल 80 से 100 मिसाइलें बनाने का लक्ष्य है। भविष्य में इस क्षमता को बढ़ाकर 150 मिसाइलें प्रति वर्ष करने की योजना है। यह इकाई भारत की रक्षा क्षमता को और मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी।

ब्रह्मोस मिसाइल अपनी अचूक निशाने और तेज रफ्तार के लिए जानी जाती है। हाल ही में ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल पाकिस्तान के कई एयर बेस को ध्वस्त कर दिया था। यह ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना तेज (मैक 3) चलती है। ब्रह्मोस मिसाइल 290 से 400 किलोमीटर तक दुश्मन के ठिकानों को नष्ट कर सकती है।

इसे जमीन, हवा और समुद्र से लॉन्च किया जा सकता है। यह मिसाइल एक बार छोड़ने के बाद स्वचालित रूप से अपने लक्ष्य को भेद देती है। दुश्मन के रडार को चकमा देकर सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। ब्रह्मोस मिसाइल भारत के डीआरडीओ और रूस की कंपनी एनपीओएम की संयुक्त परियोजना है। इसमें भारत की 50.5% और रूस की 49.5% हिस्सेदारी है। यह मिसाइल भारत की सैन्य ताकत को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

55 मुकदमों वाले हिस्ट्रीशीटर की हत्या, रजबहे में पड़ी मिली लाश, आठ पर केस दर्ज

मेरठ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंडाली थाना क्षेत्र के गांव जिसौरा से दस दिनों से लापता हिस्ट्रीशीटर सरताज अली (46) का शव हापुड़ जनपद के सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव शरीफपुर के जंगल में रजबहे में मिला है। सरताज के भाई वकील ने शाम को मुंडाली थाने पर गांव के ही आठ लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया। आरोप लगाया कि घर से बुलाकर आरोपियों ने उसकी हत्या करके शव रजबहे में फेंक दिया। वकील ने बताया कि मुंडाली थाना क्षेत्र के गांव जिसौरा निवासी सरताज पांच अक्तूबर की शाम कुछ देर में लौटने की बात कहकर घर से गया था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर पत्नी फरजाना ने सरताज को फोन किया तो थोड़ी देर में पहुंचने की बात कही थी। मगर वह लौट कर नहीं आया।

आज फतेहपुर जाएंगे राहुल गांधी

मॉब लिंचिंग में मारे गये हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से करेंगे मुलाकात

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 17 अक्तूबर को फतेहपुर जाएंगे। वह रायबरेली में पिटाई से दम तोड़ने वाले हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से मिलेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी दिल्ली से कानपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां कार से फतेहपुर के लिए रवाना होंगे। वह सदर कोतवाली के तुराब अली का पुरवा निवासी हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद पार्टी नेताओं से मुलाकात करेंगे।

कांग्रेस दलितों के मुद्दों को लेकर लगातार गंभीरता दिख रही है। दलितों को जोड़ने के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय प्रदेश में होने वाली दलित उत्पीड़न की हर घटना पर खुद मौके पर जा रहे हैं। रायबरेली में फतेहपुर निवासी हरिओम वाल्मीकि की जिस वक्त कुछ लोग पिटाई कर रहे थे, उसने राहुल गांधी का नाम लेते हुए गुहार लगाई थी। इसके बाद कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल हरिओम वाल्मीकि के घर पहुंचा। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी और संसद राकेश राठौर परिजनों को आर्थिक मदद देने जा रहे थे। किंतु पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। अब राहुल गांधी खुद फतेहपुर जाकर हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से मिलेंगे।

योगी सरकार के मंत्रियों ने की थी मुलाकात

बाद में प्रदेश सरकार के दो मंत्रियों राकेश सचान और असीम अरुण ने पीड़ित के घर जाकर मुलाकात की थी। उसी शाम पीड़ित की पत्नी ने सीएम योगी से मुलाकात की थी। इस मामले में अब तक 12 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

'सपा सांसद अपनी चौथी पत्नी को दें गुजारा भत्ता'

हाई कोर्ट ने समझौता करने के लिए दिया 3 महीने का समय

प्रयागराज, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रामपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को निर्देश दिया है कि वह अपनी चौथी पत्नी को नियमित रूप से मासिक गुजारा भत्ता दें, अन्यथा कानूनी परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। साथ ही न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा ने वैवाहिक विवाद का कोई समाधान निकालने के लिए मामले को हाई कोर्ट के मध्यस्थता केंद्र को भेज दिया। अदालत ने समझौता करने के लिए तीन महीने का समय दिया है और नदवी को 55,000 रुपये जमा करने का आदेश दिया है, जिसमें से 30,000 रुपये प्रति माह उनकी पत्नी को गुजारा भत्ता के रूप में दिए जाएंगे। मोहिबुल्लाह नदवी ने आगरा स्थित पारिवारिक न्यायालय के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश द्वारा 1 अप्रैल, 2024 को पारित आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान सपा सांसद के वकील ने दलील दी कि मामला वैवाहिक विवाद से संबंधित है और नदवी इसे सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाना चाहते हैं। याचिकाकर्ता के वकील की दलीलों को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि अदालत रिकॉर्ड और उसके समक्ष प्रस्तुत दलीलों के आधार पर इस बात से भी संतुष्ट है कि मुकदमे की प्रकृति ऐसी है कि मध्यस्थता के माध्यम से मामले को सुलझाने की संभावना है और इस संभावना को तलाशने का प्रयास किया जाना चाहिए।

लालू का बड़ा दांव

तेज प्रताप की 'साली' करिश्मा राय को दिया टिकट, इस सीट से लड़ेंगी चुनाव

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की सियासत में नया मोड़ आया है जब लालू प्रसाद यादव ने तेज प्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्या राय की चचेरी बहन डॉ करिश्मा राय को सारण की परसा सीट से टिकट दिया।

पेशे से डेंटिस्ट करिश्मा पूर्व सीएम दरोगा राय की पोती है। दूसरी तरफ जेडीयू ने ऐश्वर्या राय के पिता चंद्रिका राय का परसा से टिकट काट दिया है और कुछ दिन पहले आरजेडी से जेडीयू में शामिल हुए छोटेलाल राय को सिंबल दिया है। छोटे लाल यहीं से राजद के सिटिंग विधायक थे, पिछले चुनाव में छोटे लाल ने चंद्रिका राय को 17000 वोट से हराया था।

कौन हैं करिश्मा राय?

करिश्मा, चंद्रिका राय के बड़े भाई विधानचंद्र राय की पुत्री और तेज प्रताप की पत्नी ऐश्वर्या राय की बड़ी बहन हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले तेजस्वी यादव ने करिश्मा को आरजेडी में शामिल कराया था। पेशे से डेंटिस्ट करिश्मा को तेजस्वी ने धूमधाम से पार्टी की सदस्यता दिलाई थी। करिश्मा ने भी राजद में शामिल होते ही तेजस्वी के बड़े भाई और अपने जीजा तेज प्रताप को बिहार का सबसे प्यारा नेता बताया था। करिश्मा ने कहा था कि ऐश्वर्या की शादी से पहले ही लालू परिवार से हमारा करीबी रिश्ता है। मेरे पिता विधानचंद्र राय और लालू प्रसाद कॉलेज के दिनों से ही अच्छे मित्र रहे हैं। राजद में किसी लालच से नहीं आई हूं, बल्कि तेज प्रताप और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में काम करने आई हूं।

कोर्ट में चल रहा है तलाक का केस

बता दें कि चंद्रिका राय की बेटी ऐश्वर्या राय और तेज प्रताप के तलाक का मामला अभी कोर्ट में चल रहा है। दोनों की शादी साल 2018 में हुई थी लेकिन यह शादी ज्यादा नहीं चली। 6 महीने बाद ही तेज प्रताप ने तलाक की अर्जी दी थी। उसके बाद से ही दोनों परिवारों के संबंध बिगड़ चुके हैं। ऐश्वर्या ने भी अपनी सास राबड़ी देवी एवं अन्य पर मारपीट कर घर से निकलने का मामला दर्ज कराया। इसके बाद चंद्रिका राय ने राजद छोड़ दी थी।

ओपी राजभर जुझारू नेता

योगी सरकार से दे दें इस्तीफा- यूपी कांग्रेस चीफ अजय राय

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि जिस तरह से केरल में सॉफ्टवेयर इंजीनियर आनंदू अजी द्वारा सुसाइड नोट में संघ पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, यह चिंताजनक है। न जाने और कितने संघ में ऐसे लोग होंगे जिनका उत्पीड़न हो रहा है।

इसलिए तत्काल इस संगठन को प्रतिबंधित करना चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा की - केरल में जिस तरह से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर आनंदू अजी ने सुसाइड नोट में आरएसएस पर आरोप लगाए हैं, यह बेहद गंभीर विषय है और न जाने कितने ऐसे स्वयंसेवक होंगे जिनका इस संगठन में उत्पीड़न हो रहा होगा। इंजीनियर आनंदू बाल स्वयं सेवक से ही इस संगठन से जुड़े रहे। और फिर भी उनके साथ इस प्रकार की घटना हो गई जो कितना दुखद है। हमने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर इस संगठन को प्रतिबंधित करने की मांग की है। इससे पूर्व में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को 1948 में सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा प्रतिबंधित किया गया था।

बिहार में एनडीए की तरफ से सीट न मिलने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर अकेले ही बिहार में चुनाव लड़ रहे हैं। इस मामले पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि - उन्हें मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर अपनी पार्टी को अकेले ही चुनावी मैदान में उतारना चाहिए। वो बहुत जमीनी और जुझारू नेता है उन्हें जनता पसंद करती है। वह संघर्ष करके यहां तक पहुंचे हैं। क्या उनको 2027 में आप साथ लाना चाहेंगे, इस सवाल पर जवाब देते हुए कांग्रेस नेता अजय राय ने कहा कि निश्चित तौर पर जब संघर्ष करने वाले व्यक्ति को समाज स्वीकार करेगा तो निश्चित तौर पर आगे बढ़ेंगे।

'मुझे मुल्ली कहा गया, परिवार को भी गाली दी'

सपा सांसद इकरा हसन ने 'बड़े नेता' पर लगाया आरोप

शामली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर के कैराना से सपा सांसद इकरा हसन के साथ अभद्र भाषा और अमर्यादित टिप्पणी करने का मामला सामने आया था। जिसके बाद सहारनपुर के एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान सांसद इकरा हसन उस समय भावुक हो गईं, जब उन्होंने मंच से अपने ऊपर और अपने परिवार पर की गई गालियों और आपत्तिजनक टिप्पणियों का जिक्र किया। उन्होंने अपने संबोधन में बिना नाम लिए पूर्व सांसद प्रदीप कुमार और उनके समर्थकों पर बदतमीजी करने का आरोप लगाया। सांसद इकरा हसन ने मंच से खुलकर कहा कि उन्हें सार्वजनिक रूप से "मुल्ली", "आतंकवादी" जैसे अपशब्द कहे गए। इतना ही नहीं, उनके विधायक भाई नाहिद हसन को भी गालियां दी गईं और उनके मरहूम पिता मन्नव्वर हसन के खिलाफ भी अभद्र बातें की गईं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ उनके परिवार या राजनीति की बात नहीं है, बल्कि एक महिला के सम्मान की बात है, जिसे सरेआम ठेस पहुंचाई गई। उन्होंने बीजेपी पर हिंदू-मुस्लिम की सियासत का भी आरोप लगाया। इकरा हसन ने यह भी कहा कि महिला होने के नाते वह इस तरह की अभद्रता को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगी और न ही किसी और महिला को सहने देंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस मामले को लेकर पूरी तरह गंभीर हैं और इस तरह की राजनीति को समाज और लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक बताया। सभा में मौजूद सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम जनता ने भी इकरा हसन के बयान पर सहानुभूति व्यक्त की और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

इस पूरे मामले को लेकर इकरा हसन ने पुलिस से लिखित शिकायत भी की है और आरोपियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि शिकायत कर्ता की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस मुद्दे ने क्षेत्रीय राजनीति में गर्माहट ला दी है और आने वाले समय में यह मामला और तूल पकड़ सकता है।

'पूर्व विधायक जितेंद्र सतवाई ने कराया फर्जी मुकदमा इंसाफ चाहिए', भाकियू ने थाना घेरा, जबरदस्त हंगामा

मेरठ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक जितेंद्र सतवाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। रोहटा थाने का घेराव कर किसान पर दर्ज फर्जी मुकदमा वापस लेने की मांग की। साथ ही पुलिस और विधायक के खिलाफ नारेबाजी की। सुबह करीब पांच बजे दर्जनों किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर रोहटा थाने पहुंचे। थाने के गेट के सामने एकत्रित होकर उन्होंने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

भाकियू कार्यकर्ताओं का कहना है कि सिवालखास के पूर्व भाजपा विधायक जितेंद्र सतवाई ने अपने एक सीधे-सादे किसान पड़ोसी पर गलत तरीके से गोलीबारी का फर्जी मुकदमा दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि पूर्व विधायक ने पुलिस के साथ मिलकर यह कार्रवाई की है।

आक्रोशित किसानों का कहना है कि जब तक पूर्व विधायक द्वारा दर्ज कराया गया फर्जी मुकदमा रद्द नहीं किया जाता, वे धरने पर डटे रहेंगे। उन्होंने पूर्व विधायक से उस गोलीबारी की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग की है, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। किसानों का कहना है कि वे इस फर्जी मुकदमे को बर्दाश्त नहीं करेंगे और अपने साथी किसान के लिए न्याय की मांग करते हैं।

अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को झटका

करोड़ों की रंगदारी मामले में जमानत अर्जी खारिज

प्रयागराज, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज की अदालत ने माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को बड़ा झटका दिया है। झांसी जेल में बंद अली अहमद की जमानत याचिका को सेशन कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अली अहमद पर बिल्डर से करोड़ों रुपए की रंगदारी मांगने और जमीन अपने नाम कराने के लिए दबाव बनाने के गंभीर आरोप हैं। यह मामला 26 अप्रैल 2023 का है, जब चकिया के रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद मुस्लिम ने प्रयागराज के खुल्दाबाद थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर में अतीक अहमद के बड़े बेटे उमर अहमद, छोटे बेटे अली अहमद समेत छह लोगों को नामजद किया गया था। आरोप था कि इन लोगों ने बिल्डर से पांच करोड़ रुपये की मांग की और जमीन अपने नाम पर कराने के लिए दबाव डाला।

एफआईआर के मुताबिक, खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के चकिया चौराहे पर अतीक के बेटे उमर, अली, असद कालिया, ऐहतेशाम और करीम समेत कई लोगों ने बिल्डर मुस्लिम को गाड़ी में जबरन बैठाकर अतीक अहमद के चकिया स्थित दफ्तर ले गए थे। वहां उसे कमरे में बंद कर मारपीट की गई और धूमनगंज स्थित देवघाट की जमीन उमर और अली के नाम बैनामा करने का दबाव बनाया गया। किसी तरह वह मौके से भागकर अपनी जान बचा सका।

बताया गया कि कुछ दिन बाद बिल्डर ने डर के कारण अतीक के गुर्गे असद कालिया को एक करोड़ बीस लाख रुपये दिए थे। यही नहीं, बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम ने आरोप लगाया था कि जमीन न देने पर उसकी पिटाई की गई थी। हालांकि, जानकारी के अनुसार मोहम्मद मुस्लिम खुद भी खुल्दाबाद थाने का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ करीब 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं। बता दें कि अतीक अहमद का बेटा अली अहमद इन दिनों यूपी की झांसी जेल में बंद हैं।

विकास बनाम बुर्के की नई शरारत, सीएम योगी का बिहार में महागठबंधन पर तीखा हमला, राम मंदिर पर भी बोले

पटनापटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान महागठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), कांग्रेस एवं उनके अन्य सहयोगी दल मतदान केंद्रों पर बुर्का पहनी महिलाओं की पहचान करने से संबंधित निर्वाचन आयोग के निर्देशों का विरोध कर विकास बनाम बुर्के की नई शरारत कर रहे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में उतरे आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर 'घुसपैठियों' के जरिये फर्जी मतदान करवाने की मंशा रखने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, बिहार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के शासन में विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। बिहार की एक विकास को बाधित करने के लिए कांग्रेस, राजद और उनके सहयोगी दलों ने एक नई शरारत शुरू की है। यह विकास बनाम बुर्के की शरारत है। पटना के बाहरी इलाके दानापुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव के समर्थन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, "क्या फर्जी मतदाताओं को वोट डालने दिया जाना चाहिए? कांग्रेस और राजद यही चाहते हैं, इसलिए बुर्के को लेकर इतना हंगामा मचा रहे हैं। यही कारण है कि वे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का भी विरोध करते रहे हैं, क्योंकि वे पुराने बैलेट पेपर के उस दौर को वापस लाना चाहते हैं, जिसमें उनके गुर्गे बूथ लूट सकते थे।

उत्तर प्रदेश और बिहार के सांस्कृतिक जुड़ाव का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के निर्माण के बाद अब सीतामढ़ी का भी कायाकल्प किया जा रहा है और दोनों स्थलों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करने पर भी काम चल रहा है।

भारत में जंगलों की आग से 1.5 करोड़ लोग प्रभावित, सबसे ज्यादा असर उत्तर प्रदेश में

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में पिछले एक साल में कई जगहों पर आग लगने की घटना सामने आई है। अध्ययन में पता चला है कि 2024-25 में जंगलों में लगी आग (वाइल्डफायर) से भारत में करीब 1.5 करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें ये भी बताया गया कि उत्तर प्रदेश इस आग से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य रहा, जहां अब तक का सबसे भयानक जंगलों की आग का मौसम दर्ज किया गया। वैज्ञानिकों के मुताबिक, फसल जलाने, तेज गर्मी और सूखी घास/ईंधन के जमाव के कारण उत्तर प्रदेश में आग की घटनाएं बढ़ीं। इसके चलते उत्तर प्रदेश करीब 46 लाख लोग प्रभावित हुए। वहीं पंजाब में लगभग 35 लाख लोग प्रभावित हुए।

इसका अच्छा खासा असर राजधानी दिल्ली पर भी पड़ा, जहां नवंबर 2024 में धुंध (हैज) बहुत गंभीर हो गई थी। इस दौरान हवा में पीएम2.5 प्रदूषण का स्तर डब्ल्यूएचओ के मानक से 13 गुना ज्यादा यानी 200 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ऊपर पहुंच गया। बता दें कि यह जानकारी 'स्टेट ऑफ वाइल्डफायर्स' नाम की वार्षिक रिपोर्ट में दी गई है, जो जर्नल पृथ्वी प्रणाली विज्ञान डेटा में प्रकाशित हुई है। रिपोर्ट को यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया (यूके) और यूके मेट ऑफिस सहित कई संस्थानों ने मिलकर तैयार किया है। अध्ययन के अनुसार भारत में सबसे ज्यादा संपत्ति (3.6 लाख करोड़ या यूएसडी 44 अरब) जंगलों की आग के खतरे में रही। इसके बाद अमेरिका (यूएसडी 26 अरब) और चीन (यूएसडी 17 अरब) का स्थान रहा। 10 करोड़ लोग दुनिया भर में जंगलों की आग से प्रभावित हुए।

इसके साथ ही 3.7 मिलियन वर्ग किलोमीटर इलाका जल गया, यह भारत के कुल क्षेत्रफल से भी ज्यादा है। इससे 8 अरब टन से ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित हुई, जो सामान्य औसत से 10% अधिक है। आग से सबसे ज्यादा नुकसान दक्षिण अमेरिका और कनाडा में हुआ, जो मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के कारण और ज्यादा भयानक हुई। रिपोर्ट के लेखक डगलस केली ने कहा कि हमारे सालाना आंकड़े साफ दिखाते हैं कि जलवायु परिवर्तन जंगलों की आग को और अधिक बार-बार और गंभीर बना रहा है।

कफ सिरप से हर तरफ कोहरम

अब पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने उठाया बड़ा कदम, जारी किया फरमान

कोलकाता, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में खांसी की दवाओं की बिक्री और मार्केटिंग को लेकर कड़े कदम उठाए हैं। राज्य के ड्रग कंट्रोल डायरेक्टोरेट ने कफ सिरप बेचने और प्रचार करने वाली कंपनियों पर निगरानी तेज करते हुए एक नई गाइडलाइन और निर्देश जारी किया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार, यह कदम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में किसी भी तरह की अनहोनी से बचने के लिए उठाया गया है। पश्चिम बंगाल की ओर से यह फैसला कोलड्रिफ नामक खांसी की सिरप पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद लिया गया है। पहले यह दवा मध्यप्रदेश में प्रतिबंधित की गई थी, जहां इसके सेवन से कई बच्चों की मौत हो गई थी। इसके बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने भी इसे अपने राज्य में बंद कर दिया। सरकार ने इसे एक एहतियाती कदम बताया है ताकि भविष्य में किसी मासूम की जान ना जाए। गाइडलाइन के अनुसार, कोई भी दुकानदार या कंपनी किसी और कंपनी द्वारा बनाई गई दवा को अपने नाम से नहीं बेच सकेगी जब तक कि उसके पास उस कंपनी के साथ लिखित समझौता न हो। यह प्रावधान गाइडलाइन के सेक्शन 84डी में अनिवार्य किया गया है। वहीं, धारा 84ई के तहत, जो कंपनियां दवाओं की मार्केटिंग करती हैं, उन्हें अब दवा की गुणवत्ता और कानूनी जिम्मेदारियों के लिए निर्माता कंपनी के साथ बराबर जिम्मेदार माना जाएगा।

ड्रग कंट्रोल डायरेक्टोरेट ने कहा है कि जो कंपनियां पश्चिम बंगाल के बाहर से खांसी की दवाएं बनवा रही हैं और यहां बेच रही हैं, उन्हें अपने निर्माण समझौते की एक कॉपी ड्रग कंट्रोल विभाग को 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। यह कॉपी आधिकारिक ईमेल पर भेजी जानी चाहिए। विभाग इन दस्तावेजों की जांच करेगा और सुनिश्चित करेगा कि सब कुछ नियमानुसार हो। इसके साथ ही कंपनियों को यह निर्देश भी दिया गया है कि वे केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'ड्रग अलर्ट' पोर्टल पर नियमित नजर रखें, ताकि दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा से जुड़ी नई चेतावनियों की उन्हें सही समय पर जानकारी मिलती रहे।

ड्रग कंट्रोल विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस फैसले से बाजार में खराब या बिना लाइसेंस वाली खांसी की सिरप की बिक्री पर लगाम लगेगी। साथ ही इससे ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ेगा कि उन्हें जो दवा मिल रही है, वह सुरक्षित है और नियमों के तहत बनी है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी बच्चों को दी जाने वाली खांसी और सर्दी की दवाओं को लेकर चेतावनी जारी की थी। मंत्रालय ने कहा था कि ऐसी दवाओं के इस्तेमाल में विशेष सावधानी बरती जाए।

खासकर छोटे बच्चों के लिए इन दवाओं का उपयोग डॉक्टर की सलाह के बिना न किया जाए। मध्य प्रदेश और राजस्थान में बच्चों की मौत की घटनाओं के बाद पूरे देश में प्रशासन ने खांसी की सिरप को लेकर अपनी सतर्कता बढ़ा दी है। अब राज्यों के स्वास्थ्य विभाग भी एक्शन मोड में आ गए हैं और दवाओं की गुणवत्ता की जांच और निगरानी को लेकर बेहद सतर्क हो गए हैं।

आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल हुए अधिकारी होंगे सस्पेंड

मंत्री प्रियांग खरगे ने सीएम सिद्दारमैया को लिखा पत्र

बेंगलूरू, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने सीएम सिद्धारमैया को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि राज्य के सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को किसी भी संगठन का हिस्सा बनने और उनके कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाए। उन्होंने इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है।

खरगे ने बताया कि उनके विभाग के कई अधिकारी आरएसएस के शताब्दी समारोह में शामिल होने गए थे। उन अधिकारियों के खिलाफ खरगे ने कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है और उन्हें 1 या 2 दिन में निलंबित भी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2013 में जब जगदीश शेट्टर मुख्यमंत्री थे, तब भी उन्होंने सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में सिर्फ पाठ्यक्रम से जुड़ी गतिविधियों को अनुमति देने की बात कही थी। मंत्री ने कर्नाटक सिविल सर्विस रूल्स, 2021 का हवाला देते हुए कहा कि यह मेरा नियम नहीं है। यह कर्नाटक सिविल सेवा का नियम है। उन्होंने कहा कि इस नियम के अनुसार, सरकारी अधिकारी किसी ऐसे कार्यक्रम में भाग नहीं ले सकते या किसी ऐसे संगठन से नहीं जुड़ सकते, जिनका राजनीति के प्रति झुकाव हो। उन्होंने बताया कि मेरी जानकारी में आया है कि बहुत से पीडीओ, ग्राम लेखाकार और अन्य राज्य अधिकारी आरएसएस के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और सरकार के खिलाफ बोल रहे हैं। इसको रोकने के लिए सिविल सेवा नियम को लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह नियम सिविल सेवकों को कंट्रोल करने वाला एक ढांचा है। खरगे ने कहा कि मैं बस इतना चाहता हूं कि इन नियमों का सतर्कता से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि अगर आप राज्य सरकार के कर्मचारी हो तो आपको कुछ नियमों का पालन करना ही होगा।

क्या सार्वजनिक किए जाएंगे दिल्ली में लगे हर सीसीटीवी के फुटेज? हाई कोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए राजधानी में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग सार्वजनिक करने की मांग को खारिज कर दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने साफ कहा कि हर चीज़ को पब्लिक डोमेन में डालना ज़रूरी नहीं है और इस तरह की मांग से ऐसा लगेगा मानो जनता खुद पुलिस का काम करना चाहती हो।

दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा भागीदारी लोकतंत्र का मतलब यह नहीं कि कल जनता युद्ध में भी शामिल हो जाए। पुलिसिंग का अधिकार जनता को नहीं दिया जा सकता। दरअसल यह जनहित याचिका एनजीओ सेव इंडिया फाउंडेशन ने दाखिल की थी। एनजीओ ने मांग की थी कि दिल्ली में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की लाइव या रिकॉर्डेड फुटेज आम जनता के लिए उपलब्ध कराई जाए ताकि पारदर्शिता बनी रहे और अपराधों पर निगरानी रखी जा सके।

दिल्ली हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए इस तर्क को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरे पुलिस के सामान्य कर्तव्यों का हिस्सा हैं और इन्हें सार्वजनिक करना न केवल सुरक्षा व्यवस्था के साथ खिलवाड़ होगा बल्कि इससे निजता और कानून-व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है।

गोपनीयता और सुरक्षा व्यवस्था पर खतरे की चिंता

कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा अगर किसी व्यक्ति या संस्था को सीसीटीवी फुटेज देखने या साझा करने की अनुमति दे दी जाए तो यह उन्हें पुलिसिंग के अधिकार देने जैसा होगा जो कानूनन गलत है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि इस तरह की याचिकाएं स्वीकार नहीं की जा सकतीं क्योंकि इससे प्रशासनिक ढांचे और सुरक्षा व्यवस्था की गोपनीयता खतरे में पड़ सकती है। यह निर्णय सीधे जनता की सुरक्षा और प्रशासनिक ढांचे की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

हमारा भाई कमजोर नही

विनेश फोगाट को देखते ही फूट-फूटकर रोने लगीं एएसआई संदीप लाठर के बहनें, एमएलए से की ये अपील

रोहतक, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। एएसआई संदीप लाठर के परिवार से गुरुवार को जुलाना की विधायक विनेश फोगाट ने मुलाकात की। इस मौके पर विधायक से परिजनों ने रो-रोकर न्याय की मांग की। विनेश से परिजनों ने कहा कि कोई तो प्रेशर डाल रहा था, हमारे भाई कमजोर नहीं था। हमारी हाथ जोड़कर यही विनती है कि मेरा भाई जो कर गया कर गया, लेकिन हमें न्याय चाहिए। इसकी पूरी इन्क्वारी होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को रोहतक में शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। मिलने के बाद उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने उनकी पत्नी को नौकरी देने और उनके बच्चों की पढ़ाई का भी ध्यान रखने का आश्वासन दिया है। इसके साथ ही सांसद ने महानिरीक्षक पूरन कुमार और उसके एक हफ्ते बाद संदीप कुमार की कथित आत्महत्याओं को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। संदीप कुमार लाठर ने 14 अक्टूबर को आत्महत्या की थी।

इससे पहले उन्होंने छह मिनट के वीडियो और सुसाइड नोट में पूरन कुमार को लेकर कहा कि उन्होंने पारिवारिक अपमान से बचने के लिए आत्महत्या की है। उनके परिवार की संपत्ति की जांच होनी चाहिए। 52 साल के पूरन कुमार हाल ही में रोहतक के सुनारिया स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में महानिरीक्षक के पद पर तैनात हुए थे, अपने चंडीगढ़ स्थित आवास पर गोली लगने से घायल अवस्था में पाए गए। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को चंडीगढ़ में हुआ। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एएसआई संदीप कुमार ने आईजी पूरन कुमार के पीएसओ हेड कॉन्स्टेबल सुशील कुमार की गिरफ्तारी में भूमिका निभाई थी।

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे की जांच से खुश नहीं हैं पायलट सुमित के पिता

सुप्रीम कोर्ट से न्यायिक जांच की मांग

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पायलट सुमित सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकारी जांच रिपोर्ट झूठी है और उनके बेटे को गलत तरीके से हादसे का जिम्मेदार बताया गया है। अब सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है कि हादसे की न्यायिक निगरानी में नई जांच कराई जाए।

12 जून 2025 को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही एयर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर क्रैश हो गया।इस हादसे में 229 यात्री, 12 क्रू मेंबर और 19 लोग ज़मीन पर अपनी जान गंवा बैठे। पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि सरकारी जांच पक्षपाती और अधूरी है। रिपोर्ट में कहा गया कि हादसा पायलट की गलती से हुआ,लेकिन असल में विमान में तकनीकी खराबी थी। हादसे के वक्त विमान का राम एयर टर्बाइन (आरएटी) अपने आप खुल गया था,जो तभी होता है जब विमान की बिजली या कंट्रोल सिस्टम फेल हो जाए। याचिकाकर्ता का कहना है कि अगर सिस्टम में गड़बड़ी थी। तो पायलट को कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? हम चाहते हैं कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष हो। पायलट की मौत के बाद उसकी छवि खराब करना बहुत गलत है। पायलट संगठन भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) ने भी याचिका में साथ दिया है। एफआईपी का कहना है कि जांच रिपोर्ट में कई तकनीकी पहलुओं को नजरअंदाज किया गया है।

जैसे बोइंग 787 के सॉफ्टवेयर सिस्टम (सीसीएस) और इलेक्ट्रिकल फॉल्ट की जांच ही नहीं हुई। याचिका में ये भी आरोप है कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) की रिकॉर्डिंग मीडिया में लीक कर दी गई,जिससे झूठी कहानियां फैलाई गईं और पायलट की छवि को नुकसान पहुंचाया गया। याचिका में पायलट के पिता ने कहा है कि मेरा बेटा एक ईमानदार और अनुभवी पायलट था।

उसने 15,000 घंटे बिना गलती के उड़ान भरी लेकिन अब उसी पर झूठा आरोप लगाया जा रहा है। पायलट के पिता ने कहा कि 30 अगस्त को जांच टीम के दो लोग बिना बताए घर पहुंचे और बोले कि हादसा उनके बेटे की गलती से हुआ। पिता का कहना है कि यह सब सच्चाई छिपाने और जिम्मेदारी टालने की कोशिश है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है कि इस मामले की जांच रिटायर्ड जज की निगरानी में हो और रिपोर्ट में शामिल सभी सरकारी अधिकारियों को जांच से अलग किया जाए।

हे भगवान, घोर कलयुग

पैसे चाहिए थे तो बन गया नकली नक्सली पिता को ही भेज दी जान से मारने की धमकी

कालाहांडी, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। लालच इंसान से कोई भी गलती करवा सकता है और ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है ओडिशा के कालाहांडी जिले के नर्ला थाना क्षेत्र के रूपारोड से। यहां एक बेटे ने पैसे ऐंठने के लिए खुद को नकली नक्सली बताकर अपने ही पिता को धमकी भरा पत्र भेज दिया।

रूपारोड के ठेकेदार दिनेश अग्रवाल के 24 वर्षीय बेटे अंकुश अग्रवाल ने अपने पिता से पैसे वसूलने के लिए एक अजीब और खतरनाक तरीका अपनाया। 6 अक्टूबर को उसने नक्सली संगठन के नाम से एक चिट्ठी लिखी और उसे अपने ही पिता की कार में रख दिया। चिट्ठी में लिखा था, "35 लाख रुपये तुरंत दो, नहीं तो तुम्हारे परिवार के सभी सदस्यों को मौत के घाट उतार दिया जाएगा।" इतना ही नहीं, अंकुश ने अपने पिता के एक दोस्त को भी इसी तरह की धमकी भरी चिट्ठी भेजी ताकि मामला असली लगे। यह चिट्ठी मिलते ही दिनेश अग्रवाल और उनके परिवार की हालत खराब हो गई। सभी डर और तनाव में आ गए। चिट्ठी को असली नक्सलियों की लिखी हुई समझकर पिता ने तुरंत पुलिस की शरण ली और पूरे मामले की शिकायत नर्ला थाना में दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की। शुरुआत में मामला काफी गंभीर माना जा रहा था क्योंकि नक्सलियों द्वारा धमकी देने की घटनाएं पहले भी इस इलाके में हुई थीं। लेकिन जब जांच आगे बढ़ी, तो सच्चाई किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं निकली।

आधार, पैन सब फर्जी! बांग्लादेशी ट्रांसजेंडर गुरु मां की क्राइम कुंडली, 30 साल से मुंबई में जमा रखा है डेरा

मुंबई, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बर्थ सर्टिफिकेट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आई। सब दस्तावेज फर्जी! इन्हीं फर्जी दस्तावेजों के दम पर एक बांग्लादेशी किन्नर पिछले 30 साल से भारत में रह रही थी। भारत के किन्नरों में उसे 'गुरु मां' कहा जाता है। सैकड़ों किन्नर उनके साथ जुड़े हुए हैं। आखिरकार, गुरु मां मुंबई पुलिस के हत्थे चढ़ गई है। मुंबई पुलिस ने बताया कि ज्योति नाम की एक ट्रांसजेंडर, जिसे गुरु मां के नाम से भी जाना जाता है, पिछले 30 सालों से फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से भारत में रह रही थी। मुंबई पुलिस ने बताया, ज्योति का असली नाम बाबू अयान खान है।

पिछले हीनों में जब मुंबई पुलिस बांग्लादेशियों को पकड़ रही थी, तब उसके कुछ साथियों को शिवाजी नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस दौरान ज्योति को भी हिरासत में लिया गया था, लेकिन उसके पास आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज

मौजूद होने के कारण उसे छोड़ दिया गया। ऐसे में ज्योति को लगा कि पुलिस से उसका पीछा छूट गया, लेकिन ऐसा था नहीं।

पुलिस ने ज्योति को छोड़ जरूर दिया था, लेकिन उसकी कुंडली खंगालनी शुरू कर दी थी। पुलिस ने जांच करने के बाद पाया कि ज्योति ने भारत का बर्थ सर्टिफिकेट और अन्य दस्तावेज जो दिये हैं, वो सभी फर्जी हैं। सभी सबूत जुताने के बाद ज्योति को गिरफ्तार कर लिया गया। ज्योति की जब पूरी कुंडली पुलिस के सामने आई तो पता चला कि ज्योति के खिलाफ शिवाजी नगर, नारपोली, देवनार, ट्रॉम्बे और कुर्ला पुलिस स्टेशनों में अन्य मामले भी दर्ज हैं।

ज्योति किन्नर के पास 20 से ज्यादा घर

किन्नर ज्योति ने भारत में रहते हुए काफी पैसा जुटाया और उसे प्रॉपर्टी में निवेश किया है। उसके पास मुंबई में लगभग 20 से अधिक घर हैं। ये घर रफीक नगर, गोवंडी और अन्य इलाकों में हैं। इन इलाकों में उसके कुछ फॉलोअर भी हैं, जो उसे गुरु मां के रूप में जानते हैं। जानकारी के मुताबिक, 24 मार्च को शिवाजी नगर पुलिस ने रफीक नगर से कुछ बांग्लादेशी ट्रांसजेंडरों को गिरफ्तार किया था, इसी दौरान ज्योति के दस्तावेज़ भी चेक किए गए थे। फिलहाल पुलिस ने पासपोर्ट अधिनियम और बीएनएस की धाराओं के तहत अयान खान उर्फ ज्योति उर्फ गुरु मां को गिरफ्तार कर लिया है।

ट्रेजरी घोटाला 100 करोड़ पार

2018 से हो रहा था गबन, दो कर्मचारी रियल एस्टेट से जुड़े

चित्रकूट, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। चित्रकूट जिले में ट्रेजरी विभाग से सेवानिवृत्त 95 शिक्षकों के खातों में भेजे गए 50 करोड़ रुपये के घोटाले में गुरुवार को नए तथ्य सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार, जांच के बाद अनुमान है कि कुल घोटाले की रकम 100 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट में पाया गया है कि यह हेराफेरी वर्ष 2018 से सितंबर 2025 तक लगातार चलती रही। सरकारी अभिलेखों में पेंशन और वेतन मद में फर्जी प्रविष्टियां कर धनराशि विभिन्न खातों में भेजी जाती रही। कई मामलों में एक ही शिक्षक के नाम पर बार-बार भुगतान दर्ज किए गए हैं। जांच में पटल संभालने वाले दो कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। दोनों परोक्ष रूप से जिले में रियल एस्टेट कारोबार में सक्रिय बताए जा रहे हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि दोनों कर्मचारियों ने अपने प्रभाव का उपयोग कर लंबे समय तक यह खेल जारी रखा। वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने बताया कि अब तक लगभग 22 लाख रुपये की रिकवरी की जा चुकी है और एफआईआर दर्ज कराने के लिए तहरीर भेजी गई है। जांच आगे बढ़ने के साथ घोटाले के और बिंदु सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

यहां से 'तारीफ' वहां से 'टैरिफ' जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर ऐसा कसा तंज

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने डोनाल्ड ट्रंप के दावों के बीच एक बार फिर बीजेपी को जमकर घेरा है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश गुरुवार को केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा ये निर्णय सरकार ने लिया है पर इसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति कर रहे हैं। जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यहां से उनकी तारीफ हो रही है और वहां से टैरिफ आ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी को संसद के सामने अमेरिकी व्यापार समझौते के बारे में चर्चा करनी चाहिए और ये बताना चाहिए कि ये अभी तक क्यों नहीं हुआ।

कांग्रेस महासचिव ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि रूस से तेल खरीदने के पीछे क्या सच्चाई है और अभी तक अमेरिका के साथ व्यापार समझौता क्यों नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें आम सहमति बनाकर संसद को विश्वास में लेना चाहिए। ये बताती है कि हमारी विदेश नीति पूरी तरह से विफल रही है।

राज्यसभा सांसद ने ट्रंप के झूठे दावों पर पीएम की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ट्रंप ने 51 बार दावा किए कि भारत-पाकिस्तान तनाव को रोकने के लिए वे जिम्मेदार थे। कल ट्रंप ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, और भारत ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह रूस से तेल नहीं खरीदेगा लेकिन प्रधानमंत्री इस पर चुप हैं! उन्होंने आगे कहा कि अगर भारत सरकार ने इसके लिए कोई फैसला किया है तो उसकी घोषणा करनी चाहिए । पीएम मोदी ट्रंप की प्रशंसा में ट्वीट करते हैं, लेकिन वही अमेरिका टैरिफ लगाता है। भारत सरकार अपने फैसलों की घोषणा क्यों नहीं करती है?

आपको बता दें कि ट्रंप ने यह टिप्पणी ओवल ऑफिस में अपराध पर अंकुश लगाने के प्रशासन के प्रयासों के विषय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की।

बिजनेसमैन से 58 करोड़ की ठगी, डिजिटल अरेस्ट कर 18 खातों से उड़ाए रुपए, तीन गिरफ्तार

मुंबई, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में 72 वर्षीय शेयर बाजार व्यापारी पर मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे आरोप लगाकर 58 करोड़ रुपये लूट लिए गए। इस केस में अब 3 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। आरोपियों ने खुद को ईडी और सीबीआई के अधिकारी बनाकर बिजनेसमैन को डिजिटल अरेस्ट किया। फिर उन्हें लूट लिया। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने एक व्यवसायी और उनकी पत्नी से 58 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। व्यवसायी को यह विश्वास दिलाया गया था कि वो कथित तौर पर मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में शामिल होने के कारण डिजिटल गिरफ्तारी में हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने खुद को ईडी और सीबीआई का अधिकारी बताया और व्यवसायी और उनकी पत्नी से जुड़े 18 खातों से पैसे निकाल लिए। साइबर क्राइम पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान अब्दुल नासिर खुल्ली, अर्जुन कड़वासरा और जेठाराम कड़वासरा के रूप में हुई है। आरोपियों ने व्यवसायी से कहा कि अगर वो पैसे नहीं चुकाएंगे, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता है। आरोपियों की बातों पर विश्वास करके बिजनेसमैन घबरा गए औप वो पैसे देने को तैयार हो गए। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने बिजनेसमैन के 18 खातों से पैसे निकाले। बताया जा रहा है कि व्यापारी ने 9 अगस्त से 8 अक्टूबर के बीच आरटीजीएस के जरिए उन्हें कुल 58.13 करोड़ रुपये का भुगतान किया। मामले की जांच जारी है। पुलिस अब व्यवसायी के खाते से निकाली गई रकम का पता लगाने की कोशिश कर रही है। इन दिनों डिजिटल गिरफ्तारी तेजी से फ्रॉड लोगों का पसंदीदा तरीका बनता जा रहा है। इस मामले में, धोखेबाज लोग फर्जी गिरफ्तारी वारंट, फर्जी दस्तावेज, और कभी-कभी फर्जी पुलिस स्टेशन बनाकर, अनजान लोगों को फोन या मैसेज करके ठगी करते हैं। वो खुद को कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी बताते हैं। फिर पीड़ितों को यह विश्वास दिलाने के लिए मजबूर किया जाता है कि उनसे वस्तुतः पूछताछ की जा रही है और उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 17 अक्टूबर- 2025

ट्रेड वॉर का आगाज

रेयर अर्थ मिनरल्स पर चीन की मोनोपाली जगजाहिर है। इस उपलब्धि पर चीन अपना नियंत्रण और कड़ा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यही चिंता अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को खाए जा रही है। इसीलिए अमेरिका ने चीन पर 100% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। दोनों महाशक्तियों के बीच यह खींचतान वैश्विक ऑटोमोटिव और डिफेंस सेक्टर को प्रभावित कर सकती है, क्योंकि इस पर चीन का एकाधिकार जो है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि आगामी मुलाकात में इस संकट का समाधान निकल जाए। दोनों ही शक्तिशाली देश चीन और अमेरिका नए ट्रेड वॉर के मुहाने पर खड़े हैं। जाहिर है दोनों महाशक्तियों के बीच की इस खींचतान का असर पूरी दुनिया पर पड़े बिना नहीं रहेगा। देखा जाए तो रेयर अर्थ के बिना किचन से लेकर युद्ध के मैदान तक इस्तेमाल होने वाली हर आधुनिक मशीन बेकार व अधूरी है। वैश्विक जरूरतों की 90फीसद सप्लाई चीन से होती है और इसमें भी 60फीसद वह खुद प्रोड्यूस करता है, जबकि बाकी मिनरल्स उसके यहां रिफाइन होते हैं। इसी एकाधिकार के भरोसे इस साल अप्रैल में भी उसने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को चुनौती दी थी। अमेरिकी टैरिफ के विरोध में जब चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर कड़ाई की, तो पूरी दुनिया के ऑटोमेटिव और डिफेंस सेक्टर पर संकट खड़ा हो गया था। हालात बिगड़ते देख दोनों देश एक समझौते पर पहुंचे थे, जिसके तहत अमेरिका ने टैरिफ कम किया और चीन ने नियंत्रण, लेकिन अब एक बार फिर वह समझौता टूटता नजर आने लगा है। अक्सर देखा गया है जब किसी देश की नब्ज दबानी होती है तो चीन रेयर अर्थ की सप्लाई का इस्तेमाल फर कूटनीतिक हथियार के तौर पर करने लगता है। तब वह नए-नए नियमों के तहत लाइसेंस प्रक्रिया को कठोर बनाने लगता है। चीन के इस कूटनीतिक हथियार का सबसे ज्यादा असर अमेरिकी डिफेंस सेक्टर पर पड़ने की आशंका है। ट्रंप की तरफ से आई तीखी प्रतिक्रिया की वजह भी यही है। हालांकि चीन जिस तरह रेयर अर्थ पर अपने एकाधिकार को हथियार बना रहा, वैसा ही कुछ अमेरिका ने भी किया था, जब उसने पेइचिंग को कुछ महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर और चिप डिजाइन तकनीक बेचने पर रोक लगा दी थी। एक बार फिर ट्रंप ने चीन पर एक नवंबर से नए टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यही वक्त है, जब एशिया-पैसिफिक इकॉनमिक कोऑपरेशन से इतर ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच मुलाकात होनी है। दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर भी बातचीत होना तय है। ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि उस मुलाकात में ताजा संकट का कोई न कोई हल निकल जाएगा। इस टकराव ने फिर साबित कर दिया है कि ग्लोबल सप्लाई चेन किस तरह चुनिंदा ताकतों पर निर्भर है। चीन और अमेरिका, दोनों ही अपने व्यापारिक प्रभाव का इस्तेमाल अपनी नीतियों को थोपने में कर रहे हैं। रेयर अर्थ और चिप मेकिंग में भारत समेत दूसरे देश कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए इन देशों को कडी मेहनत और भारी निवेश की जरूरत पडेगी।

पाक और अफगानिस्तान गरीबी से लड़ें कि दुश्मन से

अशोक भाटिया

ज्ञात हो कि अफगान सेना ने 11 अक्टूबर की रात पाकिस्तान की सीमा में घुसकर सात इलाकों में भारी हथियारों से हमला किया था . अफगानिस्तान का दावा था कि इस कार्रवाई में 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 5 को हिरासत में लिया गया. अफगान सैनिकों ने पाकिस्तानी हथियार भी जब्त किए और एक सैनिक का शव अपने साथ ले गए. वहीं जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने भी मोर्चा संभाला, जिससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच करीब साढ़े तीन घंटे तक गोलीबारी चली. ऐसे में समझने की बात यह है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों गरीब देश है ऐसे में अफगानिस्तानी लड़ाकों के पास ऐसे कौन से हथियार हैं और वो पाकिस्तानी आर्मी के सामने कितने दिन टिक पाएगा.

दरअसल यह सवाल इस कारण भी उठता है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों ही दक्षिण एशिया के ऐसे देश हैं जो लंबे समय से गरीबी, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की मार झेल रहे हैं. दोनों देशों की सीमाएं एक-दूसरे से जुड़ी हैं और दोनों पर ही पिछले कुछ दशकों में कई बाहरी ताकतों का असर पड़ा है. जहां पाकिस्तान 1947 से एक स्वतंत्र देश के रूप में अपनी सरकारें बनाता-बिगाड़ता रहा है, वहीं अफगानिस्तान में 2021 में अमेरिकी फौजों को बाहर निकालने के बाद तालिबान ने सत्ता पर कब्जा जमाया और इस्लामी अमीरात की सरकार बनाई. अफगानिस्तान इस समय तालिबान के शासन में है. 2022 में तालिबानी सरकार ने 1 लाख 10 हजार सैनिकों की एक नेशनल फोर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा था, जो अब करीब 2 लाख तक पहुंच चुकी है. ये लड़ाके खासतौर पर पहाड़ी इलाकों और कठिन परिस्थितियों में लड़ने के लिए प्रशिक्षित हैं. गोरिल्ला युद्ध में ये माहिर हैं, यानी आम फौज की तरह नहीं, बल्कि अचानक हमले, छिपकर वार करने और तेज मूवमेंट की रणनीति अपनाने में माहिर हैं. अफगानिस्तान की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी तकनीकी कमी है. तालिबान के पास अपना कोई आधुनिक हथियार उत्पादन तंत्र नहीं है. उनके पास जो हथियार हैं, वो या तो अमेरिका से छोड़े गए हैं, या फिर रूस और सोवियत दौर के पुराने हथियारों से मिले हैं. रिपोर्टों के मुताबिक, अफगान सेना के पास सैकड़ों अमेरिकी और रूसी टैंक हैं, साथ ही कुछ पुराने बख्तरबंद वाहन भी मौजूद हैं.

अफगानिस्तान के पास कोई सक्रिय फाइटर जेट नहीं है. 2016 से 2018 के बीच अमेरिका ने उसे ए-29 सुपर टुकानो नाम के हल्के अटैक एयरक्राफ्ट दिए थे, जिनकी संख्या लगभग 26 बताई जाती है. इनके पास कुछ अमेरिकी हेलीकॉप्टर और ड्रोन भी हैं, लेकिन ये बहुत सीमित स्तर पर काम करते हैं. अगर बात आसमान की जंग की हो, तो अफगानिस्तान की ताकत बहुत सीमित मानी जाती है. मिसाइल ताकत के मामले में भी अफगानिस्तान पीछे है. उनके पास सोवियत जमाने की पुरानी बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, जो अब तकनीकी रूप से अप्रभावी मानी जाती हैं. कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि तालिबान ने हाल के वर्षों में कुछ नए मिसाइल सिस्टम खरीदे हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस देश से आए हैं. अफगानिस्तान के पास कोई आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम नहीं है, केवल कुछ शॉर्ट-रेंज एंटी-एयरक्राफ्ट गन और रॉकेट लॉन्चर हैं. हालांकि रूस की मदद से तालीबान अपने एयर डिफेंस को सुधारने की कोशिश कर रहा था. उधर पाकिस्तान भले ही 75 साल से एक स्थापित देश हो, लेकिन वहां भी हालात कुछ बेहतर नहीं हैं. बार-बार तख्तापलट, सियासी खींचतान, आतंकवाद और बढ़ते कर्ज ने देश की कमर तोड़ दी है. इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड से लगातार मदद मांगने वाला पाकिस्तान अब आर्थिक संकट के सबसे निचले दौर में पहुंच चुका है.जमीन पर लड़ाई की बात करें तो अफगानिस्तान के तालिबानी लड़ाके अपनी गोरिल्ला रणनीति से दुश्मन पर भारी पड़ सकते हैं. लेकिन अगर युद्ध हवाई स्तर पर पहुंचा, तो पाकिस्तान को बढ़त मिल सकती है, क्योंकि उसके पास आधुनिक फाइटर जेट और मिसाइलें हैं. फिलहाल दोनों देशों के पास युद्ध का खर्च उठाने की हालत नहीं है, लेकिन अगर सीमा पर तनाव बढ़ता है, तो यह टकराव पूरे दक्षिण एशिया के लिए खतरनाक साबित हो सकता है.

आखिरकार हाल फ़िलहाल दोनों गरीब देश पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच कई दिनों तक चली हिंसक झड़पों के बाद दोनों पक्ष 48 घंटे के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। यह युद्धविराम बुधवार शाम को 6 बजे से लागू हुआ है। इसके पहले कई दिनों तक चली जमीनी और हवाई लड़ाई में दोनों पक्षों की तरफ से दर्जनों लोग मारे गए थे और 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। 2021 में काबुल की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यह हिंसा का सबसे बुरा दौर था। युद्धविराम के पहले बुधवार को दोनों पक्षों में भीषण लड़ाई हुई। इस बीच यह सवाल बना हुआ है कि ताजा युद्धविराम कितने दिनों तक चल पाएगा? पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस युद्धविराम की घोषणा करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य शत्रुता को कम करना और अस्थिर सीमा पर हाल ही में भड़की लड़ाई के बाद बातचीत का रास्ता खोलना है। बयान के अनुसार, दोनों पक्ष इस मुद्दे का सकारात्मक समाधान खोजने के लिए ईमानदारी से प्रयास करने पर सहमत हुए हैं। इस्लामाबाद ने जटिल लेकिन समाधान योग्य बताया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि काबुल ने अपनी सेनाओं को युद्धविराम का पालन करने का निर्देश दिया है, लेकिन इसके लिए पाकिस्तान को आक्रामकता से दूर रहना होगा। जबीहुल्लाह ने बताया कि युद्धविराम के लिए पाकिस्तानी पक्ष ने ही आग्रह किया था। तालिबान प्रशासन ने बताया कि बुधवार सुबह पाकिस्तान की वायु सेना ने कंधार के स्पिन बोल्डक जिले में बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें कम से कम 12 नागरिक मारे गए। इस हमले में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं और बड़ी संख्या में घरों को नुकसान हुआ है।

जैसा पहले बताया कि संघर्ष की शुरुआत पिछले सप्ताह काबुल पर पाकिस्तान के हवाई हमले के साथ हुई, जिसमें कथित तौर पर टीटीपी चीफ नूर वली महसूद को निशाना बनाने की बात कही गई। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के सदस्य सीमा पार सुरक्षित ठिकानों से अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। हालांकि, अफगान तालिबान ने इन आरोपों से लगातार इनकार किया है और आतंकवाद को पाकिस्तान की अंदरूनी समस्या बताया है। तालिबान ने पाकिस्तान पर गलत सूचना फैलाने, तनाव भड़काने और अफगानिस्तान को अस्थिर करने के लिए आईएसआईएस से जुड़े आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया है। पाकिस्तानी सेना इन आरोपों से इनकार करती है। अफगान तालिबान के साथ ताजा टकराव पाकिस्तानी सेना के लिए शर्मिंदगी का सबब बन गया है। तालिबान लड़ाकों ने दावा किया है कि उन्होंने बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया है। उनके हथियार और बख्तरबंद वाहन जब्त कर लिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में तालिबान लड़ाके कथित तौर पर एक पाकिस्तानी टी-55 टैंक पर सवार होकर जाते दिखाई दे रहे हैं। तालिबान ने इस टैंक को कथित तौर पर कंधार में हुए झड़पों के दौरान कब्जे में ले लिया था। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हिंसक झड़पों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चिंतित कर दिया है। चीन ने अपने नागरिकों और निवेश की सुरक्षा की अपील की है।

महिला निदेशक और विश्व सिनेमा का पुनर्लेखन

विजय गर्ग

महिला निर्देशकों की बढ़ती उपस्थिति का विश्व सिनेमा पर गहरा और परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ा है, जो स्थापित मानदंडों को चुनौती देता है, कहानी कहने में विविधता लाता है, और नए दृष्टिकोणों की पेशकश करता है जो पहले कम प्रतिनिधित्व किए गए थे। यह आंदोलन केवल एक आँकड़ा बढ़ाने के बारे में नहीं है; यह उन कहानियों में एक मौलिक बदलाव के बारे में है जो उन्हें बताती हैं, जो उन्हें बताती हैं, और उन्हें वैश्विक दर्शकों द्वारा कैसे माना जाता है। विविध नैरेटिव और परिप्रेक्ष्य दशकों से, सिनेमाई परिदृश्य को बड़े पैमाने पर पुरुष टकटकी द्वारा आकार दिया गया था - नारीवादी फिल्म सिद्धांत का एक शब्द जिस तरह से महिलाओं को अक्सर पुरुष दर्शकों की खुशी के लिए वस्तुओं के रूप में चित्रित किया जाता है। महिला निर्देशकों ने सक्रिय रूप से इसे खत्म करने के लिए काम किया है, महिला टकटकी की शुरुआत की है जो महिला विषय, अंतर और एजेंसी पर केंद्रित है। इसके कारण फिल्में बनी हैं: गहराई और जटिलता के साथ केंद्र महिला नायकः जेन कैंपियन (द पियानो, द पावर ऑफ द डॉग), सोफिया कोपोला (लॉस्ट इन ट्रांसलेशन, द वर्जिन सुसाइड), और सेलाइन साइसम्मा (पोर्ट्रेट ऑफ ए लेडी ऑन फायर) जैसे निर्देशक शिल्प कथाएँ जहां महिलाओं को पुरुषों के साथ उनके संबंधों द्वारा परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन पूर्ण, बहुआयामी चरित्र अपनी इच्छाओं, पहचान और संघर्षों की खोज कर रहे हैं। सहानुभूति, पहचान और सामाजिक मुद्दों के विषयों का अन्वेषण करें: भारत में गौरी शिंदे (इंग्लिश विंग्लिश) और ज़ोया अख्तर (गली बॉय) के अंतरंग नाटकों से लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका में अवा डुवर्ने (13 वीं) के सामाजिक रूप से जागरूक वृत्तचित्रों तक, महिला निदेशक अक्सर अपने काम के प्रति एक अनूठी संवेदनशीलता लाते हैं, लिंग, नस्ल, वर्ग और सामाजिक न्याय के विषयों को संबोधित करते हैं। चुनौती शैली सम्मेलनों: महिला निर्देशकों ने सभी शैलियों में काम करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है, एक्शन और हॉरर से लेकर कॉमेडी और ड्रामा तक, जबकि अक्सर पारंपरिक ट्रॉप्स को कम करते हैं। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के लिए अकादमी पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला कैथरीन बिगेलो एक प्रमुख उदाहरण है, द हर्ट लॉकर जैसी एक्शन और युद्ध फिल्मों में अपने प्रशंसित काम के साथ। स्वतंत्र और विश्व सिनेमा का उदय जबकि महिलाएं मूक युग के बाद से फिल्म निर्माण में शामिल रही हैं - ऐलिस गाय-ब्लाचे जैसे अग्रदूतों के साथ - उनके अवसर ऐतिहासिक रूप से पुरुष-प्रधान स्टूडियो प्रणाली में सीमित थे। 20 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में स्वतंत्र फिल्म आंदोलनों के उदय ने महिलाओं को उन कहानियों का प्रयोग करने और बताने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया जो प्रमुख स्टूडियो द्वारा ग्रीनलिट नहीं हो सकती थीं। इस बदलाव की भूमिका फिल्म निर्माताओं के करियर में थीः एग्नेस वर्दाः फ्रेंच न्यू वेव की एक प्रमुख आकृति, 5 से 7 मिश्रित वृत्तचित्र और कथा से क्लेओ जैसी उनकी फिल्में, एक मानवतावादी और अक्सर आत्मकथात्मक परिप्रेक्ष्य की पेशकश करती हैं जो क्रांतिकारी थीं। चैंटल अकरमैनः अपने न्यूनतम और अत्यधिक औपचारिक दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है, अकरमैन की फिल्में, विशेष रूप से जीन डायलमैन, 23, क्वाई डु कॉमर्स, 1080 ब्रुक्सलेस, रोजमर्रा की जिंदगी और पालतू जानवरों के कट्टरपंथी पुनर्निर्माण के लिए नारीवादी सिनेमा के स्थलों को माना जाता है। आज, यह प्रवृत्ति दुनिया भर की महिला निर्देशकों की एक नई पीढ़ी के साथ जारी है जो अंतरराष्ट्रीय प्रशंसा प्राप्त कर रही हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरिया से बोंग जून-हो या मेक्सिको से गिलर्मो डेल टोरो जैसे निर्देशक एक व्यापक घटना का हिस्सा हैं जहां विविध संस्कृतियों की कहानियों को वैश्विक दर्शक मिल रहे हैं, और महिलाएं उस लहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

पराली जलाने की आग में झुलसता उत्तर भारत

प्रियंका सौरभ

हर वर्ष जब धान की कटाई का मौसम आता है, तब पंजाब और हरियाणा के खेतों से उठने वाला धुआँ आसमान को धुंध से भर देता है। यह केवल खेतों की आग नहीं होती, बल्कि भारत की कृषि नीति, आर्थिक असमानता और पर्यावरणीय असंतुलन की जलती हुई तस्वीर होती है। दिल्ली तथा उसके आस-पास के क्षेत्र इस धुएँ से ढक जाते हैं और वायु गुणवत्ता अत्यंत गंभीर स्तर तक पहुँच जाती है। कानूनी रूप से पराली जलाना प्रतिबंधित है, फिर भी किसान इसे हर साल दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं। पराली जलाने का मूल कारण खेतों में बचा हुआ धान का ठूँठ होता है। जब धान की फसल कट जाती है, तब खेत में रह गए अवशेष को हटाने के लिए किसानों के पास न समय होता है न साधन। पंजाब और हरियाणा की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान और गेहूँ पर आधारित है। सन् 1960 के दशक की हरित क्रांति ने इन राज्यों को देश का अन्न भंडार तो बना दिया, परंतु कृषि को एकरूपी और जल–प्रधान भी बना दिया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सन् 2009 में पंजाब में "उप–जल संरक्षण अधिनियम" लागू किया गया, जिसके अंतर्गत धान की रोपाई जून के अंत तक करने का निर्देश दिया गया ताकि मानसूनी वर्षा का लाभ लिया जा सके। परिणामस्वरूप धान कटाई और गेहूँ की बुवाई के बीच केवल दस से बीस दिन का अंतर रह गया। इतने कम समय में किसान पराली को एकत्रित या सड़ाकर खेत तैयार नहीं कर सकते, इसलिए वे सबसे तेज़ और सस्ता उपाय—जलाना—चुन लेते हैं। दूसरा बड़ा कारण आर्थिक है।

पराली हटाने या निपटाने के लिए जो मशीनें चाहिए—जैसे सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली, हैप्पी सीडर, बेलर या रोटावेटर—वे अत्यंत महँगी हैं। छोटे और सीमांत किसान जिनकी जोत तीन हेक्टेयर से भी कम है, वे इन मशीनों को खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। उदाहरण के लिए, हैप्पी सीडर का किराया लगभग दो से तीन हज़ार रुपये प्रति एकड़ पड़ता है, जबकि पराली जलाने में केवल माचिस और थोड़े डीज़ल का खर्च आता है। यही व्यावहारिकता इस समस्या को गहराई तक जकड़े हुए है। तीसरा कारण पराली का कम उपयोग मूल्य है। पंजाब और हरियाणा में बोई जाने वाली अधिकतर धान की किस्में साधारण होती हैं, जिनमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है। ऐसी पराली पशु चारे के रूप में प्रयोग योग्य नहीं होती और न ही इससे जैव ईंधन या खाद आसानी से बनाई जा सकती है। पूर्वी भारत के राज्यों में धान की पराली पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग में आती है, परंतु पंजाब–हरियाणा में यह उपयोग सीमित है। इसीलिए यहाँ पराली किसानों के लिए किसी आर्थिक लाभ का साधन नहीं बन पाती। चौथा कारण है श्रम की कमी और जोत का विखंडन। प्रवासी मजदूरों की संख्या घट रही है, और छोटे खेतों में मशीनरी लगाने की क्षमता नहीं है। समय की कमी और श्रमिकों के अभाव में किसान अगली फसल बोने की जल्दी में पराली को जला देते हैं। सामाजिक दृष्टि से भी पराली जलाना वर्षों से एक स्वीकृत प्रक्रिया बन चुकी है। किसानों को यह लगता है कि खेत की सफाई का यही सबसे आसान और पारंपरिक तरीका है। कानूनों और जुर्मानों के बावजूद यह प्रथा इसलिए जारी है क्योंकि प्रवर्तन ढीला है और राजनीतिक दबावों के कारण प्रशासन कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। वर्ष 2023 में पंजाब में लगभग साठ हज़ार पराली जलाने की घटनाएँ दर्ज की गईं, जबकि जुर्माना और निगरानी दोनों व्यवस्था में थे। अब प्रश्न यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या हो सकता है? स्पष्ट है कि केवल प्रतिबंध या दंड इस समस्या को समाप्त नहीं कर सकते। आवश्यक है कि ऐसी रणनीति अपनाई जाए जो किसान की आजीविका और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चले। पहला समाधान है फसल विविधीकरण। पंजाब और हरियाणा की भूमि लगातार धान–गेहूँ चक्र से थक चुकी है।

जल स्तर भी नीचे जा रहा है। अतः मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इन फसलों के लिए यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीमा सुरक्षा और निश्चित खरीद सुनिश्चित करे तो किसान धीरे-धीरे धान पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हरियाणा की "भावांतर भरपाई योजना" इस दिशा में एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें किसानों को मूल्य अंतर की भरपाई दी जाती है। दूसरा समाधान है यंत्रीकरण और साझा संसाधन। किसानों को मशीनें साझा उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएँ। पंचायत या सहकारी समितियों के स्तर पर "कस्टम हायरिंग केंद्र" स्थापित हों, जहाँ से किसान कम किराए पर हैप्पी सीडर या सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली जैसी मशीनें ले सकें। केंद्र सरकार की "फसल अवशेष प्रबंधन योजना" के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा में एक लाख से अधिक मशीनें बाँटी गई हैं, पर इनकी पहुँच सभी किसानों तक नहीं हो पाई है। यदि हर गाँव में सामुदायिक यांत्रिक केंद्र बने, तो किसान पराली जलाने से बचेंगे। तीसरा उपाय है पराली का औद्योगिक उपयोग। पराली को कचरा न मानकर एक संसाधन के रूप में देखा जाए। इससे जैव ऊर्जा, एथेनॉल, कागज़, पैकेजिंग और निर्माण सामग्री तैयार की जा सकती है। उदाहरण के लिए, भारतीय तेल निगम की पानीपत जैव रिफाइनरी प्रतिवर्ष लगभग दो लाख टन पराली से एथेनॉल बनाती है। यदि इस प्रकार की परियोजनाएँ हर जिले में स्थापित हों तो पराली किसानों के लिए आय का स्रोत बनेगी और जलाने की आवश्यकता कम होगी। सरकार को परिवहन सहायता, खरीद अनुबंध और स्थायी बाज़ार उपलब्ध कराने की नीति बनानी चाहिए। चौथा कदम होना चाहिए कृषि–पर्यावरणीय समय निर्धारण। धान की छोटी अवधि वाली किस्में जैसे पी.आर.–126 या डी.आर.आर. धान–44 अपनाने से किसानों को फसल कटाई और बुवाई के बीच कुछ अतिरिक्त दिन मिल सकते हैं। इस समय का उपयोग पराली प्रबंधन में किया जा सकता है। इसके साथ–साथ परिशुद्ध कृषि यानी सटीक तकनीकी साधनों का प्रयोग, जल–सिंचाई प्रणाली में सुधार और जैविक खाद उपयोग से भी पर्यावरणीय लाभ मिलेगा। पाँचवाँ, सामुदायिक प्रोत्साहन और जनजागरूकता। पराली न जलाने वाले किसानों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए, गाँव स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित हो और "शून्य दहन ग्राम" घोषित किए जाएँ। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में "पुसा डीकंपोजर" नामक जैविक घोल के प्रयोग से पराली को खेत में ही खाद में बदला जा रहा है।

यदि इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए तो पराली जलाने की आवश्यकता नहीं बचेगी। छठा, प्रशासनिक तालमेल और नीति–समन्वय। केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य होना चाहिए ताकि कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा विभाग एक साझा योजना के अंतर्गत काम करें। पराली प्रबंधन को ग्रामीण रोजगार योजना, जैव ऊर्जा मिशन और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों से जोड़ा जा सकता है। उदाहरण के लिए, मनरेगा के अंतर्गत पराली एकत्रीकरण या जैव खाद इकाइयों में कार्य को रोजगार से जोड़ा जा सकता है। सातवाँ, शहरी–ग्रामीण सहभागिता भी इस दिशा में उपयोगी होगी। दिल्ली जैसे महानगर जहाँ प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव होता है, उन्हें अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के माध्यम से पंजाब–हरियाणा के किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए।

टूटा गृहस्थी बसाने का सपना!

मनोज कुमार अग्रवाल

करवाचौथ की रात हमेशा प्यार, विश्वास और परिवार के साथ बिताए जाने वाले खास पलों के लिए याद रखी जाती है लेकिन यही करवाचौथ की रात, जब देशभर में सुहागिनें अपने पतियों की लंबी आयु के लिए व्रत और पूजा कर रही थीं, वहीं यूपी के एक जिले में भरोसे और रिश्तों को तार-तार करने वाली लुटेरी दुल्हनों के गिरोह की बड़ी वारदात सामने आई। यहां के सासनी गेट थाना क्षेत्र में 12 परिवार उस वक्त सन्न रह गए, जब उनकी नई-नवेली दुल्हनें पूजा-पाठ के बाद सबको नशीला खाना खिलाकर घर में रखे लाखों रुपये के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गईं।

आपको बता दें कि अलीगढ़ जनपद के थाना सासनी गेट क्षेत्र के मथुरा रोड पर भी ऐसी ही वारदात हुई . पीड़ित परिवारों ने पुलिस को बताया कि 9 अक्टूबर को दो युवतियों की शादी हुई थी. इनमें से एक की कोर्ट मैरिज और दूसरी की घर में फेरे डालकर शादी संपन्न हुई थी. सब कुछ सामान्य चल रहा था, यहां तक कि दोनों ने करवा चौथ के दिन अपने-अपने पतियों की लंबी उम्र के लिए व्रत भी रखा. लेकिन उनके मन में प्यार नहीं, लूट की साजिश पल रही थी. शादी के महज दो दिन बाद ही, उनका असली इरादा सामने आ गया।

शादी की रस्में पूरी होने के बाद, लुटेरी दुल्हनों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाया. फरार होने के लिए उन्होंने दूसरी मंजिल से नीचे उतरने का एक चौंकाने वाला तरीका अपनाया. दोनों ने साड़ी की रस्सी बनाई और उसी के सहारे नीचे उतर गईं. भागने से पहले, उन्होंने दो परिवारों को बड़ा झटका दिया. दोनों अपने साथ चार सोने के कंगन, अंगूठी, मंगलसूत्र और करीब एक लाख बीस हजार रुपये नकद लेकर चंपत हो गईं. सुबह होते ही परिवारों में मातम और अविश्वास का सन्नाटा छा गया. घटना के बाद दोनों पीड़ित परिवारों ने थाना सासनी गेट में शिकायत दर्ज कराई है. पूर्व मेयर शकुंतला भारती भी पीड़ित परिवार के साथ थाने पहुंचीं और उन्होंने इसे लुटेरी दुल्हनों के गिरोह का काम बताया. उन्होंने मनोज गुप्ता नामक एक व्यक्ति को इस गिरोह का सरगना होने का आरोप लगाया है.

परिवारों ने सोचा था कि यह त्योहार खुशियों और मंगल का प्रतीक है। लेकिन करवाचौथ की यह रात उनके लिए यादों में जहर बन गई। न केवल परिवार सदमे में हैं, बल्कि यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। यह कोई सामान्य चोरी नहीं बल्कि एक सुनियोजित लुटेरी दुल्हन रैकेट की योजना थी। इन परिवारों की नई-नई दुल्हनों ने करवाचौथ का व्रत रखकर, खुद खाना बनाकर घरवालों को खिलाया और फिर नकदी और जेवर लेकर फरार हो गईं। फिलहाल, पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. पुलिस का मानना है कि बिहार से आई इन लुटेरी दुल्हनों की संख्या दर्जन से ज्यादा हो सकती है और जल्द ही इस गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा. मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है.

यह कोई एक घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश थी, जिसने 12 घरों में एक साथ मातम फैला दिया। जानकारी के अनुसार, ये सभी 'दुल्हनें' बिहार और झारखंड से लाई गई थीं, जिन्हें दलालों ने शादी के लिए लड़कियों की कमी से जूझ रहे परिवारों में 80 हजार से डेढ़ लाख रुपये लेकर ब्याहा था।

पीड़ित परिवारों के मुताबिक, शादी के बाद इन दुल्हनों ने अपने व्यवहार से कुछ ही दिनों में सबका दिल जीत लिया था। किसी ने सास के साथ पूजा-पाठ शुरू कर दिया तो कोई पति के साथ खेतों पर जाने लगी। करवाचौथ पर भी उन्होंने पूरे विधि-विधान से व्रत रखा, हाथों में मेहंदी रचाई और घर सजाया। रात में जब चांद देखकर व्रत खोलने का समय आया, तो उन्होंने खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। खाना खाते ही सभी परिजन गहरे नशे में सो गए और सुबह जब उनकी आंख खुली तो घर के ताले टूटे थे, अलमारियां खाली थीं और उनकी 'सुहागनें' गायब थीं।

वारदात के बाद जब परिवारों ने उन दलालों से संपर्क करने की कोशिश की, जिन्होंने ये शादियां कराई थीं, तो उनके सभी मोबाइल नंबर बंद मिले। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह एक संगठित गिरोह है, जिसने इन 12 परिवारों से करीब 30 लाख रुपये से अधिक की ठगी की है, जिसमें सोने-चांदी के जेवर, नकदी और कीमती सामान शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक एक पीड़ित ने रोते हुए बताया, "शादी को बस 10 दिन हुए थे। उसने करवाचौथ पर इतनी श्रद्धा से पूजा की कि हम सब भावुक हो गए। हमें लगा हमारी किस्मत खुल गई, पर सुबह सब कुछ लुट चुका था।"

मामला सामने आते ही सासनी गेट थाने में अब तक चार एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। एएसपी मयंक पाठक ने बताया, "यह एक सुनियोजित गिरोह है जो पश्चिमी यूपी, बिहार और झारखंड में सक्रिय है। आरोपियों की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं और दलालों के फोटो और दस्तावेजों के आधार पर उनकी पहचान की जा रही है। जल्द ही इस गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।" पुलिस का मानना है कि यह गिरोह उन इलाकों को निशाना बनाता है, जहां लिंगानुपात कम होने के कारण पुरुषों को शादी के लिए लड़कियां नहीं मिलतीं।

शिकारी की क्रूर मुस्कान

डॉ. सुरेश कुमार

कभी सोचा है कि लोकतंत्र भी एक चालाक शिकारी की तरह मुस्कुराता है, जहां वोट की लहर पर सवार होकर कोई भी सत्ता की कुर्सी हथिया लेता है, ठीक वैसे ही जैसे उस हरे-भरे खेत में चुनाव खत्म हुए थे, जहां सालों से बूढ़ा बैल मुखिया बना हुआ था, हमेशा जानवरों की मेहनत का ख्याल रखता, घास की फसलें बराबर बांटता, मुर्गियों को दाने, बकरियों को छाया, और यहां तक कि छोटे-छोटे चूजों को कीड़ों से बचाता, लेकिन धीरे-धीरे खेत के शांतिप्रिय जानवरों में असंतोष फैलने लगा, क्योंकि पेट भरा तो मन में सवाल उगने लगे, 'यह बैल तो पुराना हो गया, कभी हमारी बाड़ी में आता क्यों नहीं, हमेशा खेत के किनारे पर खड़ा रहता है, क्या नई हवा नहीं चाहिए', और इसी असंतोष की हवा को भांप लिया चालाक लोमड़ी ने, जो पहले से खेत की सीमा पर मंडराती रहती थी, उसने अपने चेलों को भेजा, कानाफूसी फैलाई कि बैल तो सिर्फ अपनी गठरी भरता है, शाकाहारी जानवरों को दबाता है, फिर चुनावी मौसम में लोमड़ी खुद खेत में दाखिल हुई, एक नन्हे चूजे को गोद में उठाकर कैमरे के सामने मुस्कुराई, 'देखो, मैं तुम्हारी तरह हूं, तुम्हारे बच्चों की परवाह करती हूं', और अगले दिन वह फोटो हर बाड़े, हर घोंसले में बंट गई, साथ में घोषणा-पत्र चिपकाया, जिसमें वादे थे जैसे दाने की नई खेती, कीड़ों पर पूरा हक, बाड़ियों का विस्तार, और यहां तक कि मुर्गियों को अंडे देने के लिए छुट्टी, यह सब देखकर खेत के जानवर प्रभावित हो गए, पुराना बैल अपनी जगह से हिला नहीं, उसे लगा सदियों की सेवा ही काफी है, उसके डमी उम्मीदवार भी बस दिखावे के थे, ताकि लोकतंत्र की रौनक बनी रहे, लेकिन मतदान के दिन लोमड़ी की चाल चल गई, परिणाम आए तो बैल की हार हो गई, लोमड़ी जबरदस्त बहुमत से मुखिया चुनी गई, अगले दिन विजय जुलूस निकला, लोमड़ी की गोद में वही नन्हा चूजा सहमा बैठा था, चारों तरफ उत्सव, मुर्गियां दाने बिखेर रही थीं, बकरियां घंटियां बजातीं, चिड़ियां ऊपर से पत्ते बरसातीं, लोमड़ी सबको देखकर हंस रही थी, जबकि पुराना बैल दूर पहाड़ी पर बैठा यह तमाशा देख रहा था, उसकी आंखों में भविष्य की छाया थी, वह जानता था कि यह खुशी की आड़ में आने वाला तूफान है, लेकिन अब वह लाचार था, रात गहराई, खेत में सन्नाटा छा गया, लोमड़ी की बाड़ी में अभी जश्न चल रहा था, मुर्गियां नए दाने के ढेर देखकर उछल रही थीं, लेकिन वह नन्हा चूजा अब तक घर नहीं लौटा था, अचानक लोमड़ी की हंसी के बीच उसकी एक छोटी सी चीख गूंजी, जैसे कोई मासूम सपना टूट रहा हो, और फिर सब शांत, खेत की हवा में वह चीख लहरा गई, लेकिन कोई नहीं बोला, क्योंकि लोकतंत्र की मुस्कान ऐसी ही होती है, वादों से भरी लेकिन दिल तोड़ने वाली, और जैसे-जैसे सुबह हुई, चूजे की मां उसके खाली घोंसले के पास बैठी सिसक रही थी, बैल दूर से देखता रहा, उसकी आंखें नम थीं, क्योंकि वह जानता था कि यह सिर्फ एक चूजे की मौत नहीं, पूरे खेत की मासूमियत का अंत है, जहां वोट की कीमत एक छोटी सी जान बन जाती है।

भगवान गणेश और देवी सरस्वती के साथ क्यों पूजी जाती हैं महालक्ष्मी ?

20 अक्टूबर को दीपावली है। मान्यता है कि कार्तिक अमावस्या पर देवी लक्ष्मी समुद्र मंथन से प्रकट हुई थीं, इस वजह से इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। लक्ष्मी जी के साथ ही भगवान गणेश और देवी सरस्वती की भी पूजा होती है। इन तीनों देवी-देवताओं की तस्वीरें भी बहुत प्रचलित हैं। जानिए इन तीनों देवी-देवताओं की पूजा एक साथ क्यों की जाती है...

धन, बुद्धि और ज्ञान का प्रतीक हैं ये तीनों

महालक्ष्मी धन, समृद्धि और वैभव की देवी हैं। वे सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य का प्रतिनिधित्व करती हैं। भगवान गणेश बुद्धि, विघ्नविनाशक और शुभारंभ के देवता माने जाते हैं। वे सभी कार्यों की शुरुआत में पूजे जाते हैं ताकि विघ्न न आए। देवी सरस्वती ज्ञान, कला, संगीत और विद्या की देवी हैं।

दीपावली के अवसर पर इन तीनों देवी-देवताओं की पूजा एक साथ करने का अर्थ है – जीवन में धन, बुद्धि और ज्ञान का तालमेल जरूरी है। धन (महालक्ष्मी) कमाने और उसका सही उपयोग करने के लिए बुद्धि (गणेश) और ज्ञान (सरस्वती) आवश्यक है। इन तीनों का सही संतुलन ही जीवन में सुख-समृद्धि पाने का मूलमंत्र है।

सिर्फ धन से सुख-शांति नहीं मिलती

जीवन में केवल धन से सुख-शांति संभव नहीं है। धन का सही नियोजन और विवेक बुद्धि से ही होता है, जो गणेश का रूप है। वहीं ज्ञान से ही हम सही निर्णय लेते हैं और जीवन के उच्चतर लक्ष्य प्राप्त करते हैं, जो सरस्वती का रूप है। इसलिए महालक्ष्मी की पूजा में गणेश और सरस्वती को भी शामिल करना चाहिए।

धन का मतलब केवल भौतिक संपदा से नहीं है। मनुष्य जीवन में धन का महत्व तभी बढ़ता है जब उसका सही प्रयोग किया जाए। बुद्धि और ज्ञान के बिना धन लोभ, अनियंत्रण और अधर्म की ओर ले जाता है। महाभारत में भी धन के महत्व के साथ उसके सदुपयोग की बात कही गई है। अर्जुन को भगवान कृष्ण ने ये सिखाया कि केवल धन नहीं, बल्कि ज्ञान और धर्म के अनुसार काम करना पुरुषार्थ है। पुरुषार्थ ही धन की प्राप्ति का आधार है।

भगवान विष्णु के साथ भी कर सकते हैं लक्ष्मी की पूजा

देवी लक्ष्मी भगवान विष्णु की पत्नी हैं। शास्त्रों में यह कहा गया है कि जो भक्त लक्ष्मी जी के साथ विष्णु जी की भी पूजा करता है, उसे लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। विष्णु जी पुरुषार्थ के प्रतीक हैं, जो जीवन के सभी कार्यों में संतुलन स्थापित करते हैं।

विष्णु पुराण में विष्णु और लक्ष्मी के संयुक्त पूजन का विशेष महत्व बताया गया है। इनका संयुक्त पूजन जीवन में धन, ज्ञान, बुद्धि और पुरुषार्थ की प्राप्ति का साधन है।

दिवाली पर दीये में भूलकर भी न जलाएं कपड़े की बाती

सनातन धर्म के सबसे बड़े त्योहारों में से एक दीपावली 20 अक्तूबर दिन सोमवार को है. यह त्योहार रोशनी का प्रतीक माना गया है. इसलिए लोग दीया जलाकर पूरे घर और वातावरण में रोशनी करते हैं. इस दिन मिट्टी का दीया जलाने का विधान है. धार्मिक ग्रंथों में मिट्टी के दीपक को पंच तत्वों का प्रतीक माना गया है. इस दीया में लोग कई तरह की बाती का इस्तेमाल करते हैं. दीये के लिए कोई रुई की बाती तो कोई मौली की बाती यूज करते हैं. वहीं, कुछ लोग कपड़े की भी बाती इस्तेमाल करते हैं. लेकिन, ज्योतिषविदों की मानें तो दिवाली के दीये में कभी भी कपड़े की बाती न जलाएं. ऐसा करना बिलकुल शुभ नहीं माना जाता है. अब सवाल है कि दीये में कपड़े की बाती क्यों नहीं जलाना चाहिए?

मिट्टी का दीया क्यों जलाया जाता है?

धार्मिक ग्रंथों में मिट्टी के दीपक को पंच तत्वों का प्रतीक माना गया है. पारंपरिक मिट्टी के दीये जलाना पर्यावरण के अनुकूल, आध्यात्मिक रूप से शुभ और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है. ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, जब इस मिट्टी के दीये में सरसों के तेल से अग्नितत्व को शामिल किया जाता है तो न सिर्फ अंधकार समाप्त होता है, घर में सकारात्मकता भी आती है. इसके अलावा, दीपक में देवी-देवताओं का तेज होता है. इस कारण भी पूजा में इसे जलाना शुभ होता है।

रुई की बाती सबसे शुभ क्यों?

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, रुई की बाती सबसे शुभ मानी जाती है. इसमें दीपावली के दीये के लिए रुई और अन्य पूजा के लिए लाल धागे की बाती शुभ होती है. वहीं, घी के दीपक के लिए रुई की बाती और तेल के दीपक के लिए लाल धागे की बाती का उपयोग करना चाहिए. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवी-देवताओं की पूजा के लिए रुई की बाती का उपयोग शुभ माना जाता है।

कपड़े की बाती यूज क्यों न करें?

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि, दिवाली के दीये में कपड़े की बाती नहीं जलाना शुभ नहीं माना जाता है. ऐसा करने से नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं. इसके बजाय, घी या तिल के तेल से भिगोई हुई रुई की बाती का उपयोग करें, जो अधिक उपयुक्त मानी जाती है. कपड़े का उपयोग अशुभ माना जाता है, क्योंकि यह पूजा में नकारात्मकता ला सकता है और धन हानि या अन्य परेशानियों का कारण बन सकता है।

रमा एकादशी व्रत की पौराणिक कथा

17 की सुबह 11.12 बजे तक रहेगी, इसके बाद द्वादशी तिथि शुरू हो जाएगी। इस एकादशी का व्रत शुक्रवार को करना उचित है, क्योंकि कल सूर्योदय के समय एकादशी तिथि रहेगी, शुक्रवार को ही गोवत्स द्वादशी का भी व्रत किया जाएगा।

रमा एकादशी व्रत की पौराणिक कथा

एक राजा थे मुचुकुंद। देवराज इंद्र, यम, वरुण, कुबेर और अन्य देवता उनके मित्र थे। मुचुकुंद धार्मिक प्रवृति वाले और

सत्यवादी थे। राजा की एक पुत्री थी चंद्रभागा। चंद्रभागा का विवाह राजा चंद्रसेन के पुत्र शोभन से हुआ। एक दिन शोभन चंद्रभागा के साथ उसके पिता मुचुकुंद के यहां आया। उस दिन एकादशी थी। मुचुकुंद के राज्य में सभी एकादशी व्रत करते थे और उस दिन सभी निराहार थे।

शोभन ने तय किया कि वह भी एकादशी व्रत करेगा। चंद्रभागा को ये चिंता होने लगी कि उसका पति भूखा कैसे रहेगा? शोभन ने अपनी पत्नी से कोई ऐसा तरीका पूछा, जिससे उसका व्रत भी हो जाए और उसे भूख भी सहन न करना पड़े।

चंद्रभागा को ऐसा कोई तरीका मालूम नहीं था। शोभन ने भगवान पर भरोसा करके व्रत कर लिया, लेकिन जैसे-जैसे समय आगे बढ़ा, वह भूख-प्यास सहन न कर सका और उसकी मृत्यु हो गई। पति की मृत्यु से चंद्रभागा बहुत दुखी हुई।

शोभन की आत्मा ने रमा एकादशी व्रत के शुभ फल से देवलोक में स्थान प्राप्त किया। एक दिन राजा मुचुकुंद अपने देव मित्रों से मिलने देवलोक पहुंचे तो उन्होंने अपने दामाद की आत्मा को वहां सुखी और प्रसन्न देखा। राजा ने देवलोक से लौटकर ये बात अपनी पुत्री चंद्रभागा को बताई तो वह भी प्रसन्न हुई। इसके बाद चंद्रभागा ने भी रमा एकादशी का व्रत किया और इस व्रत के शुभ फल से वह भी अपने पति के पास चली गई।

ये व्रत स्वर्ग के समान सुख-शांति देने वाला माना जाता है। जो लोग ये व्रत पूरी श्रद्धा के साथ करते हैं, उनके सभी दुख दूर होते हैं और घर-परिवार में प्रेम बना रहता है।

धनतेरस के दिन सामान खरीदने का क्या है शुभ मुहूर्त, दो बार लगेगा प्रदोष काल

18 अक्टूबर को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा। धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा होती है और इस दिन लोग अपने घरों में नया सामान खरीदते हैं। धनतेरस के दिन झाड़ू से लेकर सोने-चांदी तक के सामान खरीदे जाते हैं। लेकिन धनतेरस के दौरान शुभ मुहूर्त देखकर ही सामान की खरीदारी करनी चाहिए।

ज्योतिषाचार्य पंडित शत्रुघ्न झा बताते हैं कि इस दिन शुभ मुहूर्त में सामान खरीदना काफी शुभ माना जाता है और इससे घर में समृद्धि आती है। धनतेरस के दिन नई चीज खरीदने के पीछे का एक बड़ा महत्व छिपा होता है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है। ऐसे में अगर आप भी धनतेरस के दिन कुछ अच्छा खरीदने की सोच रहे हैं, तो यहां उसका शुभ मुहूर्त देख लीजिए और इस मुहूर्त में सामान की खरीदारी आप भी कर सकते हैं।

यहां जानिए क्या है सामान खरीदने का मुहूर्त ज्योतिषाचार्य पंडित शत्रुघ्न झा बताते हैं कि धनतेरस के दिन सामान खरीदने के कई शुभ मुहूर्त हैं। उन्होंने बताया कि 18 अक्टूबर को

प्रातः 7:44 बजे से 9:00 बजे तक सामान खरीदने का शुभ मुहूर्त है। लेकिन अगर आप इतनी सुबह बाजार नहीं जा सके हैं तो आप दोपहर में भी सामान की खरीदारी कर सकते हैं। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि दोपहर 12:05 बजे से दिन के 4:16 बजे तक भी सामान खरीदने का काफी शुभ मुहूर्त है।

इसके साथ ही अगर आप स्थिर लग्न और सबसे बेहतर मुहूर्त की बात करें तो दिन के 02:21 बजे से दिन के 3:52 बजे तक का समय सबसे उपयुक्त है। इस दौरान सामान की खरीदारी करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होंगी।

इस दिन यह है प्रदोष काल का समय

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि धनतेरस के दिन प्रदोष काल कुल दो बार लगने वाला है। उन्होंने बताया कि शाम 5:42 बजे से रात 8:13 बजे तक प्रदोष काल रहेगा और रात 8:52 बजे से रात 1:35 बजे तक भी प्रदोष काल रहेगा। इसको देखते हुए ही आपको अपने सामान की खरीदारी करनी चाहिए।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस बार धनतेरस पर बुधादित्य योग का शुभ संयोग बन रहा है। जिस कारण धनतेरस का महत्व काफी बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि धन त्रयोदशी तिथि का समापन रविवार को दिन के 1:54 बजे हो रहा है। उन्होंने बताया कि वर्णित कथाओं के अनुसार प्रदोष काल में समुद्र मंथन के समय भगवान धनवंतरी अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए इस दिन को धनतेरस या धनत्रयोदशी कहा जाता है।

घर की सही दिशा में जलाएं सरसों के तेल का दीपक

सरसों के तेल का दीपक किस दिशा में जलाना चाहिए? अपने घर के सही दिशा में सरसों के तेल का दीपक जलाना शुभ माना जाता है।

इसे जलाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा कम होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। यह उपाय विशेष रूप से पूर्व या उत्तर दिशा में करना अधिक फलदायक होता है।

दीपक जलाने की विधि

एक छोटा दीपक लें और उसमें सरसों का तेल डालें।

इसे घर के मुख्य प्रवेश द्वार या पूजा स्थल की सही दिशा में रखें।

दीपक को सावधानीपूर्वक जलाएं और 15-20 मिनट तक जलने दें।

इस दौरान सकारात्मक सोच रखें और मन में घर की खुशहाली की कामना करें।

दीपक जलाने के लाभ

घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और नकारात्मक विचार और तनाव दूर होते हैं। साथ ही पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं और आर्थिक परेशानियों में राहत मिलती है।

तुलसी के पास अगर दीपक बुझ जाए तो क्या होता है? शुभ-अशुभ संकेत

हर हिंदू घर में तुलसी का पौधा सिर्फ एक पौधा नहीं, बल्कि श्रद्धा और आस्था का प्रतीक माना जाता है। सुबह-शाम तुलसी के पास दीपक जलाना मानो एक परंपरा का हिस्सा है जो घर में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने का काम करता है। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि तुलसी के पास जलाया गया दीपक अचानक बुझ जाता है।

कहते हैं कि तुलसी माता घर की समृद्धि, स्वास्थ्य और शुद्ध वातावरण की प्रतीक हैं। तुलसी के पास हर शाम घी या तेल का दीपक जलाना शुभ माना गया है क्योंकि इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और देवी लक्ष्मी की कृपा घर में बनी रहती है। लेकिन अगर दीपक अपने आप बुझ जाए तो उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह संकेत देता है कि घर की ऊर्जा में कुछ गड़बड़ी हो सकती है या घर में किसी प्रकार की नेगेटिविटी प्रवेश कर रही है।

कई बार यह भी कहा जाता है कि अगर दीपक हवा से नहीं बल्कि खुद-ब-खुद बुझ जाए तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि तुलसी माता किसी कारण से नाराज हैं। हो सकता है आपने तुलसी की ठीक से सेवा नहीं की हो, जैसे सुबह पानी न देना, पौधे के पास गंदगी रह जाना या दीपक में तेल की कमी रखना। ये छोटी-छोटी बातें आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत मायने रखती हैं।

हालांकि, हमेशा इसे अंधविश्वास की नजर से नहीं देखना चाहिए। कभी-कभी दीपक बुझने के पीछे पूरी तरह वैज्ञानिक कारण भी हो सकता है जैसे हवा का झोंका, घी या तेल की मात्रा का कम होना या बाती का नमी से भीग जाना। इसलिए पहले कारण को समझना जरूरी है और फिर उसके अनुसार सुधार करना चाहिए।

अगर दीपक बार-बार बुझ रहा हो तो कुछ सरल उपाय किए जा सकते हैं। सबसे पहले तुलसी के पौधे के आसपास सफाई रखें और रोज सुबह-शाम जल जरूर चढ़ाएं। दीपक जलाते समय पूरी श्रद्धा और ध्यान रखें कि उसमें पर्याप्त तेल या घी हो और बाती ठीक से लगी हो। अगर संभव हो तो कांच की ढक्कन वाली दीपदान का इस्तेमाल करें जिससे हवा लगने की संभावना कम हो जाए।

इसके अलावा, सोमवार और गुरुवार को तुलसी माता की विशेष पूजा करना बहुत शुभ माना गया है। आप तुलसी के पास दीपक जलाने से पहले भगवान विष्णु का ध्यान करें और तुलसी माता से घर की शांति और समृद्धि की प्रार्थना करें। यह माना जाता है कि ऐसा करने से न सिर्फ अशुभता दूर होती है बल्कि घर का वातावरण भी सकारात्मक बना रहता है।

अगर दीपक गलती से बुझ जाए तो घबराने या डरने की जरूरत नहीं है। बस शांत मन से दोबारा दीपक जलाएं, थोड़ी प्रार्थना करें और तुलसी के पास एक ताजा फूल चढ़ा दें। ऐसा करने से नेगेटिविटी खत्म होती है और सकारात्मक ऊर्जा फिर से सक्रिय हो जाती है।

आध्यात्मिक दृष्टि से तुलसी माता को प्रसन्न रखना घर के हर सदस्य के लिए शुभ माना गया है। दीपक जलाना सिर्फ पूजा का हिस्सा नहीं, बल्कि यह घर के वातावरण को पवित्र और ऊर्जा से भरने का तरीका भी है। इसलिए हर बार जब आप तुलसी के पास दीपक जलाएं तो मन में श्रद्धा रखें, सकारात्मक सोच रखें और ध्यान रखें कि दीपक लंबे समय तक जले ताकि घर में सुख-शांति बनी रहे।

तुलसी के पास दीपक का बुझना हमेशा अशुभ नहीं होता, लेकिन यह एक संकेत ज़रूर होता है कि आपको अपने वातावरण और श्रद्धा दोनों पर थोड़ा ध्यान देना चाहिए। थोड़ी सी सावधानी और भक्ति से आप घर में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रख सकते हैं।

सलमान की भाभी, तो कभी बहन बन दर्शकों के दिलों पर किया राज, रेणुका ने की कई फिल्में

रेणुका शहाणे बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्रियों में शुमार हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी। फिर बाद में उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। एक्ट्रेस को सिर्फ हिंदी फिल्मों ही नहीं, बल्कि मराठी भाषाई फिल्मों के लिए भी जाना जाता है।

07 अक्तूबर को रेणुका शहाणे अपना 59वां जन्मदिन मनाया हैं। इस खास मौके पर जानेंगे उनकी जबरदस्त फिल्मों के बारे में, जिनमें उनके द्वारा निभाए गए किरदार आज भी लोगों के जहन में हैं।

हम आपके हैं कौन

सूरज बड़जात्या के निर्देशन में साल 1994 में 'हम आपके हैं कौन' फिल्म रिलीज हुई थी। सलमान खान और माधुरी दीक्षित अभिनीत इस फिल्म में रेणुका शहाणे ने अभिनेता की भाभी का किरदार निभा था, जिनका नाम पूजा था। इस फिल्म मे रेणुका के किरदार ने सबको दीवाना बना लिया था। हालांकि, बाद में फिल्म में उनके किरदार की मौत हो जाती है, जो काफी भावुक पल था दर्शको के लिए।

दिल ने जिसे अपना कहा

अतुल अग्निहोत्री के निर्देशन में साल 2004 में 'दिल ने जिसे अपना कहा' फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रेणुका शहाणे ने सलमान खान की बहन का किरदार निभाया था। फिल्म में उनकी अदाकारी दर्शकों को पसंद आई थी। आपको बताते चलें कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ प्रीति जिंटा और भूमिका चावला मुख्य भूमिका में थीं।

3 स्टोरीज

ऋचा चड्ढा और शरमन जोशी अभिनीत '3 स्टोरीज' फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी। इसमें रेणुका शहाणे ने भी अहम भूमिका निभाई थी। उनके किरदार का नाम फ्लोरी मेंडोंका था। इस फिल्म का निर्देशन अर्जुन मुखर्जी ने किया था, जो थ्रिलर-ड्रामा फिल्म थी।

बकेट लिस्ट

तेजस प्रभा विजय देओस्कर के निर्देशन मे साल 2018 में एक फिल्म आई थी 'बकेट लिस्ट'। इस फिल्म में माधुरी दीक्षित और रेणुका शहाणे ने अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म को काफी पंसद किया गया था।

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' में दिखेगा एक्शन अवतार

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों में अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' से चर्चा में हैं। जबसे फिल्म का फर्स्ट लुक सामने आया है, तबसे इसे लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। अब फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है।

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' का टाइटल ट्रैक रिलीज हो गया है। निर्माताओं ने 2 मिनट 39 सेकेंड का ट्रैक जारी किया है, जिसके बोले हैं 'ना दे दिल परदेसी न...'। इसमें अभिनेता रणवीर सिंह का खूंखार अवतार दिख रहा है और उन्हें फुल एक्शन मोड में देखा जा रहा है। एक्टर को दुश्मनों पर जोरदार वार करते देखा जा सकता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह ने एक सीक्रेट एजेंट का रोल किया है, जो पाकिस्तान में रहकर आतंकियों का सफाया करता है। यह फिल्म इसी साल के आखिर में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज डेट 5 दिसंबर है। फिल्म में आर. माधवन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

तेजस्वी प्रकाश ने बॉयफ्रेंड की एक्स गर्लफ्रेंड पर कसा तंज, करण कुंद्रा बोले- दीदी को क्यों तोड़ा?

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर जोड़ी तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा हमेशा किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहती है। इस बार चर्चा में हैं तेजस्वी का इंस्टाग्राम पोस्ट, जो उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा के जन्मदिन पर शेयर किया। लेकिन इस रोमांटिक पोस्ट में भी तेजस्वी ने करण की एक्स गर्लफ्रेंड पर तंज कस दिया है। क्या है पूरा मामला, चलिए जानते हैं।

अनुषा दांडेकर ने रिश्ते पर किया था दावा

दरअसल, हाल ही में अनुषा दांडेकर ने अपने यूट्यूब पॉडकास्ट 'अनवेरिफाइड' में करण के साथ टूट चुके रिश्ते को लेकर कई खुलासे किए थे। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने बताया कि उनके पूर्व साथी ने उनके साथ धोखा किया था और डेटिंग ऐप्स पर दूसरी लड़कियों से बात की थी। अनुषा ने कहा, 'हम दोनों एक डेटिंग ऐप के कैंपेन का चेहरा थे, लेकिन उसी ऐप का इस्तेमाल उसने लड़कियों से मिलने के लिए किया। बाद में मुझे पता चला कि वो मुंबई की कई लड़कियों के साथ अफेयर में था।'

अनुषा दांडेकर पर तेजस्वी का तंज

अनुषा के इन बयानों ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या करण ने उन्हें चीट किया था। इसी बीच तेजस्वी ने करण के जन्मदिन पर जो कैप्शन लिखा, उसने सबका ध्यान खींच लिया। उन्होंने लिखा, 'अब वो सिर्फ एक ही राइट स्वाइप करता है- मेरे लिए। ड्रीम मैन को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं।'

करण ने किया मजेदार कमेंट

तेजस्वी प्रकाश के इस कैप्शन को पढ़ने के बाद जहां एक तरफ लोगों ने इसे अनुषा के राइट स्वाइप वाले बयान से जोड़ा तो वहीं बॉयफ्रेंड करण ने भी मजेदार अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया दी। करण ने तेजस्वी के पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा- दीदी को क्यों तोड़ा?। करण के इस कमेंट को पढ़ने के बाद फैंस हंसते हुए नजर आए।

करण और अनुषा का रिश्ता

गौरतलब है कि करण और अनुषा का रिश्ता कई वर्षों तक चर्चा में रहा था, लेकिन 2020 में दोनों का ब्रेकअप हो गया। इसके बाद करण की मुलाकात तेजस्वी प्रकाश से 'बिग बॉस 15' के सेट पर हुई और वहीं से दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई। दोनों अब टेलीविजन की सबसे चर्चित जोड़ियों में से एक हैं। बता दें अनुषा के खुलासों के बाद करण ने भी एक इंस्टाग्राम नोट में प्रतिक्रिया दी थी, जिसमें उन्होंने कुछ 'एलिट महिलाओं' पर मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। हालांकि बाद में उन्होंने वह पोस्ट डिलीट कर दी थी।

'100 साल और जीएं', प्रेमानंद महाराज को किडनी देना चाहते हैं एजाज खान, कहा- उन्होंने कभी धर्म के खिलाफ नहीं बोला

वृंदावन के संत प्रेमानंद जी महाराज अपनी दोनों किडनियों के बिना जीवन जी रहे हैं और कुछ समय से उनका स्वास्थ्य बहुत खराब है। ऑनलाइन वायरल हो रहे वीडियोज में भी वो ठीक नहीं दिख रहे हैं। इस बीच एक्टर एजाज खान ने उन्हें अपनी किडनी देने की बात कही है।

प्रेमानंद महाराज को किडनी देना चाहते हैं एजाज खान

वृंदावन के संत प्रेमानंद जी महाराज कई सालों से दोनों किडनियों के बिना जीवन जी रहे हैं और कुछ दिनों से उनकी हालत भी ठीक नहीं है। ऐस में उनके भक्तों को बहुत चिंता है कि वो जल्दी स्वस्थ हो जाएं। हर कोई अपनी ओर से क्या कर सकता है, इसके बारे में बातें कर रहा है। इस बीच, एक्टर एजाज खान ने सार्वजनिक रूप से वृंदावन स्थित संत प्रेमानंद जी महाराज को किडनी दान करने की इच्छा जताई है, जो फिलहाल पूरी तरह से किडनी फेल होने से जूझ रहे हैं। मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक भावुक वीडियो शेयर करते हुए एजाज खान ने अपने फॉलोअर्स से आध्यात्मिक गुरु की कुशलता के लिए प्रार्थना करने की अपील की और कहा कि अगर चिकित्सकीय रूप से संभव हो तो वे योगदान देने के लिए तैयार हैं। वीडियो में एजाज खान ने कहा, 'अस्सलाम वकेलुम यारो। प्रेमानंद जी, एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने कभी किसी धर्म के खिलाफ नहीं बोला, कभी किसी को भड़काया नहीं। मेरा जी करता है मैं उन्हें मिलो और अगर मेरी किडनी मैच हो जाए, तो मैं उन्हें अपनी एक किडनी देना चाहता हूं।'

एजाज खान किडनी देने को तैयार

उन्होंने आगे कहा, 'यारों, उनके लिए दुआ करो के ये शख्सियत 100 साल और जिएं और हिंदुस्तान का और हम सबका भला करे। मैं आपसे मिलने जरूर आऊंगा सर।'

शिल्पा शेट्टी के पति ने भी किया था ऑफर

प्रेमानंद जी महाराज को कई भक्तों से किडनी दान के प्रस्ताव मिले हैं। हालांकि उन्होंने अब तक उन्हें अस्वीकार कर दिया है। इससे पहले, एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा ने भी संत को किडनी दान करने की इच्छा व्यक्त की थी। पूज्य हिंदू संत हाल ही में अपने गिरते स्वास्थ्य के कारण सुर्खियों में रहे हैं।

प्रेमानंद जी महाराज ने कहा- मुझे जाना होगा

ऑनलाइन वायरल हो रहे वीडियो में प्रेमानंद जी महाराज थोड़े सूजे हुए चेहरे के साथ दिखाई दिए और बोलते समय उनकी आवाज कांप रही थी, जिससे उनके अनुयायियों में चिंता बढ़ गई। संत ने स्वयं बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर एल्विश यादव और अन्य भक्तों के साथ बातचीत के दौरान अपने स्वास्थ्य की खुलकर जानकारी दी। उन्होंने खुलासा किया, 'दोनों किडनी खराब हो गई हैं। अब मेरे स्वास्थ्य को ठीक करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। मुझे अभी जाना होगा, आज नहीं तो कल।'

कीकू शारदा ने छोड़ दिया 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो? बोले- पता नहीं, बात कैसे इतनी बड़ी हो गई

कीकू शारदा जब अशनीर ग्रोवर के शो 'राइज एंड फॉल' में गए, तो खबरें आने लगीं कि उन्होंने कपिल शर्मा का शो छोड़ दिया है। तब उन्होंने इस पर रिएक्ट नहीं किया था। पर अब 'राइज एंड फॉल' से एलिमिनेट होने के बाद कीकू शारदा ने कपिल के शो और अपने एग्जिट पर बात की है। कीकू शारदा के कपिल का शो छोड़ने की खबरों से फैंस मायूस हो गए थे।

कीकू शारदा जब 'राइज एंड फॉल' का हिस्सा थे, तो यह चर्चा और तेज हो गई कि वह अब कपिल शर्मा के शो का हिस्सा नहीं होंगे। कीकू शारदा ने जब ये खबरें पढ़ीं तो हैरान रह गए और अब उन्होंने इस पर रिएक्ट किया है। कीकू शारदा ने कहा है कि वह 13 साल से कपिल के शो का हिस्सा हैं और इसे कभी नहीं छोड़ेंगे।

कीकू शारदा बोले- कपिल शर्मा बहुत पसंद हैं, शो क्यों छोड़ूंगा?

कीकू शारदा ने 'ज़ूम' से बातचीत में कहा, 'हां, मैं स्पष्ट करना चाहूंगा ये बोलके कि आई लव लव लव कपिल का शो। मुझे कपिल शर्मा बहुत पसंद हैं और ऐसा कभी नहीं होने वाला कि मैं ये शो छोड़ के जाऊंगा। मतलब मुझे बहुत प्यार है इस शो से और पता नहीं ये बात कैसे इतनी बड़ी हो गई और मैं जब बाहर आया तब मुझे पता चला कि ये बात मतलब सब ये बातें कर रहे हैं कि मैंने छोड़ दिया है। मैं क्यों छोड़ूंगा यार।'

कीकू शारदा ने की कपिल के शो की टीम की तारीफ

कीकू शारदा ने आगे कहा, 'मेरा मतलब है कि मैं वास्तव में उस शो को बहुत इंजॉय करता हूं। वो स्टेज के ऊपर आके इतनी जादुई चीज हुई है और इतना जादू क्रिएट होता है और इतने कमाल की और इतनी खूबसूरत टीम है। मैं 13 साल से ये काम कर रहा हूं और मैं तो मतलब जब तक ये शो चलेगा मैं तो रहूंगा।'

कीकू शारदा और कपिल शर्मा ने साथ किया खूब काम

कीकू शारदा की इस बात से फैंस को अब बड़ी राहत मिली होगी। वह कपिल के साथ 'कॉमेडी सर्कस' के दिनों से काम कर रहे हैं और अब तक साथ हैं। दोनों ने 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल', फिर 'द कपिल शर्मा शो' और इसके बाद 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के तीनों सीजन में साथ काम किया।

प्रभास की फिल्म 'फौजी' पर विवाद, एक्ट्रेस इमानवी के नाम पर बिफरे यूजर्स, बर्थडे पोस्ट करना पड़ा भारी!

प्रभास और हनु राघवपुडी की फिल्म 'फौजी' फिर से विवादों में आ गई है। मेकर्स ने फिल्म की एक्ट्रेस के जन्मदिन पर एक साधारण पोस्ट किया था, जिसके बाद इंटरनेट यूजर्स के आरोपों की झड़ी लग गई है। लोगों का दावा है कि इमानवी मूल रूप से पाकिस्तानी हैं और उन्होंने अपना नाम बदला है।

प्रभास की फिल्म 'फौजी' लगातार चर्चाओं में है। पहले फिल्म के सेट पर एक्टर को चोट लगने की खबर आई, फिर कास्ट में अभिषेक बच्चन की एंट्री। लेकिन अब यह कास्ट कारणों से सोशल मीडिया पर तनातनी का कारण बन गई है। डायरेक्टर हनु राघवपुडी की इस फिल्म में प्रभास के अपोजिट इमानवी को कास्ट किया गया है। 29 साल की इमानवी के जन्मदिन पर 13 अक्टूबर को मेकर्स ने एक बर्थडे पोस्ट डाला। देखते ही देखते कॉमेंट सेक्शन में आरोपों की बाढ़ आ गई। लोगों का कहना है कि इमानवी का असली नाम इमान इकबाल इस्माइल है और वह कथित तौर पर पाकिस्तानी मूल की हैं।

'फौजी' का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स के बैनर तले हो रहा है। मेकर्स को शायद ही यह अंदाजा नहीं था कि एक साधारण जन्मदिन की शुभकामना का पोस्ट, उन पर भारी पड़ जाएगा और इस तरह विवाद को जन्म देगा। वैसे, इसी साल अप्रैल में भी पहलगाम हमले के बाद इमानवी के पाकिस्तानी कनेक्शन को लेकर खूब बवाल मचा था। तब एक्ट्रेस ने इस पर सफाई देते हुए इंस्टाग्राम पोस्ट भी किया था।

ट्रोल्स का दावा- इमानवी का असली नाम इमान इकबाल इस्माइल है

बहरहाल, मेकर्स के इंस्टाग्राम पर पोस्ट पर कॉमेंट सेक्शन में लोग कह रहे हैं कि इमानवी का असली नाम इमान इकबाल इस्माइल है और वह कथित तौर पर पाकिस्तानी मूल की हैं। कुछ यूजर्स ने यहां तक कहा है कि एक्ट्रेस ने भारतीय दर्शकों के बीच विवाद से बचने के लिए ही अपना नाम बदला है।

यूजर्स का दावा- इमानवी के सोशल मीडिया पर थे पाकिस्तानी झंडे

एक यूजर ने दावा किया है कि इमानवी के कुछ पिछले सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पाकिस्तानी झंडे वाला इमोजी दिखाई देता था, जिसे अब हटा दिया गया है। यूजर्स का कहना है कि इमानवी एक पाकिस्तानी सेना अधिकारी की बेटी हैं।

इमानवी ने कहा था- मेरे परिवार का PAK आर्मी से कोई संबंध नहीं

इससे पहले जब अप्रैल में इसी तरह के आरोप लगे थे, तब इमानवी ने इन आरोपों का खंडन करते हुए इमोशनल पोस्ट किया था। उन्होंने कहा था कि पहलगाम की घटना ने उन्हें गहरा दुख दिया है। एक्ट्रेस ने लिखा था, 'ये ऑनलाइन ट्रोल द्वारा गढ़ी झूठी बातें हैं, जो नफरत फैलाने और लोगों को बांटने के लिए हैं। मेरे परिवार में किसी का भी पाकिस्तानी सेना से कोई संबंध नहीं रहा है। ऐसी बातें निराधार हैं और आहत करने वाले हैं।'

इमानवी ने कहा- मैं भारतीय हूं, यह मेरे खून में है

'फौजी' की एक्ट्रेस ने आगे पोस्ट में लिखा कि वह लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में जन्मी एक गौरवशाली भारतीय अमेरिकी हैं। वह भी कहा कि उनके माता-पिता अपने यंग ऐज में ही अमेरिका चले गए थे और कुछ ही समय बाद अमेरिकी नागरिक बन गए। इमानवी ने लिखा, 'मैंने अमेरिका में अपनी यूनिवर्सिटी की पढ़ाई पूरी करने के बाद कला के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाया और एक एक्ट्रेस, कोरियोग्राफर और डांसर बनी। भारतीय सिनेमा मेरे जीवन का बड़ा हिस्सा है। मेरी पहचान भारतीय है और यह मेरे खून में है।'

2020 में वायरल हुआ था इमानवी का वीडियो

बहरहाल, फिलहाल इस नए विवाद पर न तो इमानवी और न ही मैथरी मूवी मेकर्स ने कोई बयान जारी किया है। 'फौजी' अगले साल अगस्त 2026 में रिलीज होने वाली है। जहां तक इमानवी की बात है, तो वह एक कंटेंट क्रिएटर भी हैं। साल 2020 में 'ताल' के गाने 'रमता जोगी' पर उनका एक डांस वीडियो खूब वायरल हुआ था। IMDb के मुताबिक, वह एक शॉर्ट फिल्म 'बींइग सा-राह' में एक्टिंग कर चुकी हैं।

मैंने सुनीता को माफ कर दिया... गोविंदा ने पत्नी के बड़बोलेपन पर दी सफाई, काजोल से बोले- वो बच्ची है

गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा उन खबरों के बाद सुर्खियों में आ गए, जिनमें कहा गया था कि वे तलाक लेने वाले हैं। लगभग 40 साल से शादीशुदा सुनीता आहूजा ने खुलकर बेवफाई के बारे में बात की। लंबे समय से अलग रह रहे गोविंदा और सुनीता का उतार-चढ़ाव भरा रिश्ता गलत वजहों से सुर्खियों में आ गया। प्राइम वीडियो के 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के चंकी पांडे के साथ हालिया एपिसोड में गोविंदा ने मीडिया में अपनी पत्नी के बयानों पर प्रतिक्रिया दी।

गोविंदा ने होस्ट काजोल और ट्विंकल खन्ना से कहा, 'वह खुद एक बच्ची है। मेरे बच्चे मेरी पत्नी को ऐसे संभालते हैं जैसे वह एक बच्ची हो। सुनीता एक बच्ची जैसी है, लेकिन उसे जो जिम्मेदारियां दी गईं, वह हमारे घर को संभाल पाई क्योंकि वह जैसी है वैसी ही है। वह एक ईमानदार बच्ची है। उसकी बातें कभी गलत नहीं होतीं। बस वह ऐसी बातें कह देती है जो उसे नहीं कहनी चाहिए। पुरुषों के साथ समस्या यह है कि वे उस तरह से नहीं सोच सकते। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि पुरुष घर चलाता है, लेकिन महिलाएं पूरी दुनिया चलाती हैं।'

गोविंदा ने सुनीता को माफ किया!

गोविंदा ने आगे कहा कि उन्होंने सुनीता को इंटरव्यू में किए गए कमेंट के लिए 'माफ' कर दिया है। उन्होंने कहा, 'उन्होंने खुद बहुत सारी गलतियां की हैं... मैंने उन्हें और पूरे परिवार को कई बार माफ किया है। मेरे हिसाब से कभी-कभी हम उन पर बहुत ज्यादा निर्भर हो जाते हैं। खासकर अगर आपकी मां आपके साथ नहीं होती, तो आप अपनी पत्नी पर बहुत ज्यादा निर्भर हो जाते हैं। और जैसे-जैसे समय बीतता है, वह आपको एक मां की तरह डांटने लगती हैं, मां की तरह समझाती भी हैं। उन्हें इसका एहसास नहीं होता, लेकिन हम इसे देखते हैं। हम देख सकते हैं कि अब वे कितने बदल गए हैं और बचपन में कैसे थे।'

तलाक की खबरों पर बोले गोविंदा

तलाक की अफवाहों को खारिज करते हुए गोविंदा ने कहा, 'आज इतना करीब, करीब... अगर कुछ होता तो हम इतने सख्त होते? हमारी दूरियां होती! कोई हम दोनों को अलग नहीं कर सकता, चाहे ऊपर से कोई आ जाए भगवान आ जाए, कोई शैतान आ जाए। कोई नहीं अलग कर सकता है।'

डांसर-एक्ट्रेस मधुमति का निधन, अक्षय कुमार ने गमगीन होकर कहा- सबकुछ आपसे सीखा है

पंकज धीर की मौत से अभी इंडस्ट्री उबर भी नहीं पाई कि एक और बुरी खबर सामने आई है। डांसर और एक्ट्रेस मधुमति का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। वो बीते जमाने की फेमस डांसर थीं। अक्षय कुमार ने उनके साथ पुरानी फोटो शेयर कर कहा कि वो डांस के बारे में जो कुछ भी जानते हैं, वो उनसे ही सीखा था।

डांसर और एक्ट्रेस मधुमति का निधन, शोक में डूबा बॉलीवुड

बॉलीवुड से एक और बुरी खबर सामने आई है। बीते जमाने की पॉपुलर डांसर और एक्ट्रेस मधुमती का 87 साल की उम्र में निधन हो गया।

उनकी मौत से इंडस्ट्री सदमे में डूब गई है। मालूम हो कि 'महाभारत' में कर्ण का किरदार निभाने वाले दिग्गज एक्टर पंकज धीर ने भी 15 अक्टूबर को आखिरी सांस ली। वो कैंसर से लंबी लड़ाई लड़ रहे थे।

मधुमति को उनके शानदार डांस की वजह से जाना जाता था और उनकी तुलना डांसर हेलन से होती थी। खबर सामने आने के बाद से बॉलीवुड सेलेब्स उनके निधन पर दुख व्यक्त कर रहे हैं। अक्षय कुमार, चंकी पांडे और विंदू दारा सिंह ने पोस्ट शेयर कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है।

अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर एक स्टोरी पोस्ट की है, जिसमें वे डांसर और एक्ट्रेस मधुमती के साथ दिख रहे हैं। अक्षय ने कैप्शन में लिखा, 'मेरी पहली गुरु, जिनसे मैंने डांस के बारे में सब कुछ सीखा। आपके कदमों को देखकर मैंने डांस सीखा, हर अदा, हर एक्सप्रेशन में आपकी याद हमेशा रहेगी।'

विंदू दारा सिंह ने मधुमति को किया याद

वहीं विंदू दारा सिंह ने मधुमती की फोटोज शेयर कर लिखा, 'हमारी शिक्षिका और मार्गदर्शक मधुमती जी की आत्मा को शांति मिले। हममें से कई लोगों ने इस महान हस्ती से नृत्य सीखा और उनके प्यार और आशीर्वाद से भरपूर एक सुंदर जीवन जिया।'

चंकी पांडे ने भी जताया दुख

चंकी पांडे ने भी मधुमति की फोटो शेयर कर दुख जाहिर किया है। एक्टर ने भी मधुमती से डांस सीखा था।

मराठी फिल्म से की थी शुरुआत

बता दें कि मधुमती का जन्म महाराष्ट्र के एक गांव में साल 1938 में हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मराठी फिल्म से बतौर डांसर की थी, जिसके बाद उन्होंने खुद को सिर्फ मराठी तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि अपना कला का प्रदर्शन भोजपुरी, पंजाबी, मराठी, दक्षिण भारतीय और हिंदी सिनेमा में भी किया। उनका डांस पर्दे पर इतना हिट हुआ कि उनकी तुलना डांसर हेलन से होने लगी।

डांसर और एक्ट्रेस मधुमति 'राजा हरिश्चंद्र' फिल्म से शुरू किया करियर

डांसर मधुमती ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' से की थी। उन्होंने अपने पति के साथ अजंता आर्ट्स मंडली के साथ भी काफी सालों तक काम किया था, जो भारतीय सेना के लिए शो करती थी।

19 की उम्र में हुई थी शादी

पर्सनल लाइफ की बात करें तो मधुमती ने 19 साल की उम्र में शादी कर ली थी और साल 1977 में डांस छोड़ दिया, लेकिन पति की मौत के बाद उन्होंने मुंबई में मधुमती नृत्य अकादमी खोली और वहां डांस में खुद को समर्पित कर दिया था।

इस सुपरस्टार एक्ट्रेस का हाल देख निकल गई थी लोगों की चीख, दरवाजा तोड़ा तो मंजर देख सिहर उठे थे सब

यहां साउथ सिनेमा की एक ऐसी सुपरस्टार एक्ट्रेस के बारे में बता रहे हैं, जिसने मात्र 8 साल में 66 फिल्में करके सबको चौंका दिया था। डायलॉग इतने फर्राटे से बोलती थी कि सब हैरान रह जाते थे। एक्टिंग में यह श्रीदेवी से तमाम हीरोइनों पर भारी पड़ जाती थी। शायद यही वजह है कि यह हीरोइन रजनीकांत की फेवरेट एक्ट्रेस है। लेकिन दुख की बात है कि यह अब इस दुनिया में नहीं है। इसके साथ कुछ ऐसा हुआ था कि 22 की उम्र में जानलेवा

कदम उठा लिया और मौत को गले लगा लिया था। उस वक्त का मंजर देख हर कोई सिहर उठा था।

इस एक्ट्रेस का नाम है फटाफट जयलक्ष्मी। वह 70 और 80 के दशक की तेलुगू की टॉप एक्ट्रेस थीं। उस दौर में वह सबसे ज्यादा कमाई वाली एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार थीं। तब उन्होंने रजनीकांत से लेकर कमल हासन तक, हर सुपरस्टार के साथ काम किया। फटाफट जयलक्ष्मी का स्टारडम इस कदर था कि उन्होंने 8 साल में 66 फिल्में कर डाली थीं। फटाफट जयलक्ष्मी का असली नाम जयलक्ष्मी रेड्डी था। उन्होंने 14 साल की उम्र में फिल्मों में एंट्री की थी। करीब एक साल तक उन्होंने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया और फिर लीड रोल निभाने लगीं। उन्होंने तेलुगू के अलावा तमिल सिनेमा में भी अपनी जगह बना ली थी। फटाफट जयलक्ष्मी ने साल 1974 में आई फिल्म 'अवल ओरू थोडर काथी' से तमिल फिल्मों में एंट्री की। यह फिल्म 25 हफ्तों तक थिएटर्स में चली और सिल्वर जुबली मनाई।

इसके बाद से फटाफट जयलक्ष्मी की पॉपुलैरिटी और बढ़ गई। देखते ही देखते वह साउथ सिनेमा की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हो गईं। उनकी जोड़ी रजनीकांत के साथ खूब पसंद की गई और उनके साथ एक्ट्रेस ने करीब आधा दर्जन फिल्में कीं। रजनीकांत को भी फटाफट जयलक्ष्मी पसंद थीं।

फटाफट जयलक्ष्मी जब करियर के पीक पर थीं, तो उन्होंने शादी कर लीं। उनके इस फैसले से फैंस को झटका लगा था क्योंकि उन्होंने करियर छोड़कर शादीशुदा जिंदगी चुनी थी।

'माफी मांग लो जया जी से, शायद वापस बुला ले' अमिताभ बच्चन ने कहा- निकाल दिया, तो लोगों ने दी क्या खूब सलाह

अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर से ट्विटर पर कुछ ऐसा लिखा, जिसने लोगों को चिंता में जाल दिया है। हालांकि, अमिताभ के ट्वीट की इस आदत को जानने वाले उनकी खिंचाई भी कर रहे हैं। कुछ लोगों ने तो उनसे रेखा और जया बच्चन को लेकर सवाल भी कर डाला है।

अमिताभ ने किया क्रिप्टिक पोस्ट

अमिताभ बच्चन 83 साल की उम्र में भी उन सिलेब्रिटीज़ में से एक गिने जाते हैं जो ट्विटर पर सबसे अधिक एक्टिव रहते हैं। अक्सर बिग बी कुछ न कुछ सोशल मीडिया पर ऐसा लिख देते हैं, जो लोगों को हैरान-परेशान कर देता है। ट्वीट नंबर- T 5533 और एक बार फिर अमिताभ ने जो लिखा है, उसे लेकर लोगों का सिर घूम गया है।

बिग बी ने अपने इस ट्वीट में लिखा है, 'निकाल दिया।' अब एक बार फिर लोग उनकी इन बातों पर कूद पड़े हैं। लोगों ने अमिताभ के इस ट्वीट पर तरह-तरह की बातें कही हैं। कुछ ने अश्लील बातें भी कही हैं।

एक ने कहा- माफी मांग लो जया जी से, शायद वापस बुला ले

एक ने कहा- पता चल गया हो तो हमें भी बताइए। एक ने पूछा- रेखा जी को दिल से या जया जी को घर से? वहीं किसी ने खिंचाई की और पूछा- अभिषेक ने आपको घर से निकाल दिया। एक और ने कहा- बहुत अच्छा किया, पता नहीं आप 1973 से उन्हें कैसे झेल रहे थे। एक और यूजर ने कहा- जया ज से बहस क्यों की? एक ने फिल्म 'सिलसिला' की तस्वीर शेयर की है और लिखा है, 'माफी मांग लो जया जी से, शायद वापस बुला ले।'

अब बड़े पर्दे पर आ रहे हैं अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य

यहां बता दें कि 'केबीसी' को होस्ट कर रहे अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा अपनी पहली थिएट्रिकल रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। हालांकि अगस्त्य नंदा ने दो साल पहले जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से डिजिटल डेब्यू किया था। मैडॉक फिल्म्स की इस फिल्म 'इक्कीस' का फर्स्ट लुक सामने आया है, जिसका निर्देशन श्रीराम राघवन कर रहे हैं। इस फिल्म में अगस्त्य के साथ धर्मेन्द्र भी नजर आएंगे।

'2 बजे तक खाते, हड्डी नीचे फेंकते थे', फेमस एक्टर का खुलासा हद से ज्यादा शराब पीने से हुई संजीव कुमार की मौत

'शोले', 'त्रिशूल', 'खिलौना' जैसी कई फिल्मों में अपने काम के लिए मशहूर संजीव कुमार अपनी पीढ़ी के सबसे प्रशंसित एक्टर्स में से एक थे। 47 साल की उम्र में उनका निधन हो गया और फैंस से लेकर उनके दोस्त तक आज भी उन्हें याद करते हैं। लेकिन, वे अक्सर यह भी कहते हैं कि उनकी शराब पीने की आदत ने उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अनुभवी एक्टर परीक्षित साहनी ने संजीव को एक मार्गदर्शक के रूप में याद किया, लेकिन उन्होंने उनकी लाइफस्टाइल के बारे में भी बात की, जिसके कारण उनका निधन हुआ।

उन्होंने एएनआई से बात करते हुए बताया, 'उनकी बुरी आदतें थीं। शूटिंग के बाद वह खूब शराब पीते थे। वह खूब खाते भी थे। सुबह के 2 बजे, वह खूब खाते और मेज के नीचे हड्डियां फेंक देते। इसी वजह से उनकी मौत हो गई। उन्हें दिल का दौरा पड़ा।' इसी बातचीत में उन्होंने याद किया कि कैसे संजीव

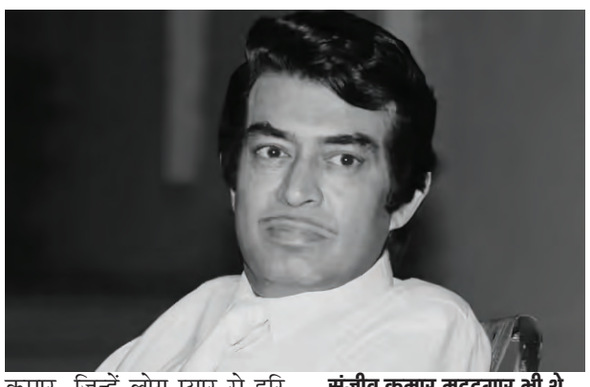

कुमार, जिन्हें लोग प्यार से हरि भाई कहते थे, उनके बड़े भाई थे जब उनकी मुलाकात 1968 की फिल्म 'अनोखी रात' के सेट पर हुई थी।

परीक्षित साहनी ने बताई संजीव कुमार की बात

उन्होंने कहा, 'वह मेरे लिए भाई जैसे थे। मैं अभी-अभी रूस से आया था और उन्होंने मुझे फिल्म अनोखी रात में कास्ट किया था। उस समय मुझे हिंदी नहीं आती थी क्योंकि मैंने छह साल तक रूसी भाषा बोली थी और उससे पहले मुझे अंग्रेजी आती थी। हिंदी डायलॉग बहुत मुश्किल थे।'

संजीव कुमार मददगार भी थे

उन्होंने आगे कहा, 'इसलिए संजीव भाई मेरे लिए बड़े भाई जैसे हो गए और मुझे डायलॉग्स बोलने का तरीका बताते रहते थे। मेरे पॉज बिल्कुल गलत थे और उन्होंने मुझे सिखाया कि कब पॉज लेना है। डायरेक्टर अक्सर तंग आकर मुझे पॉज करने के लिए कहते थे, लेकिन मुझे समझ नहीं आता था कि कब रुकना है। संजीव भाई ही थे जिन्होंने मेरी मदद की और उसके बाद उनके निधन तक हम एक-दूसरे के बहुत करीब रहे।'

सचिन पिलगांवकर ने भी खोली पोल

इससे पहले, एक्टर सचिन पिलगांवकर ने भी संजीव कुमार के खाने के प्रति प्यार को याद करते हुए बताया था कि कैसे दिवंगत अभिनेता मांसाहारी खाने को एंजॉय करने के लिए किसी भी हद तक चले जाते थे। कुणाल विजयकर के साथ बातचीत में सचिन ने बताया, 'उन्होंने खाने के लिए एक और घर लिया था। उन्होंने पाली हिल में एक 1-BHK फ्लैट किराए पर लिया था। उन्होंने यह घर सिर्फ मांसाहारी खाने के लिए लिया था क्योंकि उनके घर में मांसाहारी भोजन की इजाजत नहीं थी।'

सुबह 5 बजे तक चलती थी शराब और पाया

उन्होंने आगे बताया, 'तो वो पाया और निहारी मंगवाते थे। संजीव कुमार, शम्मी कपूर, शत्रुघ्न सिन्हा, रणधीर कपूर और मैं, हम सब वहां साथ मिलकर खाना खाते थे। पाया को 4-5 बार गर्म करना पड़ता था क्योंकि हम सुबह 5 बजे तक पीते रहते थे और फिर पाया खाते थे। हम उसे बेकरी के नान के साथ खाते और मजे लेते थे।'

गीता बाली के कारण पंकज धीर के परिवार का डूब गया था सारा पैसा, दिलीप कुमार करते रह गए विनती

'महाभारत' में कर्ण का किरदार निभाकर घर-घर मशहूर हुए पंकज धीर के निधन की खबर आई तो हर कोई स्तब्ध रह गया। बेशक, पंकज धीर ने ढेरों फिल्में और सीरियल्स किए थे, पर जनता उन्हें 'कर्ण' के रूप में प्यार करती थी। और तो और करनाल और बस्तर में उनके मंदिर बनाकर मूर्तियां लगाई गईं, जहां लोग कर्ण के रूप में पंकज धीर की पूजा करते थे। पंकज धीर और उनके परिवार को आवाम ने खूब प्यार दिया। उनके पिता सीएल धीर भी एक जाने-माने डायरेक्टर थे। हालांकि, एक समय ऐसा आया था, जब पंकज धीर के परिवार ने सबकुछ खो दिया था। इसकी वजह थीं गीता बाली।

पंकज धीर ने पूरा वाकया एक बार 'लहरें रेट्रो' को दिए इंटरव्यू में बताया था। एक्टर के मुताबिक, जब उनके पिता को आधी-अधूरी फिल्म को छोड़ना पड़ा था, तो परिवार ने सबकुछ गंवा दिया था। पंकज धीर के पिता सीएल धीर ने कुछ वर्षों तक वी शांताराम को असिस्ट करने के बाद, 'बहू बेटी', 'रैन बसेरा', 'आखिरी रात' और 'जिंदगी' जैसी फिल्में डायरेक्ट और प्रोड्यूस की थीं। इसके बाद पंकज धीर ने अपने परिवार के उस दुखद वक्त के बारे में बताया, जो गीता बाली स्टारर 'रानो' को बनाने के दौरान घटा।

'रानो' फिल्म का किस्सा, गीता बाली और पंकज धीर के पिता थे प्रोड्यूसर

पंकज धीर ने बताया कि उनके पिता और गीता बाली 'रानो' के को-प्रोड्यूसर थे। दोनों ने फिल्म में बराबर की रकम लगाई थी। पंकज धीर के पिता उस फिल्म के डायरेक्टर भी थे। पंकज धीर बोले, 'लगभग 6-7 दिन का काम बाकी था, इसलिए गीता बाली ने सुझाव दिया कि वह बाकी सब काम निपटा लें और उनके बाकी सीन आखिर में पूरे कर लें। पूरी फिल्म बनकर तैयार थी, बस गीता बाली के 3 दिन के सीन बाकी थे। आप इसे बदकिस्मती ही कह सकते हैं... गीता बाली पंजाब में चेचक की चपेट में आ गईं।'

गीता बाली को हो गया चेचक, मौत की सेज पर मांगा था वादा

पंकज धीर ने आगे बताया, 'गीता बाकी क्रू के साथ पंजाब में थीं और उनकी बीमारी का पता चलने पर उन्हें मुंबई लाया गया। वह ठीक नहीं हो सकीं। उन्होंने अपनी मृत्युशय्या पर मेरे पिता से एक वादा मांगा था कि मेरे मरने के बाद, आप इस फिल्म को छोड़ देंगे। और मेरे पिता ने अपना वादा निभाया।'

पंकज धीर के पिता का वादा, रिक्वेस्ट करते रहे दिलीप कुमार, डूब गया सबकुछ

पंकज ने बताया कि गीता बाली के निधन के बाद, दिलीप कुमार और मीना कुमारी उनके पिता से मिलने आए और उन्हें समझाने की कोशिश की कि वह मीना के साथ फिल्म की बाकी शूटिंग करें और उसे रिलीज करें। लेकिन पंकज धीर ने गीता बाली से निभाया वादा नहीं तोड़ा और फिल्म को अधूरा ही बंद कर दिया। पंकज धीर बोले, 'दिलीप साहब ने सुझाव दिया कि मैं पर्दे पर आऊंगा और दर्शकों से विनती करूंगा कि गीता बाली के साथ हुए हादसे के बाद आपको मीना कुमारी को इस रोल में स्वीकार करना होगा। लेकिन मेरे पिता जिद पर अड़े थे कि यह फिल्म गीता के साथ ही चली गई। इसलिए जो भी पैसा लगा था, वह सब डूब गया। इसके बाद मेरे पिता बिल्कुल अकेले पड़ गए। हमारे परिवार को एक कठिन दौर से गुजरना पड़ा।'

परिवार के लिए कम उम्र में काम करने लगे थे पंकज धीर

वहीं, पंकज धीर ने एक अन्य इंटरव्यू में बताया था कि परिवार को उस मुश्किल वक्त में सपोर्ट करने के लिए उन्हें कम उम्र में ही काम करना शुरू करना पड़ा था। उस घटना के कारण परिवार को बहुत सारा पैसा गंवाना पड़ा, और वह कभी पूरी तरह से उबर नहीं पाया।

पंकज धीर का कैंसर से निधन

पंकज धीर की बात करें, तो 15 अक्टूबर को उनका निधन हो गया। बताया जा रहा है कि उन्हें कैंसर था। वह काफी पहले कैंसर से ठीक हो चुके थे, पर कुछ महीने पहले जब यह रीलैप्स हुआ तो हालत बिगड़ गई। पंकज धीर की एक बड़ी सर्जरी भी की गई, पर उन्हें बचाया न जा सका।

बसंती से लेकर सीता और गीता तक, हेमा मालिनी के यादगार किरदार जिन्होंने उन्हें बनाया पर्दे की 'ड्रीम गर्ल'

हेमा मालिनी- ये नाम भारतीय सिनेमा में सौंदर्य, शालीनता और अद्भुत अभिनय का पर्याय बन चुका है। दक्षिण भारत के एक साधारण परिवार से निकलकर उन्होंने हिंदी फिल्मों की 'ड्रीम गर्ल' बनकर ऐसा मुकाम हासिल किया, जो आज भी प्रेरणा देता है। नृत्य, अभिनय, राजनीति और समाजसेवा — हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। आज हेमा अपना 77 वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर आइए जानते हैं उनके करियर के वो 10 किरदार जिन्होंने उन्हें अलग पहचान दिलाई।

'सपनों का सौदागर'

राज कपूर के साथ इस फिल्म से हेमा मालिनी ने बॉलीवुड में कदम रखा। 'मेला' नाम की इस साधारण सी लड़की के किरदार में उनकी सादगी और भोलेपन ने सबका दिल जीत लिया। फिल्म भले ही ज्यादा नहीं चली, लेकिन उनकी आंखों की मासूम अदाएं इंडस्ट्री को नया चेहरा दे गईं।

'जॉनी मेरा नाम'

साल 1970 में देव आनंद के साथ इस फिल्म में हेमा मालिनी ने रहस्य और रोमांस से भरे किरदार को बखूबी जिया। 'रेखा' के रूप में उनकी स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें ग्लैमर का प्रतीक बना दिया। इस फिल्म को भले ही उस वक्त उतनी तारीफ नहीं मिली लेकिन आज ये फिल्म कल्ट क्लासिक फिल्मों में गिनी जाती हैं।

'अंदाज'

1971 में शीला का साहसराजेश खन्ना के साथ इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसी विधवा का किरदार निभाया जो अपने बेटे के लिए समाज से लड़ती है। इस भूमिका में उन्होंने दिखाया कि वो सिर्फ सुंदर ही नहीं, बल्कि गहराई से सोचने वाली अदाकारा भी हैं।

'सीता और गीता'

साल 1972 में यह फिल्म उनके करियर की सबसे बड़ी हिट साबित हुई। सीता की कोमलता और गीता की चंचलता दोनों ही किरदारों में हेमा ने ऐसा फर्क पैदा किया कि दर्शक दंग रह गए। इस फिल्म में उनके साथ धर्मेंद्र और संजीव कुमार ने काम किया था।

'शोले'

'बसंती' बनकर हेमा मालिनी ने जो जादू चलाया, वो आज भी हिंदी सिनेमा की पहचान है। घोड़े पर सवार यह चुलबुली लड़की पूरी फिल्म में छा गई थी। इसके अलावा उन्हें लेकर वीरु का बोला हुआ डायलॉग 'बसंती इन कुत्तों के सामने मत नाचना' भी आजतक याद किया जाता है।

'ड्रीम गर्ल'

साल 1977 में इस फिल्म ने उन्हें वो नाम दिया जिससे आज तक वो जानी जाती हैं। पांच अलग-अलग किरदारों में हेमा ने साबित कर दिया कि वह हर रूप में निखरती हैं। इस फिल्म ने हेमा

को बेशुमार पॉपुलेरिटी और लोकप्रियता दी।

'सत्ते पे सत्ता'

1982 में रिलीज हुई मशहूर फिल्म सत्ते पे सत्ता में हेमा मालिनी ने इंदु का किरदार निभाया था, जो एक नर्स है और सात जंगली भाइयों के जीवन में सभ्यता और स्नेह की नई रोशनी लेकर आती है। इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में थे। यह किरदार हेमा मालिनी के अभिनय करियर के सबसे सहज और प्रभावशाली रोल्स में से एक माना जाता है।

'बागबान'

साल 2003 में अमिताभ बच्चन के साथ इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसी पत्नी की भूमिका निभाई जो पति के साथ सम्मान और रिश्तों की गरिमा को बचाने के लिए संघर्ष करती है। उनका डायलॉग- 'हमने बच्चों को सब कुछ दिया, बस प्यार नहीं मिला'- दिल छू जाता है।

'मीरा'

1979 में रिलीज हुई फिल्म मीरा में हेमा मालिनी ने 16वीं सदी की संत कवयित्री मीरा बाई का किरदार निभाया था और यह भूमिका उनके अभिनय करियर की सबसे आध्यात्मिक, भावनात्मक और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक मानी जाती है। गुलजार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने हेमा मालिनी को केवल एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक कलाकार के रूप में स्थापित किया।

'जमाई राजा'

1990 में आई सुपरहिट फिल्म जमाई राजा में हेमा मालिनी ने निभाया था दुर्गेश्वरी देवी का किरदार- एक सशक्त, सख्त और आत्मसम्मान से भरी महिला, जो अपने घर की मालिक होने के साथ-साथ अपने निर्णयों की भी रानी है। इस किरदार ने हेमा मालिनी के अभिनय का एक ऐसा रूप दिखाया जिसे दर्शकों ने पहले कभी इतने दृढ़ और प्रभावशाली अंदाज में नहीं देखा था।

भारत का डिजिटल मॉडल बना वैश्विक आकर्षण का केंद्र

अमेरिका में आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने साझा किया अनुभव

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।वॉशिंगटन डीसी में विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वार्षिक बैठकों के दौरान आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भारत के डिजिटल पब्लिक प्लेटफॉर्म (डीपीपी) इकोसिस्टम पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। केंद्रीय बैंक के अनुसार, डिजिटल सार्वजनिक प्लेटफार्मों के माध्यम से आर्थिक लचीलापन बनाने पर उच्च स्तरीय वार्ता विषय पर एक उच्चस्तरीय संवाद 14 अक्तूबर 2025 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन आरबीआई ने विश्व बैंक और आईएमएफ की वार्षिक बैठकों के दौरान किया था।

संवाद का उद्देश्य

इस संवाद का उद्देश्य भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे से जुड़ी अनुभवों, सीखों को साझा करना और वैश्विक सहयोग के अवसरों की खोज करना था, ताकि अधिक मजबूत और समावेशी डिजिटल प्रणालियां विकसित की जा सकें। आरबीआई ने कहा कि गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भारत के डीपीपी इकोसिस्टम का एक संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत किया और विशेष रूप से सरकारी ट्रांसफर पेमेंट्स में डिजिटलाइजेशन और वित्तीय समावेशन में उन मिका पर प्रकाश डाला।

डिजिटल सार्वजनिक ढाचे में सरकार की भूमिका

मल्होत्रा ने बताया कि भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढाचे ने सरकारी ट्रांसफर पेमेंट्स को अधिक सुगम और पारदर्शी बनाया है, जिससे लाभ सीधे और प्रभावी तरीके से नागरिकों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि आधार जैसे डिजिटल पहचान प्लेटफॉर्म और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसे रियल-टाइम भुगतान तंत्र ने यह साबित किया है कि कैसे बड़े पैमाने पर, मजबूत और किफायती सार्वजनिक सेवा प्रणालियां विकसित की जा सकती हैं जो करोड़ों लोगों की सेवा कर सकें। मल्होत्रा ने जोर दिया कि ये प्लेटफॉर्म भारत के डिजिटल परिवर्तन के केंद्र में हैं, जो तेज, पारदर्शी और सुरक्षित वित्तीय लेन-देन को सक्षम बनाते हुए सरकारी सेवाओं की पहुंच में सुधार कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में 38 देशों के केंद्रीय बैंकों के प्रतिनिधि, जिनमें 22 गवर्नर और वरिष्ठ नीति-निर्माता शामिल थे, ने हिस्सा लिया। यह भारत की डिजिटल यात्रा में बढ़ती वैश्विक रुचि को दर्शाता है।

भारत में कारों की रेकॉर्ड बिक्री लेकिन अमेरिका में गाड़ी-बंगला खरीदने से डर रहे हैं लोग

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में 22 सितंबर को जीएसटी के नए रेट लागू हुए थे। इसके बाद देश में गाड़ियों की बुकिंग और बिक्री के नए रेकॉर्ड बन रहे हैं। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने इस दौरान 4,00,000 कारों की बुकिंग की है। भारत में जहां कारों की बिक्री रेकॉर्ड बना रही है, वहीं अमेरिका में लोग गाड़ी और बंगला खरीदने से परहेज कर रहे हैं। अमेरिका में 1 अक्तूबर से गवर्नमेंट शटडाउन की स्थिति है। यह कब तक रहेगा, अभी यह साफ नहीं है। यही वजह है कि ज्यादातर लोग बड़ी खरीदारी से परहेज कर रहे हैं। एक सर्वे के मुताबिक गवर्नमेंट शटडाउन के कारण 17 फीसदी अमेरिकी बड़ी खरीदारी को टाल रहे हैं। इनमें कार और मकान खरीदना शामिल है। रेडफिन के सर्वे के मुताबिक 7 फीसदी लोगों ने खरीदारी के बड़े प्लान पूरी तरह छोड़ दिए हैं। इनमें से कई लोग सरकारी कर्मचारी या कॉन्ट्रैक्टर हैं। इसी तरह 40 फीसदी अमेरिकी जॉब सिक्योरिटी के कारण बड़ी खरीदारी कैंसल कर रहे हैं या टाल रहे हैं। 37 फीसदी वर्कर्स अपनी नौकरी को लेकर चिंतित हैं। लोग शटडाउन और लेबर मार्केट को लेकर चिंतित हैं।

कब तक चलेगा शटडाउन?

अमेरिका की सरकार को अपने खर्च चलाने के लिए फंड की जरूरत होती है। यह फंड कर्ज लेकर पूरा किया जाता है। इसके लिए एक बिल अमेरिकी संसद हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में लाया जाता है। लेकिन इस बार फंडिंग बिल को संसद की मंजूरी नहीं मिली जिससे 1 अक्टूबर से देश में शटडाउन हो गया। देश में पिछली बार शटडाउन 35 दिन चला था जो अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा शटडाउन था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही धमकी दी थी कि अगर सांसद कानून पास नहीं करता है तो वह और संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकाल देंगे। मंगलवार दोपहर तक 23 सबसे बड़ी संघीय एजेंसियों में से कम से कम 21 ने यह जानकारी दी कि वे किन कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजेंगी। एयरलाइन कंपनियों ने चेतावनी दी है कि शटडाउन से उड़ानों पर सीधा असर पड़ सकता है।

दिवाली से पहले शेयर बाजार गुलजार

सेंसेक्स ने लगाई लंबी छलांग, निफ्टी में भी तेजी

मुंबई, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के चलते गुरुवार को शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुए। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 826.23 अंक या 1.04 प्रतिशत उछलकर 83,467.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,010.05 अंक या 1.22 प्रतिशत बढ़कर 83,615.48 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 261.75 अंक या 1.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,585.30 पर आ गया। घरेलू आय में सुधार और नए विदेशी निवेश के कारण वित्तीय और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के शेयरों में मजबूती से सेंसेक्स और निफ्टी ने व्यापक बढ़त हासिल की। बीते दो सत्रों में सेंसेक्स 1,500 अंक से ज्यादा चढ़ा है। वहीं, निफ्टी 1.9% उछला है। डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की बढ़त के साथ 87.87 (अनंतिम) पर बंद हुआ। प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा के नरम पड़ने और निवेशकों में जोखिम की भावना के फिर से उभरने से यह तेजी आई।सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, अडानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। वहीं, इटर्नल और इंफोसिस पिछड़ गए। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.49 प्रतिशत, जापान का निक्केई 225 सूचकांक 1.27 प्रतिशत और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक 0.10 प्रतिशत बढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, सकारात्मक वैश्विक संकेतों और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर नए आशावाद से उत्साहित घरेलू शेयर बाजारों ने अपनी मजबूत रिकवरी रैली को जारी रखा। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में मांग में सुधार की उम्मीद, एफआईआई प्रवाह के शुरुआती संकेत, अमेरिकी फेड की नरम टिप्पणी और डॉलर सूचकांक में नरमी से धारणा को और बल मिला। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल आज व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ शामिल होंगे। भारत ने अमेरिका से ऊर्जा आयात बढ़ाने की अपनी तत्परता का संकेत दिया है। भारतीय वार्ता दल व्यापार वार्ता के लिए पहले ही वाशिंगटन में मौजूद है।

सेबी की बड़ी कार्रवाई: आईईएक्स इनसाइडर ट्रेडिंग केस में आठ इकाइयों पर शिकंजा, 173.14 करोड़ रुपये जब्त

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)।बाजार नियामक सेबी अंदरूनी व्यापार के एक मामले में सख्त कदम उठाते हुए भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज लिमिटेड (आईईएक्स) के शेयरों में हेराफेरी करने वाले कई इकाइयों के खिलाफ अंतरिम आदेश जारी किया है। आदेश के तहत कुल 173.14 करोड़ रुपये की अवैध कमाई को जब्त करने का निर्देश दिया गया है।सेबी ने कहा है कि सभी नोटिस प्राप्त इकाइयों को अपने नाम से फिक्स्ड डिपॉजिट खाते खोलकर इस राशि को जमा करना होगा। इन खातों पर सेबी के पक्ष में लियन ग्रहणाधिकार के साथ दर्ज किया जाएगा और नियामक की अनुमति के बिना यह राशि जारी नहीं की जा सकेगी।नियामक की जांच में खुलासा हुआ कि सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन के एक अहम आदेश से पहले आईईएक्स के शेयरों में संदिग्ध सौदे किए गए थे।सेबी के अनुसार, 23 जुलाई 2025 को सीईआरसी ने सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (पावर मार्केट) रेगुलेशंस, 2021 के तहत मार्केट कपलिंग लागू करने के निर्देश जारी किए थे। यह कदम आईईएक्स के ट्रेडिंग वॉल्यूम पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाला माना जा रहा था। इसके अगले ही दिन, यानी 24 जुलाई 2025 को, आईईएक्स के शेयरों में 29.58% की भारी गिरावट दर्ज की गई (क्लोज-टू-क्लोज आधार पर)। सेबी ने बताया कि आदेश से पहले ट्रेडिंग वॉल्यूम में असामान्य बढ़ोतरी और उसके बाद तेज गिरावट ने इनसाइडर ट्रेडिंग की आशंका को मजबूत किया। इन व्यापारों से 173.14 करोड़ रुपये का अवैध लाभ अर्जित हुआ। जांच को आगे बढ़ाने के लिए सेबी ने 18 से 20 सितंबर 2025 के बीच संदिग्ध इकाइयों से जुड़े कई ठिकानों पर सर्च और सीजर ऑपरेशन चलाया। सेबी की इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं, जिनसे पता चला कि कुछ ट्रेडर्स को सीईआरसी के वरिष्ठ अधिकारियों से गोपनीय जानकारी मिल रही थी। यह जानकारी मुख्य रूप से मार्केट कपलिंग ऑर्डर से जुड़ी आंतरिक चर्चाओं और फैसलों से संबंधित थी। इन खुलासों के बाद सेबी ने 8 इकाइयों के खिलाफ अंतरिम आदेश जारी करते हुए 173.14 करोड़ की अवैध कमाई जब्त करने का निर्देश दिया है।

20 दिन चढ़ने के बाद चांदी में गिरावट : दो दिन में 7,250 रुपए सस्ती हुई

सोना 1.27 लाख के पार, इस साल 51 हजार बढ़ा

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने में लगातार 15वें दिन तेजी जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम आज (16 अक्टूबर) 533 रुपए बढ़कर 1,27,247 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया है। कल ये 1,26,714 रुपए पर था।

वहीं, चांदी की कीमत में लगातार 20 दिन तेजी के बाद आज दूसरे दिन गिरावट है। गुरुवार को चांदी 3,150 रुपए घटकर 1,70,850 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। कल चांदी 1,74,000 रुपए प्रति किलो थी। ऐसे में चांदी दो दिन में 7,250 रुपए सस्ती हुई है। इससे पहले मंगलवार, 14 अक्टूबर को चांदी 1,78,100 रुपए के ऑल टाइम हाई पर थी।

सोना 51,085 और चांदी 84,833 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 51,085 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,27,247 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 84,833 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,70,850 रुपए प्रति किलो हो गई है।

1.55 लाख रुपए तक जा सकता है सोना

गोल्डमैन सैच की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपए में यह लगभग 1,55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। ब्रोकरेज फर्म पीएल कैपिटल के डायरेक्टर संदीप रायचुरा ने कहा कि सोना 1,44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

35 ट्रिलियन खतरे में... कई साल तक नहीं उबर पाएगी दुनिया! गीता गोपीनाथ ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि अमेरिका शेयरों में दुनिया के बढ़ते निवेश पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि अमेरिका का शेयर बाजार ऑल-टाइम हाई पर है और अगर गिरावट आती है तो इससे एक झटके में 35 ट्रिलियन स्वाहा हो सकते हैं। यह रकम अमेरिका की जीडीपी से ज्यादा है। इसके नतीजे 2000 के दशक के डॉट-कॉम बबल के टूटने के बाद हुए नुकसान से कहीं ज्यादा गंभीर होंगे और इसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई देगी। भारतीय मूल की गोपीनाथ ने 'द इकनॉमिस्ट' मैगजीन में एक लेख में कहा कि अमेरिका के शेयरों में दुनिया का निवेश रेकॉर्ड ऊंचाई पर है। शेयर बाजार में गिरावट के नतीजे डॉट-कॉम क्रैश के बाद हुए नुकसान से कहीं ज्यादा गंभीर और ग्लोबल होंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि टैरिफ वॉर और विभिन्न देशों के पास कम फिस्कल स्पेस से यह समस्या और गहरा रही है। अमेरिकी शेयर इस समय दूसरे देशों की तुलना में 46% महंगे बिक रहे हैं और आईएमएफ के मॉडल बताते हैं कि इस कीमत का कोई मजबूत आधार नहीं है। साल 1990 के दशक के अंत और 2000 की शुरुआत में इंटरनेट की शुरुआत हुई थी और इसके दम पर कई कंपनियों के शेयरों के दाम आसमान छू रहे थे। निवेशक तेजी से ग्रोथ की उम्मीद में इंटरनेट से जुड़े शेयरों में अंधाधुंध पैसा लगा रहे थे। इसे डॉट-कॉम बबल कहा जाता था। लेकिन 2000 में यह बुलबुला फट गया। इससे शेयर बाजार में भारी गिरावट आई और निवेशकों को खरबों डॉलर की चपत लगी थी। एआई के बढ़ते चलन के कारण हाल में अमेरिकी शेयरों में काफी तेजी आई है। अमेरिका के शेयरों में फॉरेन होल्डिंग्स रेकॉर्ड 20 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गई है। पिछले कुछ महीनों में इसमें 2.5 ट्रिलियन डॉलर की तेजी आई है।अमेरिका का इक्विटी मार्केट 60 ट्रिलियन डॉलर का है जिसमें विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 30 फीसदी है।

फलों की कीमतें बढ़ीं : ना नवरात्रि, ना रमजान... फिर क्यों महंगे हुए फल?

9 महीने में 13% से ज्यादा उछली कीमत, टूट गया 5 साल का रेकॉर्ड

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस साल 2025 में फलों की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच फलों पर महंगाई दर औसतन 13.2% रही। यह पिछले पांच सालों में सबसे ज्यादा है। हालांकि, दूसरी तरफ सब्जियों और दालों जैसी चीजों के दाम कम हुए हैं, जिससे कुछ राहत मिली है। साल 2024 में फलों पर महंगाई दर 5.9% और साल 2023 में 3.9% थी।

साल 2025 में जनवरी से सितंबर के दौरान सब्जियों के दाम औसतन 10.9% गिरे हैं। जबकि पिछले साल इसी अवधि में सब्जियों के दाम 24.9% बढ़े थे। कुल मिलाकर खुदरा महंगाई दर घटकर 2.7% हो गई है, जो पिछले साल 4.7% थी। विशेषज्ञों का कहना है कि फलों के दाम लगातार बढ़ने के पीछे कुछ खास वजहें हैं। जैसे कि अलग-अलग इलाकों में फसल को नुकसान पहुंचना, फलों को स्टोर करने की जगह की कमी और कोल्ड चेन (ठंडा रखने की व्यवस्था) में दिक्कतें।

बाहर से फल मंगाकर इन दिक्कतों को आसानी से दूर नहीं किया जा सकता। इसी वजह से भले ही बाकी खाने-पीने की चीजों के दाम कम हो रहे हों, लेकिन ज्यादातर पसंद किए जाने वाले फलों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में ग्रामीण इलाकों में हर महीने प्रति व्यक्ति खाने-पीने पर होने वाले खर्च का करीब 3.85% हिस्सा फलों पर खर्च होता था। वहीं शहरी इलाकों में यह आंकड़ा 3.87% था। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच केले के दाम में औसतन 8.1% की महंगाई देखी गई, जबकि पिछले साल यह 6.1% थी।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में भारी बारिश और बाढ़ की वजह से फसल को नुकसान पहुंचा, जिससे केले की सप्लाई कम हो गई। बिहार केले का एक बड़ा उत्पादक राज्य है। वहां के किसानों ने मक्के की खेती की ओर रुख कर लिया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एथेनॉल बनाने के लिए मक्का एक जरूरी कच्चा माल है और इससे उन्हें ज्यादा दाम मिल रहे हैं। सेब के दाम में औसतन 12.2% की महंगाई आई है, जो पिछले साल 10% थी। जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में आई बाढ़ की वजह से सप्लाई में रुकावट आई। लीची, नाशपाती, सिंघाड़ा और बेरीज जैसे दूसरे ताजे फलों पर औसतन 13.9% महंगाई देखी गई, जबकि 2024 में यह 6.5% थी।

विप्रो को 3,246 करोड़ का मुनाफा, सालाना 1.5% बढ़ा

रेवेन्यू भी 2% बढ़कर 22,697 करोड़ पर पहुंचा; इस साल 15% गिरा शेयर

मुंबई, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईटी सर्विस प्रोवाइड करने वाली कंपनी विप्रो का जुलाई-सितंबर तिमाही में कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 1.2% बढ़कर 3,246 रुपए करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में ये 3,209 करोड़ रुपए रहा था। विप्रो ने आज गुरुवार (16अक्टूबर) को फाइनेंशियल ईयर 2026 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। विप्रो का कॉन्सोलिडेटेड रेवेन्यू सालाना आधार पर 2% बढ़कर 22,697 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 22,302 करोड़ रुपए रहा था। विप्रो का एट्रिशन रेट 14.5% से बढ़कर 14.9% हो गया है। यानी पिछले साल की सामान तिमाही से कर्मचारियों की संख्या 2,000 तक बढ़ गई है। विप्रो का शेयर आज 1.39% की तेजी के साथ 253 रुपए पर बंद हुआ। इस साल में विप्रो के शेयर ने निवेशकों को -15.52% का नेगेटिव रिटर्न दिया है। इसका मार्केट कैप 2.66 लाख करोड़ रुपए है। विप्रो लिमिटेड एक लीडिंग टेक्नोलॉजी सर्विसेज और कंसलटिंग कंपनी है। 65 देशों में इसकी प्रेजेंस है। अजीम प्रेमजी को 1966 में 21 साल की उम्र में अपने पिता से विप्रो का कंट्रोल विरासत में मिला था। उनकी लीडरशिप में, विप्रो ने वनस्पति तेल के उत्पादन से लेकर आईटी सर्विसेज, सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन और कंसल्टिंग सर्विसेज देने तक डायवर्सिफिकेशन किया।कंपनियों के रिजल्ट दो भाग में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड।

अमेरिकी दबाव बेअसर! भारत धड़ल्ले से खरीद रहा रूसी तेल

अब बस चीन से एक कदम पीछे

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को रूसी तेल न खरीदने की हिदायत दी है. वह अपने भाषणों में बार-बार इसका जिक्र भी करते रहते हैं. लेकिन अभी हाल के आंकड़ें ये बता रहे हैं कि अमेरिकी दबाव का भारत पर कोई असर नहीं पड़ा है. देश ने रूस से क्रूड ऑयल खरीदना जारी है.

हेलसिंकी के सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के मुताबिक, इंडियन रिफाइनरियों ने सितंबर में रूसी क्रूड ऑयल की 25,597 करोड़ यानी 2.5 बिलियन रुपये की वैल्यू खरीदी जो कि चीन के बाद सबसे ज्यादा है. इस दौरान चीन ने 3.2 बिलियन रुपये का तेल खरीदा. इंडिया रूसी कोल और रिफाइंड फ्यूल का भी दूसरा सबसे बड़ा बायर बना हुआ है. टोटल फॉसिल इंपोर्ट 3.6 बिलियन रुपये का है जो चीन के 5.5 बिलियन रुपये से पीछे है. ओवरऑल, रूसी फॉसिल फ्यूल बायर्स में चीन नंबर वन, उसके बाद इंडिया, तुर्की, ईयू और साउथ कोरिया का नंबर आता है.

चीन रूसी क्रूड ऑयल, एलएनजी और कोल भी खूब इंपोर्ट करता है, जबकि रिफाइंड ऑयल प्रोडक्ट्स और पाइपलाइन गैस में तुर्की टॉप पर है.

ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन नई दिल्ली पर रूसी ऑयल इंपोर्ट रोकने का प्रेशर डाल रहा है. इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि ये मॉस्को के यूक्रेन वॉर को फंड करते हैं. वॉशिंगटन ने रूसी ऑयल खरीद पर पेनल्टी के तौर पर इंडियन एक्सपोर्ट्स पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया, लेकिन दूसरे बायर्स पर कुछ नहीं किया.

कोल का भी किया इंपोर्ट

सितंबर में रूस से इंडिया का क्रूड ऑयल इंपोर्ट सीक्वेंशियली 9% गिरा है. फरवरी के बाद लोएस्ट लेवल पर है. क्योंकि गवर्नमेंट रिफाइनरियों की खरीद 38% डाउन हुई जो कि मई 2022 के बाद सबसे कम है. क्रूड के अलावा, इंडिया ने 452 मिलियन का कोल और 344 मिलियन रुपये के रिफाइंड ऑयल प्रोडक्ट्स खरीदे, जबकि चीन ने 784 मिलियन कोल, 658 मिलियन रुपये पाइपलाइन गैस और 487 मिलियन रुपये एलएनजी इंपोर्ट किया है.

ऑयल प्रोडक्ट्स इंपोर्ट 27% सीक्वेंशियली डाउन, मेनली यूक्रेन अटैक्स से रूसी डीजल प्रोडक्शन डिस्टर्ब होने की वजह से हुआ. ईयू ने रूस से 743 मिलियन रुपये एलएनजी और पाइपलाइन गैस, प्लस 311 मिलियन रुपये क्रूड इंपोर्ट किया. साउथ कोरिया 283 मिलियन रुपये टोटल के साथ फिफ्थ पोजिशन पर है.

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-11
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-53
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक कृष्ण शुक्रवार 17 October
तिथि - एकादशी 11-12 तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - मघा 13-57 तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - शुक्ल 01-48 तक उप ब्रह्म
करण - बालव 11-12 तक उप कौलव
व्रत रमा एकादशी व्रत सर्वे
त्योहार सूर्य तुला मे १३-४६ से

गृह स्थिति		लग्नारभ समय	
सुर्य - कन्या	मे	कन्या--	04-09 बजे
चंद्र - सिंह	मे	तुला----	06-14 बजे
मंगल-तुला	मे	वृश्चिक....	08-24 बजे
बुध - तुला	मे	धनु.......	10-38 बजे
गुरु - मिथुन	मे	मकर....	12-45 बजे
शुक्र - कन्या	मे	कुंभ....	14-35 बजे
शनि मीन	मे	मीन....	16-13 बजे
राहु कुंभ	मे	मेष.....	17-48 बजे
केतु सिंह	मे	वृष....	19-34 बजे
		मिथुन..	21-34 बजे
		कर्क....	23-48 बजे
		सिंह---	01-58 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-34 से 12-01 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
चंचल 06-11 - 07-38 शुभ	रोग 17-53 - 19-24 अशुभ
लाभ 07-38 - 09-06 शुभ	काल 19-24 - 20-57 अशुभ
अमृत 09-06 - 10-34 शुभ	लाभ 20-57 - 22-29 शुभ
काल 10-34 - 12-01 अशुभ	उत्पात22-29 - 00-01 अशुभ
शुभ 12-01 - 13-29 शुभ	शुभ 00-01 - 01-34 शुभ
रोग 13-29 - 14-57 अशुभ	अमृत 01-34 - 03-06 शुभ
उत्पात14-57 - 16-24 अशुभ	चंचल 03-06 - 04-39 शुभ
चंचल 16-24 - 17-53 शुभ	रोग 04-39 - 06-11 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
यह दिन आपके करियर में भावनात्मक बुद्धिमत्ता को प्रोत्साहित करता है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। संचार में लचीलापन प्रगति का समर्थन करता है, जबकि तार्किक मानसिकता आपको स्पष्ट सोच और संरचित योजना के माध्यम से स्थिर प्रगति करने में मदद करती है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वु, वे, वो,
आप अपने कामकाजी जीवन में ऊर्जावान महसूस करते हैं, और अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है। सावधानीपूर्वक योजना और तार्किक सोच आपके कार्यों में सहायक होती है। आपका दिमाग तेज़ है और दूरदर्शिता आपको आसानी से अनुकूलन करने में मदद करती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपके कार्य जीवन में सौभाग्यपूर्ण निर्णयों और आत्मविश्वासपूर्ण कार्यों से लाभ हो सकता है, जिससे प्रगति और सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ की अपेक्षा करें जो आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करें। हालाँकि, लापरवाही और आवेगपूर्ण ईमानदारी से बचें।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप काम पर एक मजबूत छाप छोड़ते हैं और आसानी से सूक्ष्म संकेतों को समझ लेते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी कलात्मक समझ का लाभ मिलता है, और आप दूसरों, खासकर महिलाओं के साथ अच्छी तरह से जुड़ते हैं। तीव्र भावनाएँ आपको विचलित कर सकती हैं, इसलिए अतिशयोक्ति से बचें।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प आज आपको केंद्रित रहने में मदद करते हैं। आपकी महत्वाकांक्षा मजबूत है, और स्पष्ट सोच आपके सीखने और संचार का समर्थन करती है। जल्दबाजी या आवेगपूर्ण निर्णय न लें, क्योंकि इससे संघर्ष हो सकता है। अपने काम या पढ़ाई में लगातार प्रगति करने के लिए शांत और विचारशील रहें।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपका आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा मजबूत है, जो आपको काम और पढ़ाई में आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपकी सोच तेज है, लेकिन आप बहस करने या गलती खोजने में तेज हो सकते हैं। अपने प्रेरक कौशल का बुद्धिमानी से उपयोग करें और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें, भले ही दूसरे आपके विचारों को चुनौती दें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
दिन की संवेदनशील ऊर्जा आपको अपने प्रियजनों के प्रति सुरक्षात्मक होने के लिए प्रोत्साहित करती है। जल्दी से अनुकूल होने की प्रकृति एक दोहरी प्रकृति का मूड लाती है, जिससे आप असंगत महसूस करते हैं। संबंधों पर ध्यान दें और अतिभोग से बचें। हालाँकि, रोमांटिक हितों में अहंकार का तनाव सामने आ सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये जिससे की आपकी लाभ की सीमा बढे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
काम के प्रति आपका सहज दृष्टिकोण बढ़ा हुआ है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल परियोजनाओं और कार्यों को विस्तृत, सावधानीपूर्वक संभालने में सहायता करते हैं। अपने अहंकार को सफलतापूर्वक संलग्न करें और चुनौतियों से निपटने के लिए अपने दिमाग का उपयोग करें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपकी महत्वाकांक्षाएँ ऊर्जावान हैं, जो आपको आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती हैं। अंतर्ज्ञान आपको सूक्ष्म गतिशीलता से निपटने में मदद करता है, खासकर जब काम या पढ़ाई में चुनौतियाँ आती हैं। अवसर अप्रत्याशित रूप से सामने आ सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
भावनात्मक गहराई आपके करियर को समृद्ध बनाती है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल आपके काम में सटीकता का समर्थन करते हैं। तार्किक सोच आपको कार्यों को प्रभावी ढंग से संभालने में मदद करती है, हालांकि कुछ अवरोध आपकी गति को धीमा कर सकते हैं। व्यवस्थित और केंद्रित रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पंजाब डीआईजी के घर से करोड़ों का कैश मिला

3 बैग और 1 अटैची में भरा था, नोट गिनने की मशीन मंगानी पड़ी, 5 लाख रिश्वत लेते पकड़ा

चंडीगढ़/मोहाली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। डीआईजी भुल्लर ने मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी से रिश्वत मांगी थी। गुरुवार को दिल्ली और चंडीगढ़ से आई सीबीआई की टीम ने भुल्लर को ट्रैप लगाकर पकड़ा।

जिसके बाद सीबीआई के 52 लोगों की टीम भुल्लर के मोहाली ऑफिस और चंडीगढ़ के सेक्टर 40 स्थित घर को खंगाल रही है। जहां से कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं। भुल्लर को अभी किसी सीक्रेट जगह पर रखकर पूछताछ की जा रही है।

वहीं सीबीआई से जुड़े सोर्सेज से जानकारी मिल रही है कि भुल्लर की कोठी से करीब एक करोड़ से ज्यादा का कैश मिला है। यह कैश 3 बैग और 1 अटैची में भरा हुआ था। जिसके बाद सीबीआई टीम को नोट गिनने की मशीन मंगानी पड़ी। इसके अलावा गहने भी बरामद हुआ है।

भुल्लर को मोहाली स्थित डीआईजी ऑफिस से पकड़े जाने की सूचना है लेकिन अभी तक जांच एजेंसी ने इसके बारे में कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया है। भुल्लर को कल मोहाली सीबीआई कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। सीबीआई सोर्सेज के मुताबिक स्क्रैप कारोबारी ने डीआईजी भुल्लर के अलावा और भी कुछ अधिकारियों के नाम शिकायत में दिए हैं, जिन पर भी जल्द एक्शन हो सकता है।

इससे पंजाब पुलिस में हड़कंप मचा हुआ है। 2007 बैच के आईपीएस भुल्लर के पिता महल सिंह भुल्लर पंजाब के डीजीपी रह चुके हैं। भुल्लर के भाई कुलदीप सिंह भुल्लर भी कांग्रेस से विधायक रह चुके हैं। भुल्लर को 27 नवंबर 2024 को रोपड़ रेंज का डीआईजी लगाया गया था।

डीआईजी भुल्लर से जुड़े रिश्वत के केस के बारे में जानिए

चेसिस नंबर बदलकर कार बेचने के मामले पकड़ेः सीबीआई सोर्सेज के मुताबिक भुल्लर के रोपड़ रेंज के डीआईजी तैनात होने के बाद अवैध कार व्यापार के मामले सामने आए। जिसमें पता चला कि कुछ कार व्यापारी कारों के चेसिस नंबर बदलकर उन्हें आगे बेच रहे हैं। इनमें चोरी की कारें भी हो सकती हैं। इसके अलावा चेसिस नंबर बदली कारों का इस्तेमाल आगे भी क्रिमिनल एक्टिविटीज के लिए किया जा रहा है। स्क्रैप कारोबारी को मंथली देने के लिए धमकायाः इसी दौरान डीआईजी के रडार पर मंडी गोबिंदगढ़ का स्क्रैप कारोबारी भी आ गया। उसका काम अच्छा चलता था। उसने कुछ दिन पहले सीबीआई को शिकायत दी। जिसमें उसने बताया कि वह स्क्रैप का कारोबार करता है। मगर, डीआईजी हरचरण भुल्लर की तरफ से उस पर 5 लाख रुपए मंथली देने का दबाव डाला जा रहा है। उसे कहा जा रहा है कि अगर स्क्रैप कारोबार करना चाहता है तो उसे यह रकम देनी होगी। शिकायत में डीआईजी के अलावा और भी कुछ अधिकारियों के नाम दिए गए हैं।

पहले सबूत जुटाए, फिर एक्शन लियाः शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने पहले स्क्रैप कारोबारी के बताए अधिकारियों के नामों पर नजर रखनी शुरू कर दी। करीब 10 दिन तक सीबीआई ने भुल्लर पर भी नजर रखी।

इसके बाद स्क्रैप कारोबारी के बयान दर्ज किए गए। सीबीआई सोर्सेज के मुताबिक ट्रैप लगाने से पहले भुल्लर के खिलाफ सबूत जुटाए गए। फिर दिल्ली और चंडीगढ़ की टीम बनाकर ट्रैप लगाया गया। उसके बाद गुरुवार को डीआईजी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया।

यमन में मौत की सजा का सामना कर रही निमिषा प्रिया को बचाने की हर कोशिश

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल की नर्स निमिषा प्रिया, जो यमन में मौत की सजा का सामना कर रही थीं, उनकी सजा पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को ये जानकारी दी है। शीर्ष कोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई चल रही थी, जिसमें सरकार से राजनयिक माध्यमों का इस्तेमाल करके 38 वर्षीय निमिषा को बचाने की गुहार लगाई गई थी। निमिषा को 2017 में अपने यमनी बिजनेस पार्टनर की हत्या के आरोप में दोषी ठहराया गया था।

निमिषा प्रिया की सजा को लेकर क्या हुआ?

यह मामला थोड़ा पेचीदा हो गया था क्योंकि यमन का वह इलाका जहां निमिषा जेल में हैं, हूती समूह के नियंत्रण में है। भारत का इस ग्रुप के साथ कोई सीधा राजनयिक संबंध नहीं है। 16 अक्टूबर को, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र सरकार की ओर से पेश

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से पूछा कि निमिषा की सजा पर क्या हुआ? अटॉर्नी जनरल ने जवाब दिया कि एक नया मध्यस्थ सामने आया है। अच्छी बात यह है कि अभी कुछ भी बुरा नहीं हो रहा।

निमिषा प्रिया को कानूनी मदद देने वाले संगठन 'सेव निमिशा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' के वकील ने बताया कि फिलहाल सजा पर रोक लगा दी गई है। इस वजह से संगठन ने कोर्ट से मामले को स्थगित करने का अनुरोध किया। कोर्ट ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2026 में होगी। अगर जरूरत पड़ी तो पार्टियां जल्दी सुनवाई के लिए आवेदन कर सकती हैं।

इससे पहले, 16 जुलाई को निमिषा की सजा पर अमल होना था, लेकिन भारत सरकार और निमिषा के परिजनों की मदद करने वाले एनजीओ ने अनौपचारिक बातचीत शुरू होने के बाद इसे रोक दिया गया था। 14 अगस्त को कोर्ट को बताया गया था कि निमिशा को कोई तत्काल खतरा नहीं है। इससे पहले, 18 जुलाई को भी केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया था कि वे निमिषा को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।

जिस संगठन ने यह याचिका दायर की है, उसने यह भी बताया था कि निमिषा की मां यमन में पीड़ित परिवार से 'ब्लड मनी' यानी खून के बदले पैसे के समझौते को लेकर बातचीत कर रही थीं।

केरल के पलक्कड़ की रहने वाली निमिशा को 2017 में दोषी ठहराया गया था। 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी और 2023 में उनकी आखिरी अपील खारिज हो गई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने पहले सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि शरिया कानून के तहत मृतक के परिवार को 'ब्लड मनी' का भुगतान करने का विकल्प तलाशा जा सकता है। उन्होंने कहा था कि अगर 'ब्लड मनी' का भुगतान किया जाता है तो पीड़ित का परिवार निमिशा को माफ कर सकता है।

कपिल शर्मा के कैफे पर तीसरी बार फायरिंग

लॉरेंस गैंग की धमकी- गोली कहीं से भी आ सकती है, कनाडा में है कैप्स कैफे

ओटावा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक्टर कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैप्स कैफे पर एक बार फिर फायरिंग हुई है। यह तीसरा मौका है, जब कपिल के कैफे को निशाना बनाया गया है। फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गोल्डी ढिल्लों और कुलदीप सिद्धू नेपाली ने ली है।

फायरिंग के बाद लारेंस गैंग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उसने अपने पोस्ट में लिखा- वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह। आज जो (Kaps Caffe, सरे) में तीन बार फायरिंग हुई है, उसकी जिम्मेदारी मैं, कुलवीर सिद्धू और गोल्डी ढिल्लों लेते हैं। हमारी आम जनता से कोई दुश्मनी नहीं है। जिनसे हमारा झगड़ा है, वो हमसे दूर रहें। जो लोग अवैध (दो नंबर का) काम करते हैं, लोगों से काम करवा कर पैसे नहीं देते, वो भी तैयार रहें। जो भी बॉलीवुड में धर्म के खिलाफ बोलते हैं, वो भी तैयार रहें। गोली कहीं से भी आ सकती है। वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह।

कपिल शर्मा का कैप्स कैफे कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सरे में है। इस पर जुलाई और अगस्त में भी फायरिंग हुई थी। अगस्त में हुई फायरिंग में कैफे की खिड़कियों में छह गोलियों के निशान और टूटा हुआ शीशा दिखाई दिया था।

तब लॉरेंस गैंग से जुड़े गोल्डी ढिल्लों का एक पोस्ट वायरल हुआ था, इसमें कपिल के कैफे पर फायरिंग की जिम्मेदारी ली गई थी। जुलाई में हुए हमले में हमलावरों ने कैफे पर 9 राउंड फायरिंग की थी। तब हमले की जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकी हरजीत सिंह लाडी ने ली थी।

कपिल शर्मा ने हमले के बाद सरे की मेयर ब्रेंडा लॉक और पुलिस का धन्यवाद किया था। उन्होंने लिखा था, "हमें प्यार और समर्थन देने आए सभी अधिकारियों का शुक्रिया। हम एकजुट होकर हिंसा के खिलाफ खड़े हैं।" कपिल ने साफ किया कि वे और उनका परिवार डरने वाला नहीं है और शांति व सुरक्षा के पक्ष में मजबूती से खड़े रहेंगे।

जब जुलाई में कैफे पर गोलीबारी की गई थी तब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि एक बार कॉमेडी शो के दौरान कपिल ने निहंग सिखों के खिलाफ टिप्पणी की थी, जिससे नाराज होकर गोलीबारी की गई थी।

भारत में बच्चों के खिलाफ यौन अपराध 94% बढ़े

रिपोर्ट में दावा- 2022 में 64,469 केस दर्ज हुए, 90 प्रतिशत मामलों में सजा हुई

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामलों में 2017 से 2022 तक 94 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड अगेंस्ट सेक्शुअल ऑफेंस (पीओसीएसओ) एक्ट के तहत दर्ज होने वाले ऐसे केस 33,210 से बढ़कर 64,469 हो गए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि बढ़ते आंकड़ों के बावजूद सजा की दर 90 प्रतिशत से ज्यादा बनी हुई है, जो मजबूत कानूनी कार्रवाई और रिपोर्टिंग सिस्टम को दिखाता है।

चाइल्डलाइट ग्लोबल चाइल्ड सेफ्टी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'इंटू द लाइट इंडेक्स 2025' में कहा गया है कि अपराध आंकड़ों में पारदर्शिता से निगरानी और तेज कार्रवाई आसान होती है। रिपोर्ट इसे वैश्विक स्तर पर मानवीय त्रासदी बता रही है।

2012 में बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए भारत में पीओसीएसओ कानून लाया गया था। पहले 2017 में 33,210 मामले दर्ज हुए थे, जो 2022 तक दोगुने से ज्यादा हो गए।

रिपोर्टिंग बढ़ने का मतलब है कि लोग अब चुप नहीं रहते, लेकिन वास्तविक मामले इससे कहीं ज्यादा हो सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत, नेपाल और श्रीलंका में सर्वे से पता चला कि आठ में से एक बच्चा 18 साल से पहले यौन हमले या बलात्कार की शिकायत करता है। इन तीन देशों में करीब 54 मिलियन बच्चे प्रभावित हैं। यानि कुल बच्चों की जनसंख्या का 12.5 प्रतिशत।

2024 में भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान ने दक्षिण एशिया में चाइल्ड सेक्शुअल एब्यूज मटेरियल (सीएसएएम) के ज्यादातर मामले रिपोर्ट किए। भारत में अकेले 2.25 मिलियन मामले दर्ज हुए। रिपोर्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के गलत इस्तेमाल पर चेतावनी दी है। 2023 से 2024 के बीच एआइ से बने सीएसएएम में 1,325 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। बड़ी टेक कंपनियों के फैसले, जैसे एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन बिना सुरक्षा के, ऐसे अपराधों का पता लगाना मुश्किल बना रहे हैं।

चाइल्डलाइट के सीईओ पॉल स्टैनफील्ड ने कहा कि हर आंकड़े के पीछे एक बच्चा है, जिसकी सुरक्षा, सम्मान और भविष्य छीन लिया गया। रिपोर्ट ने सभी देशों से बच्चों के यौन शोषण को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल मानने को कहा। कहा गया कि इन मामलों में एचआईवी/एड्स और कोविड-19 जैसी तत्परता दिखानी चाहिए। स्टैनफील्ड ने कहा कि शोषण इसलिए होता है क्योंकि इसे अनुमति मिली हुई है।

भगोड़ों की अब खैर नहीं

सीबीआई ने इस साल रिकॉर्ड 189 रेड और ब्लू नोटिस जारी कराए

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने इस साल जनवरी में भारत पोल पोर्टल बनने के बाद सितंबर तक 189 रेड और ब्लू नोटिस जारी कराए। जो की सीबीआई के इतिहास में रिकॉर्ड है।

सीबीआई डायरेक्टर प्रवीण सूद ने गुरुवार को यहां आयोजित 'भगोड़ों का प्रत्यर्पणः चुनौतियां और रणनीतियां' विषय पर आयोजित सम्मेलन में कहा कि भगोड़ों को हिरासत में लेने के लिए इंटरपोल से रेड नोटिस जारी करने के अनुरोधों पर एक्शन के समय में भी काफी कमी आई है। यह औसतन 14 महीने से घटकर अब तीन महीने रह गया है।

सीबीआई डायरेक्टर प्रवीण सूद ने वर्तमान में विभिन्न देशों के पास 338 प्रत्यर्पण अनुरोध पेंडिंग हैं। इस साल सितंबर तक विभिन्न मामलों में वांटेड 35 भगोड़ों को भारत लाने में सफलता पाई गई है। जबकि 2024 में 30 और 2023 में 29 भगोड़े देश में वापस लाए जा सके थे।

इस साल सितंबर तक 35 भगोड़े विभिन्न देशों से भारत लाए गए हैं। यह संख्या इस साल के अंत तक 40 या इससे अधिक पहुंचने की उम्मीद है।

सीबीआई डायरेक्टर ने कहा कि वर्तमान में विभिन्न एजेंसियों के पास इंटरपोल नोटिस जारी करने के केवल आठ प्रस्ताव लंबित हैं। जिनमें सबसे पुराना प्रस्ताव एक महीने पहले का ही है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा ब्लू कॉर्नर नोटिस को रेड कॉर्नर नोटिस में बदलने के लिए भी काम किया जा रहा है।

भारत को समझने में अमेरिकी राष्ट्रपति से हो गई चूक

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका और पाकिस्तान की नजदीकी इन दिनों काफी बढ़ी है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार भारत-पाकिस्तान की रट लगाए हुए हैं। इसी क्रम में ट्रंप ने एक बयान देते समय भारत और पाकिस्तान को लेकर गड़बड़ कर दिया जिसकी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में हर साल नया प्रधानमंत्री आ जाता है लेकिन ऐसा पाकिस्तान में होता रहा है। ट्रंप ने भारत को उसके पड़ोसी पाकिस्तान के साथ मिला दिया, जिसने अपने 77 साल के इतिहास में कई प्रधानमंत्री बदलते देखा है। बुधवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। 79 वर्षीय ट्रंप ने अजीबोगरीब टिप्पणी करने से पहले प्रधानमंत्री मोदी को महान व्यक्ति और समय की कसौटी पर खरे उतरे नेता के रूप में प्रशंसा भी की। ट्रंप की इन बातों से उलट हकीकत यह है कि 2014 के बाद से भारत में कोई प्रधानमंत्री

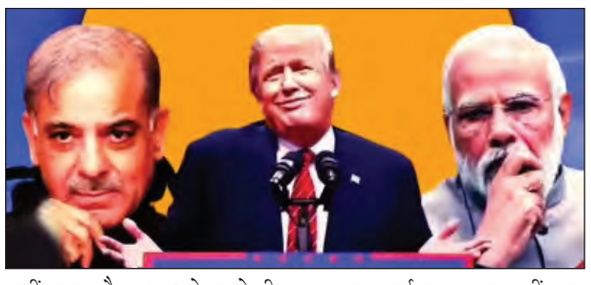

नहीं बदला है। 2014 से पहले भी, मनमोहन सिंह एक दशक तक प्रधानमंत्री रहे थे। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान है जहां 1947 में इसके बनने के बाद से कुल 29 प्रधानमंत्री हुए हैं। इनमें से कोई भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया। ज्यादातर मौकों पर यहां के प्रधानमंत्रियों को या तो भ्रष्टाचार के आरोपों, सीधे सैन्य तख्तापलट, जबरन इस्तीफे या अविश्वास प्रस्ताव के जरिए हटाया गया।

महिला सहयोगी को अश्लील मैसेज

सीआईएसएफ अफसर को दिल्ली हाई कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक शादीशुदा वर्दीधारी अधिकारी का किसी अन्य महिला के साथ रिलेशनशिप में होना और उसे अश्लील मैसेज भेजना एक वर्दीधारी बल के अफसर के लिए उचित नहीं है और यह उसे शोभा नहीं देता। दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में यह टिप्पणी की है। अदालत ने यह टिप्पणी यौन उत्पीड़न के आरोपी एक सीआईएसएफ सब-इंस्पेक्टर की वेतन कटौती की सजा को बरकरार रखते हुए की है। उस आरोपी वर्दीधारी अफसर पर अपनी एक महिला सहयोगी को अश्लील मैसेज भेजने और फोन करके परेशान करने का आरोप है, जिसमें उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई हुई है। इसी कार्रवाई को उसने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने उसकी यह याचिका खारिज कर दी है।

विभागीय कार्रवाई को सही ठहराया

पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस विमल कुमार यादव की बेंच ने 22 सितंबर को यह फैसला सुनाया था, जिसे 14 अक्टूबर को अदालत की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा, 'इंक्वायरी और रिविजिनल अथॉरिटी ने सही कहा है , याचिकाकर्ता जो एक यूनिफॉर्म सर्विस के सदस्य हैं, पहले से विवाहित थे। उनका किसी दूसरी महिला से संबंध रखना और अश्लील मैसेज भेजना बिल्कुल गलत था। यूनिफॉर्म फोर्स के एक अधिकारी के लिए यह बिल्कुल अशोभनीय आचरण है।'

अदालत ने आरोपी अधिकारी की सजा के खिलाफ अपील खारिज करते हुए कहा कि गलत काम को देखते हुए सजा उचित थी और बताया कि उसके साथ 'बहुत हल्के तौर पर'पेश आया गया है। उसे मिली सजा के अनुसार दो साल तक वेतन में कटौती होगी और इस दौरान उसकी किसी भी तरह से वेतन में बढ़ोतरी भी नहीं होगी। इस अवधि के पूरा होने के बाद इस कटौती के परिणामस्वरूप भविष्य में वेतन वृद्धि में भी देरी होगी।

जांच प्रक्रिया में कोई खामी नहीं पायी गई

अपनी शिकायत में महिला ने आरोप लगाया था कि उसके साथ बातचीत के दौरान अफसर ने कुछ आपत्तिजनक शब्द इस्तेमाल किए और गलत इरादे से उसके घर में भी घुस गए। उसकी शिकायत के आधार पर एक विभागीय जांच हुई और उस अफसर के खिलाफ आरोप तय किए गए और जांच समिति ने सजा तामील कर दी। बाद में रिविजिनल अथॉरिटी ने भी अफसर की याचिका खारिज करते हुए सजा बरकरार रखी। दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अदालत ने जांच प्रक्रिया में कोई खामी नहीं पायी है और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया गया है।

बीजेपी की स्टार प्रचारक की लिस्ट में पवन सिंह

अब तक ऑफिशियली जॉइन नहीं की पार्टी, पीएम, नड्डा, योगी समेत 40 नेताओं के नाम

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा ने बिहार चुनाव के पहले चरण के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी की। 40 नेताओं की लिस्ट में भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह का भी नाम है। बता दें कि पवन सिंह ने अब तक ऑफिशियल पार्टी की सदस्यता नहीं ली है, लेकिन वो खुद को बीजेपी का सच्चा सिपाही कहते हैं।

इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य नेताओं के नाम शामिल हैं।

स्टार प्रचारकों में 4 भोजपुरी स्टार

इस बार भाजपा ने सांस्कृतिक जुड़ाव और जनसंपर्क को और सशक्त करने के लिए भोजपुरी जगत के लोकप्रिय चेहरों को भी स्टार प्रचारक बनाया है। इनमें पवन सिंह, मनोज तिवारी, रवि किशन और दिनेश लाल यादव

निरहुआ शामिल हैं। इनके जरिए भाजपा युवाओं और भोजपुरी बोलने वाले क्षेत्रों में माहौल बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।

3 महिला नेत्रियों को बनाया गया स्टार प्रचारक

महिला नेत्रियों में स्मृति ईरानी, रेखा गुप्ता और रेनू देवी को स्टार प्रचारक बनाया गया है। वहीं बिहार से जुड़े वरिष्ठ नेताओं सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, नित्यानंद राय, राधा मोहन सिंह, अश्विनी कुमार चौबे, रवि शंकर प्रसाद, नंद किशोर यादव और राजीव प्रताप रूड़ी को भी इस सूची में जगह दी गई है।

प्रदेश स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, डॉ. संजय जायसवाल, सतीश चंद्र दुबे, राज भूषण चौधरी, गोपाल जी ठाकुर, जनक राम और प्रदीप कुमार सिंह को भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया है।

भोजपुरी सिंगर पवन सिंह ने पत्नी ज्योति सिंह से चल रहे विवाद के बीच 11 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर बड़ा ऐलान किया था कि, 'मैं पवन सिंह अपने भोजपुरिया समाज को बताना चाहता हूं कि मैंने बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी जॉइन नहीं की थी। न ही मुझे विधानसभा चुनाव लड़ना है। मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूं और रहूंगा।'

10 अक्टूबर को ही उनकी पत्नी ज्योति सिंह ने जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर से मुलाकात की थी। 20 मिनट की मुलाकात में उन्होंने कहा था- मेरे साथ अन्याय हुआ। ऐसा किसी और महिला के साथ नहीं होना चाहिए।

पवन सिंह ने हाल ही में दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी, जिसके बाद से भोजपुरी स्टार के बीजेपी में दोबारा आने की चर्चाएं शुरू हो गई थीं।

पवन सिंह पहली बार 2017 में भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ जाकर उन्होंने काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ा। निर्दलीय चुनाव लड़ने पर 22 मई 2024 को भाजपा ने पवन सिंह को पार्टी से बाहर कर दिया। उस वक्त वे प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य थे।

कोयला लदे कंटेनर में लगी आग

धनबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के पथरिया के पास गोविंदपुर–साहेबगंज मुख्य मार्ग पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया। राजगंज से कोयला लोड कर साहेबगंज की ओर जा रहे एक कंटेनर में अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। चालक की सूझबूझ से एक बड़ी दुर्घटना को टाला जा सका। कंटेनर में आग लगते ही चालक ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को करीब एक किलोमीटर आगे एक खाली जगह पर रोक दिया। इस त्वरित निर्णय से आग को फैलने से रोकने और बड़े नुकसान से बचने में मदद मिली। चालक ने बताया कि गोविंदपुर पार करते ही खुदिया पुल के पास वाहन के इंजन से जोर की आवाज आई और धुआं निकलने लगा।

7वीं मंजिल से गिरकर बच्ची की मौत

मां मॉर्निंग वॉक पर निकली, मासूम ढूंढते हुए रेलिंग पर चढ़ी, पिता सऊदी में इंजीनियर

आगरा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगरा में पांच साल की बच्ची की सातवीं मंजिल से गिर कर मौत हो गई। हादसे के वक्त उसकी मां मॉर्निंग वॉक के लिए गई थी। बच्ची बालकनी की रेलिंग पर चढ़ कर नीचे मां को देख रही थी। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया। बच्ची चीखते हुए नीचे गिर गई।

घटना गुरुवार सुबह सवा 4 बजे की है। सोसाइटी वालों से घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। बच्ची के शव को कब्जे में लिया। बच्ची की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। उसके पिता सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। घटना सिकंदरा थाना क्षेत्र के रामरघु आनंदा अपार्टमेंट की है।

रामरघु आनंदा फेज-टू आठ मंजिला बिल्डिंग है। सातवीं

मंजिल के फ्लैट नंबर सी-724 में मनोज प्रताप सिंह का परिवार रहता है। मनोज मूलरूप से खुर्जा बुलंदशहर के रहने वाले हैं। वह सऊदी अरब की एक रिफाइनरी में इंजीनियर हैं। वहीं रहते हैं। उनकी पत्नी धारणा सिंह सैंया ब्लॉक के एक प्राथमिक विद्यालय में टीचर हैं। उनकी 5 साल की बेटी अनाहिता सेंट पॉल्स स्कूल में पढ़ती थी। परिवार में एक ढाई साल का बेटा भी है।

बुधवार तड़के धारणा रोज की तरह कैंपस में वॉक के लिए निकली थीं। इसी दौरान अनाहिता की आंख खुली। मां को न देखकर वह बालकनी में पहुंची और नीचे झांकने लगी। तभी पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गई। शोर सुनकर सोसाइटी के सिक्योरिटी गार्ड और पड़ोसी मौके पर पहुंचे। धारणा ने बेटी को खून से लथपथ देखा तो चीख पड़ीं। वहीं गिरकर बेहोश हो गईं।

सूचना पर सिकंदरा थाने की पुलिस और फील्ड यूनिट मौके पर पहुंची। शुरुआत में यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि बच्ची कहां से गिरी है? परिवार ने पोस्टमॉर्टम से इनकार किया, लेकिन इंस्पेक्टर प्रदीप त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच के लिए पोस्टमॉर्टम जरूरी है। इस दर्दनाक हादसे के बीच पुलिस कुछ सवालों के जवाब तलाश रही है।

चीन से जे-10सी फाइटर जेट खरीदेगा इंडोनेशिया

75 हजार करोड़ में लेगा 42 विमान, पाकिस्तान भारत के खिलाफ इसका इस्तेमाल कर चुका

जकार्ता, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया ने अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने के लिए चीन से 42 जे-10सी फाइटर जेट खरीदने का फैसला किया है। यह पहली बार है जब इंडोनेशिया किसी गैर-पश्चिमी देश से विमान खरीद सौदा कर रहा है।

इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री सजफ्री सजमसुद्दीन ने बुधवार को कहा कि, 'ये जल्द ही जकार्ता के आसमान में उड़ते नजर आएंगे।' पहले जे-10सी को सिर्फ चीन की वायुसेना के लिए डिजाइन किया गया था, लेकिन अब चीन इसे दूसरे देशों को भी बेचेगा।

वित्त मंत्री पुरबया युधी सदेवा ने मीडिया से कहा कि 75 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट मंजूर हो गया है। हालांकि, ये चीन से कब आएंगे, इसकी जानकारी अभी जारी नहीं की गई है। ये विमान पाकिस्तान के पास भी मौजूद है। पाकिस्तान ने मई में संघर्ष के दौरान इस विमान का भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया था।

अपने लड़ाकू विमान अपग्रेड कर रहा इंडोनेशिया

यह सौदा इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के

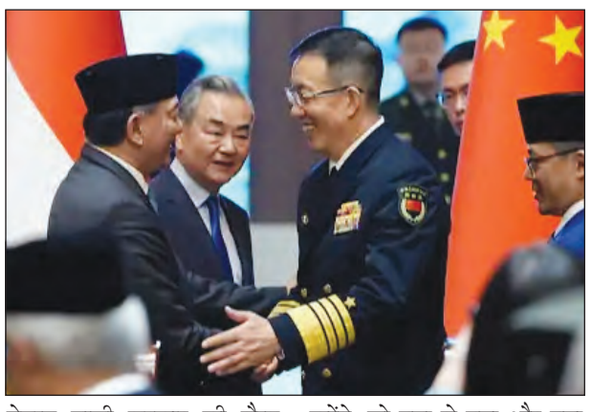

नेतृत्व वाली सरकार की सैन्य सुधार योजना का हिस्सा है। इसके लिए उन्होंने दुनिया भर की यात्राएं की हैं। नई सैन्य हथियार प्रणालियां, निगरानी और क्षेत्रीय रक्षा क्षमताएं हासिल करने के लिए चीन, फ्रांस, रूस, तुर्की और अमेरिका गए।

वर्तमान में इंडोनेशियाई वायुसेना के पास अमेरिका, रूस और ब्रिटेन से आए लड़ाकू विमान हैं, लेकिन इनमें से कई पुराने हो चुके हैं और इन्हें अपग्रेड या बदलने की जरूरत है।

जे-10सी जैसे आधुनिक विमान इंडोनेशिया को चौथी पीढ़ी के लड़ाकू जेट्स की क्षमता प्रदान करेंगे, जो हवा से हवा और हवा से जमीन हमलों में सक्षम हैं।

फ्रांस और तुर्की से भी फाइटर जेट खरीदेगा इंडोनेशिया

इंडोनेशिया केवल चीन पर निर्भर नहीं हो रहा। तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने जून में ऐलान किया था कि तुर्की इंडोनेशिया को 48 केएएएन लड़ाकू विमान देगा। ये विमान तुर्की में निर्मित होंगे और पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर होंगे।

इसके अलावा, जनवरी 2024 में फ्रांस के साथ 42 दसॉल्ट राफेल लड़ाकू विमानों का सौदा फाइनल हुआ। जिसकी पहली डिलीवरी 2026 की शुरुआत में होने की उम्मीद है।

फ्रांस से ही दो स्कॉर्पीन इवॉल्व्ड सबमरीन और 13 थेल्स ग्राउंड कंट्रोल इंटरसेप्शन रडार की खरीद की भी घोषणा की। ये सौदे दिखाते हैं कि इंडोनेशिया अपनी सैन्य खरीदारी के लिए किसी एक देश पर निर्भर नहीं है।

एक्सपर्ट की चेतावनी- पड़ोसी देशों में यह सौदा चिंता पैदा कर सकता है

इंडोनेशिया इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज के रक्षा विश्लेषक बेनी सुकादिस ने इस सौदे पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया राजनीतिक रूप से नॉन-एलाइंड देश है, लेकिन सरकार को अपने फैसलों के प्रभावों को कम नहीं आंकना चाहिए।

दशकों तक पश्चिमी देशों (जैसे अमेरिका और यूरोप) से हथियार खरीदने के बाद चीन से इतना बड़ा सौदा इंडोनेशिया की सुरक्षा नीति में बदलाव का संकेत दे सकता है। सुकादिस ने चेतावनी दी कि एशिया में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभाव के बीच यह कदम क्षेत्रीय संवेदनशीलता पैदा कर सकती है।

पाकिस्तान के पंजाब सरकार ने इस्लामी संगठन टीएलपी को बैन करने की मांग की

इस्लामाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब सरकार ने इस्लामी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान को एक चरमपंथी संगठन (कानून के खिलाफ काम करने वाला) घोषित किया है। इसके साथ ही टीएलपी पर पुरे देश में प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है। यह फैसला मुख्यमंत्री मरियम नवाज की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। इस दौरान बैठक में कहा गया कि टीएलपी की संपत्तियां जब्त हो , बैंक खाते फ्रीज किये जाएं, उसके पोस्टर-बैनर हटाए जाएं और उसके सोशल मीडिया अकाउंट बैन किए जाएं। साथ ही, पार्टी नेताओं को आतंकवाद विरोधी अधिनियम की चौथी अनुसूची में शामिल करने फैसला लिया गया। मुरीदके में 13 अक्टूबर को टीएलपी समर्थक और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों के बाद यह कार्रवाई की गई है। पाकिस्तान के मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि सरकार किसी भी संगठन का हिंसा बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने टीएलपी पर आरोप लगाया कि वह गाजा संकट का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है।

पाकिस्तानी रक्षामंत्री बोले- तालिबान के फैसले दिल्ली से हो रहे

भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा, उकसाया तो सैन्य कार्रवाई करेंगे

इस्लामाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तालिबान के फैसले दिल्ली में लिए जा रहे हैं। उन्होंने अफगानिस्तान पर भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ने का आरोप लगाया।

आसिफ ने तालिबान से हुए सीजफायर पर कहा, मुझे शक है कि यह सीजफायर टिक पाएगा, क्योंकि अफगान तालिबान को दिल्ली से सहयोग मिल रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान को उकसाया तो सैन्य कार्रवाई की जाएगी। आसिफ ने कहा कि हमारे पास जवाब देने की पूरी क्षमता है। अगर उन्होंने युद्ध का दायरा बढ़ाया, तो हम हमला करेंगे। लेकिन हम बातचीत के लिए भी तैयार हैं।

पाकिस्तानी मंत्री ने तालिबानी लड़ाकों के टैंक लूटे जाने को भी अफवाह बताया। उन्होंने कहा कि तालिबानी लड़ाके जिस मॉडल की टैंक पर दिखाई दे रहे हैं, वह पाकिस्तान का नहीं है। मुझे पता नहीं उन्होंने यह टैंक कहां से लिया है, किसी कबाड़ी से लिया है या

पुराने जमाने का टैंक चला रहे हैं। वे फेक तस्वीरें बना कर या वीडियो बना कर दिखा रहे हैं।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान जाने वाले ट्रकों पर रोक लगाई

तालिबान से विवाद के बीच पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के लिए ट्रांजिट ट्रेड सुविधा रोक दी है। इसके चलते अफगानिस्तान व्यापार के लिए पाकिस्तानी जमीन का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा।

इस फैसले के बाद कराची और पोर्ट कासिम से अफगानिस्तान जाने वाले ट्रकों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। जो कंटेनर पहले से लोड होकर रवाना हुए थे, उन्हें भी बंदरगाहों पर उतार दिया गया है।

पाकिस्तान के फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एफबीआर) के आदेश के मुताबिक, क्वेटा और पेशावर के कस्टम स्टेशन अब अतिरिक्त कंटेनरों को संभालने की स्थिति में नहीं हैं। सभी अफगान ट्रांजिट गेट पास रद्द कर दिए गए हैं और नए कंटेनरों की ढुलाई रोक दी गई है। अफगानिस्तान समुद्र से दूर है और अपने व्यापार के लिए पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करता है। अफगान ट्रांजिट ट्रेड के तहत कराची से रोजाना सैकड़ों ट्रक अफगानिस्तान की ओर रवाना होते थे।

पाक- तालिबान में 48 घंटे का सीजफायर

पाकिस्तान और तालिबान में बीते एक हफ्ते से जारी संघर्ष के बाद बुधवार शाम 48 घंटे के लिए सीजफायर पर सहमति बनी। बुधवार को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल समेत कंधार के स्पिन बोल्डक में हवाई हमले किए।

इन हमलों में लगभग 15 लोग मारे गए, जबकि 100 से ज्यादा घायल हुए। जवाब में तालिबान ने भी पाकिस्तान के पेशावर में ड्रोन अटैक किया।

पश्चिमी नेपाल में आया 4.9 तीव्रता का भूकंप

फिलहाल नुकसान की खबर नहीं

काठमांडू, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में गुरुवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है।

हालांकि भूकंप के झटकों के चलते लोग घरों से बाहर निकल आए। पिछले महीने भी नेपाल में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह 1:08 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र बझांग जिले के दंतोला क्षेत्र में था। बझांग जिला काठमांडू से लगभग 475 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। पड़ोसी जिलों बाजुरा, बैतड़ी और दारचुला में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। बता दें कि नेपाल सबसे सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों (भूकंपीय क्षेत्र IV और V) में से एक में स्थित है, जो बेहद ही संवेदनशील इलाका है। यहां हर साल कई भूकंप आते हैं।

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है।

पाकिस्तानी सैनिकों की पैंट तक ले गए तालिबान लड़ाके

संघर्ष में जीत के तौर पर दिखाया, अफगान नागरिक बोले- पाक को मुंहतोड़ जवाब देंगे

काबुल/इस्लामाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान लड़ाके पाकिस्तान पर जीत का जश्न मना रहे हैं। बीबीसी के पत्रकार दाउद जुनबिश ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की जिसमें तालिबान लड़ाके पाक सैनिकों की पैंट और हथियार बीच चौराहे पर दिखाते नजर आए।

जुनबिश ने बताया कि तालिबान के जवाबी हमले के बाद कुछ पाकिस्तानी सैनिक डूरंड रेखा के पास अपनी सैन्य चौकियों को छोड़कर भाग गए थे। तालिबान लड़ाकों ने इन चौकियों से पैंट और हथियार जब्त किए और इन्हें जीत की निशानी के तौर पर पेश किया।

वहीं, पाकिस्तान के हमले के बाद अफगानी लोग लड़ाकों के साथ एकजुट हो गए हैं। कंधार निवासी व्यक्ति ने टोलो न्यूज से कहा, 'जरूरत पड़ी तो हम भी

मुजाहिदीन और इस्लामिक एमिरेट की सेना के साथ मैदान में उतरेंगे। उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे। सभी लोग पाकिस्तान के खिलाफ उनके साथ खड़े हैं।'

अफगानिस्तान ने बॉर्डर पर टैंक भेजे थे

पाकिस्तानी हवाई हमलों में बुधवार को काबुल और कंधार में 15 अफगान नागरिक मारे गए और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे। जिसके बाद अफगानिस्तान ने बॉर्डर पर टैंक भेजे थे।

इससे पहले पाकिस्तान सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार रात को झड़पें हुई थीं। अफगानिस्तान के तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि आज सुबह पाकिस्तानी सेना ने कंधार के स्पिन बोल्डक इलाके में हमला किया।

पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग (आइएसपीआर) ने कहा था कि सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान बॉर्डर पर अफगान तालिबान के हमले को नाकाम कर दिया, जिसमें तालिबान के लगभग 15 से 20 मेंबर मारे गए।

पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच 8 अक्टूबर से जारी संघर्ष के बाद बुधवार शाम को 48 घंटे के लिए सीजफायर हुआ था। यह संघर्ष पिछले हफ्ते शुरू हुआ जब इस्लामाबाद ने काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हमला किया। अफगान लोग पाकिस्तान को सीमा विवाद और हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

दोनों देशों के बीच विवाद की जड़ है डूरंड लाइन, जो ब्रिटिश काल में भारत और अफगानिस्तान के बीच खींची गई थी। यह दोनों देशों की पारंपरिक जमीन को बांटती है और दोनों तरफ के पठान इसे कभी स्वीकार नहीं करते।

दीपावली पर सैलरी दिला दीजिए लिखकर टीचर ने खाया जहर

सिद्धार्थनगर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिद्धार्थनगर में एक सरकारी शिक्षक ने खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) की प्रताड़ना से तंग आकर जहर खा लिया। उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

शिक्षक ने बीईओ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके साथ हुई वॉट्सऐप चैट सार्वजनिक करते हुए कहा- पिछले कई महीनों से इटवा के खंड शिक्षा अधिकारी उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। दो महीने की सैलरी रोक रखी है। कई बार उच्च अधिकारियों से शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई।

शिक्षक के साथियों ने बताया- वेतन रोके जाने के कारण पिछले काफी दिनों से आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। इसी के चलते बुधवार रात 8 बजे उन्होंने जहर खा लिया। मामला इटवा कोतवाली क्षेत्र का है। पूरा मामला सिद्धार्थनगर के इटवा विकासखंड का है। यहां के प्राथमिक विद्यालय भदोखर भदोखरी में शिक्षक शौकेंद्र गौतम 3 सितंबर, 2016 से तैनात हैं। बुधवार रात खंड शिक्षा अधिकारी की प्रताड़ना से तंग आकर उन्होंने जहर खा लिया। वह गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं, जो बागपत में रहते हैं। शौकेंद्र किराए के कमरे में सिद्धार्थनगर में अपने साथियों के साथ रहते हैं।

खंड शिक्षा अधिकारी पर आरोप है कि वह उन्हें भनवापुर, डुमरियागंज और इटवा बुलाकर रजिस्टर, बच्चों के आधार कार्ड और ऑनलाइन कार्यों को लेकर अनावश्यक दबाव डाल रहे थे। साथ ही उनके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के गंभीर आरोप हैं। घटना की सूचना मिलते ही बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार स्वयं मेडिकल कॉलेज पहुंचे।

तुर्की को एफ-35 तो क्या सऊदी एफ-16 से मान जाएगा?

लड़ाकू विमान खरीद पर फंस सकता है ट्रंप और एमबीएस में पेच, दोस्ती में आएगी दरार

रियाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस साल मई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब का दौरा किया था। इस दौरान सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से उनकी जिन विषयों पर चर्चा हुई, उनमें एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की बिक्री शामिल बताई गई। हालांकि रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने का दावा करने के बावजूद वॉशिंगटन लड़ाकू विमान देने से पलट सकता है। अमेरिका की ओर से सऊदी को एफ-35 की जगह एफ-16 का ऑफर दिया जा सकता है। हालांकि सवाल यह है कि सऊदी अरब कम उन्नत लड़ाकू विमानों को क्यों स्वीकार करेगा। सऊदी इसलिए भी कड़ा रुख अपना सकता है क्योंकि

डोनाल्ड ट्रंप की तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से 25 सितंबर को वाइट हाउस में हुई मुलाकात के बाद अंकारा को एफ-35 फाइटर जेट मिलने की चर्चा है।

आवाज मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब में एफ-35 विमानों की खरीद की संभावना पर चर्चा हुई थी। हालांकि वाइट हाउस की फैक्टशीट में लड़ाकू विमानों का जिक्र नहीं था। इसमें केवल वायु सेना की उन्नति और अंतरिक्ष क्षमताओं के साथ वायु और मिसाइल रक्षा का अस्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया था, जो 142 अरब अमेरिकी डॉलर के सौदे का हिस्सा थे। ऐसे में यह मुद्दा सऊदी-अमेरिका जैसे पुराने दोस्तों में तनातनी की वजह भी बन सकता है। इस क्षेत्र में फिलहाल इजरायल अकेला एफ-35 ऑपरेटर है। वॉशिंगटन कानूनी रूप से पड़ोसियों की तुलना में इजरायल की सैन्य बढ़त को बनाए रखने को बाध्य है। यह बाध्यता सऊदी अरब को एफ-35 विमानों की किसी भी संभावित बिक्री को जटिल बनाता है।

पेरिस समझौते का भारत को बड़ा फायदा

भीषण गर्मी के बीच कितनी राहत मिलेगी?

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरिस समझौता जलवायु परिवर्तन पर एक कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसको 10 साल पूरे होने जा रहे हैं। पेरिस समझौते का भारत एक प्रमुख हस्ताक्षरकर्ता है। ऐसे में एक अध्ययन से पता चला है कि पेरिस समझौता भारत को हर साल 30 कम गर्म दिन देखने में मदद कर सकता है।

गुरुवार (16 अक्तूबर) को प्रकाशित एक नए अध्ययन के अनुसार अगर भारत 2015 के पेरिस समझौते के तहत उत्सर्जन में कटौती के अपने वादों को पूरा करता है और इस सदी में वैश्विक तापमान वृद्धि को 2.6 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखता है, तो भारत हर साल 30 कम

अत्यधिक गर्म दिन देख सकता है, जबकि दुनिया औसतन 57 ऐसे दिनों से बच सकती है।

क्लाइमेट सेंट्रल और वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन द्वारा किए गए विश्लेषण में कहा गया है कि वैश्विक समझौता, जिसके इस साल 10 साल पूरे हो रहे हैं, दुनिया को एक सुरक्षित जलवायु की ओर ले जा रहा है, लेकिन यह भी चेतावनी दी गई है कि कार्रवाई की वर्तमान गति पर्याप्त नहीं है।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि 2.6 डिग्री सेल्सियस पर भी, अगर देश जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की दिशा में तेजी से कदम नहीं उठाते, तो आने वाली पीढ़ियों को खतरनाक गर्मी, गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों और बढ़ती असमानता का सामना करना पड़ेगा। अध्ययन में पाया गया कि 4 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि पर, जो कि पेरिस समझौते से पहले वैज्ञानिकों द्वारा अनुमानित स्तर था, इससे दुनिया को प्रति वर्ष औसतन 114 गर्म दिनों का सामना करना पड़ेगा।

अगर देश अपने मौजूदा वादों को पूरा करते हैं और तापमान वृद्धि को 2.6 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखते हैं, तो यह संख्या सालाना 57 दिन कम हो सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, भारत में साल में 30 दिन कम गर्म दिन हो सकते हैं, जबकि केन्या में 82, मैक्सिको में 77, ब्राजील में 69, मिस्र में 36 और अमेरिका 30 और ब्रिटेन में 29 दिन कम हो सकते हैं। इंपीरियल कॉलेज लंदन में जलवायु विज्ञान के प्रोफेसर फ्रेडरिक ओटो ने कहा, पेरिस समझौता एक शक्तिशाली, कानूनी रूप से बाध्यकारी ढांचा है, जो हमें जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर प्रभावों से बचने में मदद कर सकता है। हालांकि, देशों को तेल, गैस और कोयले से दूर जाने के लिए और अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

क्या मान गए सहनी, पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कैंसिल

इससे पहले 2 बार पीसी का समय बढ़ाया वीआइपी नेता बोले- सीटों को लेकर बातचीत जारी

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान जारी है। मुकेश सहनी सीट बंटवारे से खुश नहीं हैं। वे 8 सीटों पर अड़े हुए हैं, लेकिन ये सीटें उन्हें कौन देगा ये साफ नहीं हो पा रहा है।

मुकेश सहनी ने शाम 6 बजे जो प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई थी उसे कैंसिल कर दिया गया है। पहले ये प्रेस कॉन्फ्रेंस 12 बजे बुलाई गई थी। इसके बाद इसका समय बढ़ाकर शाम 4 बजे कर दिया गया। अब इसे इसका समय शाम 6 बजे किया गया था।

इन सबके बीच वीआइपी प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार मीडिया के बीच आए और कहा- 'सीटों को लेकर मामला फंसा हुआ है। नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं। आशा करते हैं कि महागठबंधन में सब ठीक होगा। जल्दी ही हमारे नेता सामने आकर आपको सभी बातों की जानकारी देंगे। अभी बातचीत चल रही है।'

बताया जा रहा था कि मुकेश सहनी अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में आज बड़ा ऐलान कर सकते हैं। इधर, प्रेस कॉन्फ्रेंस के ऐलान के बाद दिल्ली से राहुल गांधी ने सहनी से बात की है। उन्हें मनाने की कोशिश जारी है। सूत्र बताते हैं कि इसी बातचीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस का टाइम बढ़ते जा रहा है। उनकी डिमांड को लेकर बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की जा रही है।

इधर, दिल्ली में आरजेडी के सीनियर लीडर्स भी खड़गे से मिलने पहुंचे। महागठबंधन में चल रही खींचतान का फॉर्मूला निकालने की कोशिश की गई। सहनी को कैसे सेट किया जाएगा इस पर भी बातचीत हुई।

जमीनी विवाद में महिला से मारपीट

सारण में सात लोगों पर एफआईआर दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

सारण, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सारण जिले के तरैया थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता कुंती देवी ने गुरुवार को थाने में सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायत में कुंती देवी ने बताया कि पहले से चल रहे जमीन विवाद को लेकर आरोपी पक्ष के लोग उनसे गाली-गलौज कर रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो उन पर हमला कर दिया गया, जिससे वे घायल हो गईं। दर्ज प्राथमिकी में सोना देवी, राजेंद्र महतो, नीरज महतो, धीरज महतो, सीटू कुमार महतो, पंकज कुमार महतो और रूपा देवी के नाम शामिल हैं।

अमेरिकी वीजा बुलेटिन जारी, ग्रीन कार्ड में आगे बढ़ी फैमिली कैटेगरी लाइन

भारतीयों को मिली राहत या होगी मुश्किल

वॉशिंगटन, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही विदेश विभाग ने नवंबर 2025 का वीजा बुलेटिन जारी कर दिया है। इसमें अप्रवासी वीजा उपलब्धता और स्थिति समायोजन (एओएस) के लिए आवेदन करने की नई तारीखों की जानकारी दी गई है। अमेरिकी वीजा चाहने वाले भारतीयों के लिए यह बुलेटिन पारिवारिक वीजा आवेदन नियमों में मामूली बदलाव और काफी हद तक स्थिर रोजगार वरीयताओं को दर्शाता है।

यूएस सिटिजनशिप और इमिग्रेशन सर्विस (यूएससीआइएस) ने घोषणा की है कि नवंबर के लिए रोजगार-आधारित (ईबी) आवेदकों को आवेदन पत्र भरने की तारीख का चार्ट का उपयोग करना चाहिए। इससे पात्र आवेदकों को यह स्पष्ट हो जाएगा कि वे अपना एओएस आवेदन कब दाखिल कर सकते हैं। भले ही वीजा अभी उपलब्ध ना हो।

ईबी-1 (प्राथमिकता प्राप्त कर्मचारी) में भारत के लिए ईबी-1 में तीव्र गिरावट देखी गई है। इसमें अंतिम कार्रवाई तारीख को 1 फ़रवरी 2022 तक बढ़ा दिया गया।ईबी-2 (उन्नत डिग्री / असाधारण योग्यता) में अंतिम कार्रवाई की तिथि 1 अक्टूबर 2012 से आगे बढ़कर 15 अक्टूबर 2012 कर दी गई है। हालांकि आवेदन दाखिल करने की तिथि 01 जनवरी 2013 ही रहेगी। ईबी-3 (कुशल श्रमिक/पेशेवर) और अन्य श्रमिक की दोनों श्रेणियों की अंतिम कार्रवाई तिथि अब 15 दिसंबर 2012 है, जो 01 दिसंबर 2012 से बढ़कर मामूली वृद्धि है। ईबी-5 (अनारक्षित) में प्राथमिकता तिथि 01 जनवरी 2022 निर्धारित की गई है। यह भारत से निवेशक-आधारित आव्रजन आवेदकों के लिए कुछ छूट प्रदान करती है।

ईबी की ज्यादातर श्रेणियों में भारत के लिए स्थिर अंतिम कार्रवाई की तारीख निरंतर अति-आवेदन और आपूर्ति से अधिक मांग को दिखाती है। एफ-1 (अमेरिकी नागरिकों के अविवाहित पुत्र/पुत्रियां) में भारत के लिए आवेदन-पत्र दाखिल करने की तारीख अपरिवर्तित है। एफ-2ए (स्थायी निवासियों के पति/पत्नी और बच्चे) के आवेदन-पत्र दाखिल करने की तारीख बढ़कर 22 अक्टूबर, 2025 हो गई हैं।

रोजगार श्रेणियों में निरंतर अधिक आवेदन का अर्थ है कि भारतीयों को पुरानी प्राथमिकता तिथियों और धैर्य पर निर्भर रहना होगा। ईबी-1 या ईबी-2 में तत्काल कोई राहत नहीं दी जाती है।

सीएम भजनलाल ने मुआवजे की घोषणा की

मृतक आश्रितों को मिलेंगे 10-10 लाख रुपए

जयपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर से जोधपुर आ रही एसी स्लीपर बस में आग लगने से हुई दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के आश्रितों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। सीएम भजनलाल ने कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार मृतकों के परिजनों के साथ खड़ी है। उन्हें पूरी मदद देने और घायलों के हरसंभव उपचार के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

मृतक आश्रितों को 10-10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

सीएम भजनलाल ने कहा कि जैसलमेर बस हादसों के मृतकों के आश्रितों को 10-10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। जिन परिवारों में 3 या अधिक लोगों की मृत्यु इस दुर्घटना में हुई है, उन परिवारों को 25-25 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। गम्भीर घायलों को 2-2 लाख रुपए एवं अन्य घायलों को 1-1 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। सीएम भजनलाल ने मुख्यमंत्री सहायता कोष नियमों में शिथिलता देते हुए यह स्वीकृति प्रदान की है।

पीएम मोदी ने भी मदद की घोषणा

राजस्थान सरकार के इस बड़ी घोषणा से पूर्व, पीएम नरेंद्र मोदी ने 14 अक्टूबर, 2025 की देर रात ही हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया था। पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) ने ट्वीट कर आर्थिक सहायता की घोषणा की थी। पीएमएनआरएफ की ओर से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की सहायता देने का ऐलान किा गया था।

पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में कहा था कि वह इस हादसे से बेहद दुखी हैं और मुश्किल की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। उन्होंने घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना भी की थी।

मृतकों की संख्या 22 पहुंची, परिजनों को शव सौंपने की प्रक्रिया शुरू

जोधपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। जैसलमेर बस हादसे में लगातार नए अपडेट आ रहे हैं। जैसलमेर बस हादसे में 90 फीसद तक गंभीर रूप में झुलसी महिला बागा देवी ने दम तोड़ दिया। जिसके बाद मृतकों की संख्या अब 22 हो गई है। 4 व्यक्ति अभी भी वेंटिलेटर पर हैं। एफएसएल ने 19 अज्ञात मृतकों के नमूने व शवों की पहचान के लिए उनके परिजन के रक्त नमूने लिए थे। एफएसएल की टीम ने पूरी रात कार्य कर 16 अक्टूबर की सुबह 7 बजे तक 18 शवों की शिनाख्त कर दी गई। एक शव की पहचान परिजनों के रक्त नमूनों के अभाव में नहीं की जा सकी। इसके साथ ही डीएनए परीक्षण व पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

परिजनों को शव सौंपने की प्रक्रिया शुरू

जैसलमेर बस हादसे में मृतकों की संख्या अब तक 22 हो गई है। इसके साथ ही जिला प्रशासन ने डीएनए परीक्षण व पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

प्रशासन के अनुसार यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक शव को पूर्ण सम्मान और संवेदनशीलता के साथ उनके पैतृक गांव या निवास स्थान तक पहुंचाया जाए।

प्रत्येक एम्बुलेंस के साथ एक सरकारी कर्मचारी और एक पुलिस कांस्टेबल को भेजा जा रहा है, ताकि मार्ग में किसी प्रकार की असुविधा या परेशानी न हो।

जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि इस कठिन समय में हर परिजन को हरसंभव सहयोग और सहायता मिले। जोधपुर और जैसलमेर दोनों जिलों की टीमें निरंतर संपर्क और समन्वय में कार्यरत हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर सहयोग मिल सके।

एम्स और एमजीएच में रखे शवों की स्थिति

डीएनए परीक्षण रिपोर्ट के बाद 9 शव एम्स हॉस्पिटल और 9 शव महात्मा गांधी हॉस्पिटल (एमजीएच) जोधपुर में रखे गए हैं। इनकी पहचान हो चुकी है।

एक शव की अब तक पहचान नहीं

कुल 19 शवों में से एक शव की अब तक पहचान नहीं हो पाई है, जो एम्स हॉस्पिटल में रखा हुआ है।

बस हादसे की जांच के लिए बनाई कमेटी

परिवहन आयुक्त शुचि त्यागी ने बताया कि हादसे की जांच के लिए अतिरिक्त आयुक्त ओपी बुनकर की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है।

कमेटी में जयपुर आरटीओ द्वितीय धमेन्द्र चौधरी, परिवहन निरीक्षक नवनीत बाठहड़, रोडवेज के ईडी इंजीनियरिंग रवि सोनी सहित जोधपुर रोडवेज अधिकारी को शामिल किया गया है।

गहलोत को निशाने पर लेते हुए बोले मदन दिलावर

ऐसा निष्ठुर जनप्रतिनिधि आज तक नहीं देखा

जोधपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जोधपुर के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने उन्हें निशाने पर लिया है। सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत ने निष्ठुरता की सारी सीमाएं लांघ दी हैं।

मदन दिलावर ने बताया कि बीते भीषण हादसे के दौरान माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे, संबंधित लोगों से बातचीत की और ग्रीन कॉरिडोर बनाकर सभी मरीजों को अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने सभी चिकित्सा विभाग के अधिकारियों और डॉक्टरों को निर्देश दिए कि सभी मरीजों को सर्वोत्तम इलाज मिले।

मदन दिलावर ने कहा कि मुझे दुख इस बात का है कि इतने बड़े हादसे के बाद भी अशोक गहलोत जी राजनीति में लगे रहे, जबकि इस समय लोगों को सांत्वना और समर्थन देने की आवश्यकता थी। मैंने ऐसा निष्ठुरता दिखाने वाला जनप्रतिनिधि और पूर्व मुख्यमंत्री नहीं देखा।

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में उनका सारा ध्यान अस्पताल में भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य पर है और उन्हें जल्द स्वस्थ करके उनके घर भेजा जाएगा। साथ ही प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

अंता चुनाव में उम्मीदवार घोषित न किए जाने के सवाल पर मदन दिलावर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी उचित समय पर उम्मीदवार घोषित करेगी और अंता में पार्टी की जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा प्रभावित लोगों के साथ खड़ी रही है और इस बार भी ऐसा ही किया जाएगा।

फआईआर के जांच अधिकारी ने मांगी रिश्वत

कोतवाली थाने का एएसआई 1.30 लाख लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

अलवर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने कोतवाली थाने के सहायक उपनिरीक्षक कन्हैयालाल और उसके दलाल मजलिस को 1 लाख 30 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

महानिदेशक एसीबी श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव के अनुसार शिकायत मिली थी कि परिवादी के खिलाफ दर्ज एफआईआर में अनुसंधान अधिकारी कन्हैयालाल अपने दलाल के माध्यम से 1 लाख 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर परिवादी को परेशान कर रहा था।

14 अक्टूबर को शिकायत का सत्यापन किया गया, जिसमें दलाल ने आरोपी की उपस्थिति में 1,30,000 रुपये की मांग की और परिवादी से लेने का प्रयास किया। इसके बाद 15 अक्टूबर को एसीबी अलवर प्रथम ने ट्रेप कार्रवाई कर दोनों आरोपियों को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। रिश्वत की राशि आरोपी के अनुसंधान कक्ष में रखी टेबल की दराज से बरामद की गई।

एसीबी अलवर प्रथम ने राजेश सिंह, उप महानिरीक्षक पुलिस प्रथम के सुपरविजन और प्रभारी महेंद्र कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में कार्रवाई को अंजाम दिया। आरोपी से पूछताछ और कार्रवाई अभी जारी है। एसीबी ने मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे अनुसंधान शुरू कर दिया है।

स्कॉर्पियो-ट्रेलर में आमने-सामने की भिड़ंत

4 व्यक्तियों की जिंदा जलने से दर्दनाक मौत, एक गंभीर घायल

बाड़मेर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सड़क हादसों का सिलसिला थम नहीं है। बालोतरा में आज सुबह-सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। बालोतरा में ट्रेलर-स्कॉर्पियो की आमने-सामने की भीषण टक्कर में 4 व्यक्तियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। साथ ही एक गंभीर रुप से घायल को जोधपुर रेफर किया गया है। ये सभी सिणधरी (बालोतरा) से गुड़ामालानी (बाडमेर) जा रहे थे। सभी गुड़ामालानी के डाभड़ के निवासी है।

आमने-सामने की टक्कर के बाद लगी आग

जानकारी के मुताबिक गुड़ामालानी के डाबड़ गांव के 5 दोस्त स्कॉर्पियो में सवार होकर सिणधरी आए थे। यहां एक होटल में खाना खाने के बाद वे रात को वापस लौट रहे थे। सड़ा सरहद क्षेत्र में सामने से आ रहे ट्रेलर से जोरदार टक्कर हुई। टक्कर के तुरंत बाद दोनों वाहनों में आग भड़क उठी।

ट्रेलर चालक ने स्कॉर्पियो के चालक को बाहर निकाला

ट्रेलर चालक ने जान जोखिम में डालते हुए स्कॉर्पियो के चालक को बाहर खींचने की कोशिश की और एक युवक को बचाने में सफल रहा। इसी दौरान आस-पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। घायल युवक को सिणधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में उसे जोधपुर रेफर किया गया।

जलने से चारों के शवों की पहचान संभव नहीं, डीएनए जांच होगी

आग इतनी विकराल थी कि स्कॉर्पियो के दरवाजे जाम हो गए और चार युवक भीतर ही फंस गए। कुछ ही मिनटों में वाहन आग के गोले में तब्दील हो गया। चारों के शव पूरी तरह जल जाने से पहचान संभव नहीं हो पाई है। डीएनए जांच के बाद ही पहचान की प्रक्रिया होगी।

दीपावली से पहले कंज्यूमर केयर अभियान में बड़ी कार्रवाई

86 फर्मों पर जुर्माना, सात फर्मों के कांटे जब्त

जयपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली से पहले उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा को लेकर उपभोक्ता मामले विभाग ने प्रदेशभर में कंज्यूमर केयर अभियान के तहत सख्त कार्रवाई की है। अभियान के तीसरे दिन विधिक मापविज्ञान अधिनियम-2009 और डिब्बाबंद वस्तुएं नियम-2011 के अंतर्गत कुल 86 फर्मों पर निरीक्षण कार्रवाई की गई। इनमें से 58 फर्मों में अनियमितताएं पाई गईं, जिन पर मौके पर ही 1 लाख 42 हजार 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया। वहीं, 7 फर्मों के कांटे जब्त किए गए। विभागीय टीमों ने बताया कि कई दुकानों में सत्यापित बाट-माप और प्रमाण पत्र नहीं पाए गए, जबकि कुछ फर्मों ने डिब्बाबंद वस्तुओं पर आवश्यक जानकारी प्रदर्शित नहीं की थी। सभी दोषी फर्मों को नोटिस जारी कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। अब तक 13 अक्टूबर से शुरू हुए अभियान के दौरान कुल 274 फर्मों पर निरीक्षण किया जा चुका है। इनमें से 197 फर्मों पर नियमों के उल्लंघन के प्रकरण दर्ज कर कुल 5 लाख 20 हजार 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। विभाग के अनुसार, यह अभियान 19 अक्टूबर तक लगातार जारी रहेगा। इसका उद्देश्य व्यापारियों को सही माप-तौल और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रेरित करना है, ताकि उपभोक्ताओं को वस्तुओं और सेवाओं की उचित मात्रा व मानक प्राप्त हों।

जर्जर स्कूलों को लेकर हाईकोर्ट सख्त

पूछा- 5 लाख रुपए में कैसे होगी मरम्मत?

जयपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की जर्जर स्कूलों को लेकर फिर सख्ती दिखाई। कोर्ट ने स्कूलों के हालात सुधारने पर जोर देते हुए मौखिक टिप्पणी की कि पैसा अब दिया जा रहा है, काम कब होगा। बच्चों की आवश्यकता आज है कल तक इंतजार नहीं कर सकते। पांच लाख रुपए मरम्मत के लिए दिए जा रहे हैं, यह तो रंग-सफेदी में ही खर्च हो जाएंगे। काम कागजों में नहीं, धरातल पर उतरना चाहिए। कोर्ट ने इस कार्य की मॉनिटरिंग के लिए स्वतंत्र बॉडी बनाने की मंशा जाहिर करते हुए सभी पक्षों से इसके लिए सुझाव देने को कहा।

अब 31 अ€क्टूबर को होगी सुनवाई

साथ ही कहा कि राजस्थान सरकार स्कूल मरम्मत व बजट के सम्बंध में विस्तृत योजना पेश करे। अब सुनवाई 31 अ€क्टूबर को होगी। न्यायाधीश महेन्द्र कुमार गोयल और न्यायाधीश अशोक कुमार जैन की विशेष खंडपीठ ने झालावाड़ स्कूल हादसे को लेकर स्वप्रेरणा से दर्ज याचिका पर सुनवाई की। राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र पेश कर जर्जर स्कूलों की मरम्मत के बजट की जानकारी दी।

जरूरत पड़ेगी तो और बजट जारी किया जाएगा - महाधिव€ता

महाधिव€ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि अधिक जर्जर स्कूलों की मरम्मत आगामी मार्च तक पूरा हो जाएगी और शेष कार्य अगले साल नवम्बर तक पूरा हो जाएगा। मरम्मत के लिए केन्द्र सरकार से भी पैसा आने वाला है। इस पर कोर्ट ने टिप्पणी की, लगता है बिना परीक्षण फौरी तौर पर मरम्मत का बजट तय किया है। इसके जवाब में महाधिव€ता ने कहा कि जरूरत पड़ेगी तो और बजट जारी कर दिया जाएगा।

हादसे ठेकेदार की गलती से होते हैं...

कोर्ट ने टिप्पणी की कि ठेकेदार की गलती से हादसे होते हैं। ऐसे में निरीक्षण सार्वजनिक निर्माण विभाग के बजाय स्वतंत्र एजेंसी से कराया जाना चाहिए। धरातल पर काम दिखाई नहीं दे रहा। आज भी स्कूल टीन शेड के नीचे चल रहे हैं। सभी जिलों में कार्य की ग्रेडिंग कर प्राथमिकता तय की जाए। फिलहाल हमारा बच्चों की सुरक्षा पर फोकस है। प्राइवेट और सभी स्कूलों में आग से बचाव सहित अन्य स्थितियों के बारे में सर्टिफिकेट लिया जाना चाहिए।

महाधिव€ता ने स्कूलों में सुधार का रोडमैप बताने के लिए समय मांगा, वहीं कहा कि स्वतंत्र एजेंसी से निरीक्षण कराने के संबंध में सरकार से निर्देश लेने पड़ेंगे। इस पर कोर्ट ने सुनवाई 31 अ€टूबर तक टाल दी।

ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट में हुई 5 लाख की ठगी तो महिला ने उठाया खौफनाक कदम

कोटा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोटा के कैथूनीपोल थाना क्षेत्र में महिला ने ऑनलाइन निवेश में पांच लाख रुपए गंवाने के बाद परेशान होकर खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान ऊषा वर्मा (40) के रूप में हुई है।

परिजनों का कहना है कि ऊषा ऑनलाइन निवेश से जुड़े धोखाधड़ी के जाल में फंस गई थी जिससे मानसिक तनाव में उसने यह कदम उठाया। जानकारी के अनुसार ऊषा के पति हरीश वर्मा एक निजी स्कूल में शिक्षक हैं जबकि ऊषा गृहणी थी।

हरीश के मुताबिक ऊषा ने शुरुआत में 8 से 10 हजार रुपए एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश किए थे जिसके बदले उसे तीन गुना राशि वापस मिली। लाभ देखकर उसने धीरे-धीरे निवेश बढ़ाया और कुल करीब 5 लाख रुपए निवेश कर दिए। कुछ समय बाद ठगों ने उसे ब्लॉक कर दिया जिससे वह मानसिक रूप से टूट गई।

कमरे में अचेत मिलने पर परिजनों ने उसे एमबीएस अस्पताल में भर्ती कराया जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर कैथूनीपोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया गया।

सीआइ पुष्पेन्द्र बंसीवाल ने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया है लेकिन मामला आत्महत्या का है। ऐसे में पुलिस ने मृग में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रॉपर्टी कारोबारी को मौत के घाट उतारा

6 फीट गहरे गड्ढे में दफनाया शव, पांच गिरफ्तार

अजमेर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या के एक सनसनीखेज मामले में कारोबारी को उसके ही दोस्तों ने मौत के घाट उतार दिया और उसकी लाश को ठिकाने लगाने के लिए 6 फीट गड्ढा खोदकर उसे मिट्टी में दफना दिया। मृतक नागौर के हरसौर निवासी लेखराज रैगर (45) है, जो अजमेर में प्रॉपर्टी का काम करता था और बीती 13 अक्टूबर से लापता था। 15 अक्टूबर की रात पुलिस ने केसरपुरा गांव के जंगलों में जेसीबी से खुदाई कर उसका शव बरामद किया।

लेखराज के बेटे पार्थ ने अजमेर के क्रिश्चियनगंज थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि उसके पिता 13 अक्टूबर को अपने दोस्त श्याम सिंह रावत का जन्मदिन मनाने के लिए मधुसूदन के घर जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन रात तक घर नहीं लौटे। उनकी बाइक जनाना अस्पताल रोड पर लावारिस हालत में मिली। इसके बाद परिवार ने अनहोनी की आशंका जताई।

पुलिस ने जांच के दौरान एक युवक को पकड़ा और पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर मायापुर गांव के चार और युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि लेखराज की हत्या प्रॉपर्टी विवाद के चलते की गई थी। आरोपी श्याम सिंह रावत जमीन के सौदे को लेकर लेखराज पर दबाव बना रहा था, लेकिन लेखराज ने जमीन बेचने से इंकार कर दिया। इससे श्याम सिंह रावत ने रंजिश पाल ली और अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रच डाली। क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने आरोपी श्याम सिंह रावत (31) पुत्र हरिसिंह रावत, बीरम सिंह रावत (29) पुत्र उगमसिंह रावत, छगन सिंह रावत (33) पुत्र शैतान सिंह रावत, नरेश रावत (19) पुत्र कचरू सिंह और विमल सिंह रावत (21) पुत्र भागचंद रावत को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की निशानदेही पर केसरपुरा डूंगरी इलाके में जेसीबी मशीन से खुदाई की गई। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद लेखराज का शव मिट्टी से निकाला गया। सूचना मिलते ही सीओ नॉर्थ रूद्र प्रकाश सहित पांच थाना प्रभारी और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए हैं।

सांप के काटने से भाई-बहन की मौत

धौलपुर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। धौलपुर शहर के नजदीक कोतवाली थाना क्षेत्र के गांव भैंसेना का पुरा सर्प के काटने की भयावह घटना में बदल गया। कमरे में सो रहे भाई-बहन चंद्रभान पुत्र अजमेर सिंह लोधी के बेटे और बेटी, जिनकी उम्र क्रमशः 5 और 13 साल थी, सर्प के काटने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गए। बता दें कि परिजन उन्हें तुरंत ग्वालियर स्थित अस्पताल ले गए। लेकिन रात तीन बजे दोनों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार में मातम पसरा हुआ है। घर और गांव की महिलाएं एक दूसरे से लिपटकर चित्कार मारते हुए रोती हुई नजर आईं। बताते चलें, चंद्रभान के परिवार में अब दो बेटियां और एक बेटा बचा है। गांव वाले और पड़ोसी परिवार को सांत्वना देने पहुंचे। दीपावली से ठीक पहले हुए इस हादसे ने परिवार का चिराग बुझा दिया।

गांव के रामकिशन ने बताया कि बच्चा-बच्ची अपने कमरे में सो रहे थे, तभी सर्प ने हमला कर दिया। परिजन ने तुरंत उपचार के लिए ग्वालियर ले जाने की कोशिश की।

परिवार और गांव वाले इस हादसे से गहरे सदमे में हैं। पड़ोसियों ने बताया कि घर में मातम का माहौल है और महिलाएं लगातार रो रही हैं। लोग अपने छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंतित हैं।

मिलावट पर प्रशासन का वार, नागौर में घी और पतीसा सीज

नागौर, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली के त्योहार से पहले नागौर जिला प्रशासन ने खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप अग्रवाल ने दो प्रतिष्ठानों पर छापामारी की, जिसमें घी और पतीसा के नमूने लिए गए तथा बड़ी मात्रा में सामग्री सीज की गई। यह कार्रवाई आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, जयपुर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नागौर, डॉ. जुगल किशोर सैनी के निर्देश पर की गई। पहली कार्रवाई मैसर्स पवन रिपेकर, बड़ली रोड, नागौर पर की गई। यहां से अधिकारी ने 'मारवाड़ ब्रांड' के घी का नमूना लिया, जो बाजार में बिक्री के लिए रखा गया था। जांच के दौरान घी की लेबलिंग और गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया गया पाया गया, जिसके बाद लगभग 60 लीटर घी तत्काल सीज कर लिया गया।

अधिकारी अग्रवाल ने बताया कि घी का नमूना प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है और यदि मिलावट की पुष्टि होती है तो कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान घी की मिलावट स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकती है, इसलिए उपभोक्ताओं को सावधान रहना चाहिए। दूसरी छापामारी मैसर्स श्री कृष्णा मावा भंडार, पीएचईडी सर्किल, नागौर पर की गई। यहां 'गोपाल ब्रांड' का पतीसा बीकानेर निर्माण इकाई का पाया गया, लेकिन पैकिंग पर निर्माण तिथि, उपयोग की अंतिम तिथि और लॉट नंबर जैसी अनिवार्य जानकारी नहीं थी। एफएसएसएआई एक्ट का उल्लंघन स्पष्ट होने पर 2000 किलोग्राम पतीसा सीज किया गया और नमूने जांच के लिए भेजे गए। अधिकारी ने कहा कि ऐसी लेबलिंग में लापरवाही से शेल्फ लाइफ और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे उत्पाद उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को सीधा खतरा पहुंचा सकते हैं।

डॉ. जुगल किशोर सैनी ने कहा कि दीपावली खुशियों का त्योहार है, लेकिन मिलावटी मिठाइयां और घी लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान पूरे जिले में जारी रहेगा, जिसमें दुकानों, मिठाई भंडारों और खाद्य उत्पादन इकाइयों पर निगरानी बढ़ाई जा रही है।

कांग्रेस सरकार की अक्षमता के कारण ही सुप्रीम कोर्ट में 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण संबंधी एसएलपी खारिज : डॉ राव

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीसी आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा नेता डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला। डॉ. राव ने कहा कि 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण से संबंधित विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) का सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किया जाना राज्य सरकार की जल्दबाजी और अविवेकपूर्ण कदमों का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रणाली का सम्मान करने और उच्च न्यायालय में ठोस जवाब प्रस्तुत करने के बजाय, सरकार ने न्यायालयों को गुमराह करने का प्रयास किया और अपनी अक्षमता को स्वयं उजागर कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए भाजपा पर आरोप लगा रही है, जबकि भाजपा ने हर स्तर पर बीसी आरक्षणों के समर्थन में स्पष्ट रुख और निरंतर संघर्ष किया है। डॉ. राव ने कहा कि बीसी वर्गों के अधिकारों की रक्षा करना सरकार का प्रथम दायित्व है। इस दायित्व को नजरअंदाज कर भाजपा पर अनावश्यक हमले करना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के इतिहास में पहली बार स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत गणना की जा रही है, जो एक ऐतिहासिक कदम है। इसके विपरीत, सात दशकों से अधिक समय तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी बीसी समुदायों के विकास के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा सकी। यदि रेवंत रेड्डी सरकार वास्तव में बीसी विकास के प्रति ईमानदार है, तो उसे 42 प्रतिशत आरक्षण को कानूनी रूप से टिकाऊ बनाने और शिक्षा, रोजगार तथा स्थानीय निकाय चुनावों में लागू करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। डॉ. राव ने कहा कि हमारी प्रमुख मांग है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का तत्काल पालन किया जाए और उच्च न्यायालय में निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेज़ और प्रतिवेदन जमा किए जाएं। इसके साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र में समर्पित आयोग की रिपोर्ट, सिपेक सर्वे रिपोर्ट और न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी आयोग की रिपोर्ट को प्रस्तुत कर, जनमत संग्रह कराते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

मीनाक्षी नटराजन से मिली कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि, आज मैं एआईसीसी महासचिव मीनाक्षी नटराजन से मिलने आई हूं और हमारे पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ भी साथ थे। मैंने अपने विचार और समस्याएं उनके साथ साझा की और उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि हम मिलकर समाधान निकालेंगे। उन्होंने मुझे जो भी निर्देश दिए हैं, मैं उनके अनुसार आगे बढ़ूंगी। मैं अन्य बातों पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगी। मैं उनसे मिलने आई थी और जो कहना था, कह दिया।

पानी के टैंक में गिरने से 9 साल का बच्चा डूबा

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पहाड़ीशरीफ में बुधवार शाम एक निर्माणाधीन स्थल पर बारिश के पानी से भरे नाले में गिरने से नौ वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, वादी-ए-मुस्तफा निवासी गौस पाशा अपने तीन दोस्तों के साथ शाहीन नगर रोड स्थित एक खुली बाउंड्री के पास खेलने गया था। कुछ देर खेलने के बाद, वह अपने दोस्त के साथ एक पानी के हौद के पास बैठा, तभी उसका पैर फिसल गया और वह उसमें गिर गया। पहाड़ीशरीफ पुलिस ने बताया, गड्ढा लगभग 10 फीट गहरा था और बारिश के पानी से लबालब भरा हुआ था। लड़का गड्ढे में डूब गया और उसकी मौत हो गई। बाद में शव बरामद कर लिया गया। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस जांच कर रही है।

राजेंद्रनगर में बेटे ने माता-पिता पर किया हमला

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर में बुधवार रात रघुपाल रेड्डी ने पारिवारिक विवाद के चलते अपने माता-पिता, रविंदर और भारती, पर धारदार हथियार से हमला किया। रघुपाल मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था और कई महीनों से अपने माता-पिता से झगड़ा कर रहा था। पड़ोसियों ने घर से तेज आवाजें सुनकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि रविंदर और भारती खून से लथपथ थे। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने रघुपाल को हिरासत में लिया और बताया कि वह इलाजरत मानसिक स्वास्थ्य रोगी है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायुडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ श्रीशैलम के पवित्र मंदिर में श्री भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी का दर्शन पूजन किया। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी उपस्थित थे।

पुलिस फ्लैग डे के मौके पर थैलेसीमिया के मरीजों के लिए ब्लड डोनेशन कैंप

स्टूडेंट, महिला वॉलंटियर और पुलिस वालों ने कैंप में हिस्सा लिया

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस फ्लैग डे के मौके पर, सेंट्रल ज़ोन पुलिस के सैफाबाद डिवीजन ने आज शाह फंक्शन प्लाजा में एक ब्लड डोनेशन कैंप लगाया। इस पहल का मकसद थैलेसीमिया से पीड़ित मरीज़ों की मदद करना था, यह एक विरासत में मिली खून की बीमारी है जिसमें ज़िंदा रहने के लिए रेगुलर खून चढ़ाने की ज़रूरत होती है।

स्टूडेंट, आम लोग, महिला वॉलंटियर और पुलिस वालों समेत कुल 210 लोगों ने कैंप में पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। खास योगदान देने वालों में तपस्या कॉलेज और आईसीबीएम कॉलेज, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज (खैरताबाद) के स्टूडेंट और नामपल्ली और खैरताबाद के युवा, और एचडीएफसी बैंक, डीएचएल, श्रीराम लाइफ और आईमैक्स के स्टाफ मेंबर शामिल थे।

पुलिस अफ़सर एसीपी संजय, वेंकट रेड्डी, एसएचओ खैरताबाद, श्री नारायण रेड्डी, एसएचओ नामपल्ली, श्री सैदुलु, डीआई खैरताबाद, एसआई और सैफाबाद डिवीज़न के दूसरे स्टाफ़ ने भी इस नेक काम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर, थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी के चेयरमैन, चंद्रकांत ने थैलेसीमिया के मरीज़ों के लिए रेगुलर सुरक्षित खून की उपलब्धता की बहुत जरूरत पर जोर दिया, जिन्हें ज़िंदा रहने के लिए लगभग हर 15 दिन में खून चढ़ाने की ज़रूरत होती है। डीसीपी सेंट्रल जोन, श्रीमती शिल्पावल्ली ने ज़ोर देकर कहा कि थैलेसीमिया एक ऐसी बीमारी है जिसे जागरूकता और समय पर शादी से पहले स्क्रीनिंग से रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि जब दोनों पार्टनर थैलेसीमिया माइनर कैरियर होते हैं, तो 25 प्रतिशत संभावना होती है कि उनका बच्चा थैलेसीमिया मेजर के साथ पैदा हो सकता है, जिससे ज़िंदगी भर मेडिकल दिक्कतें आ सकती हैं। इसलिए, दो कैरियर के बीच शादी से बचना और जेनेटिक काउंसलिंग को बढ़ावा देना बचाव के जरूरी उपाय हैं। डीसीपी ने आगे लोगों, खासकर युवाओं से, अपनी मर्ज़ी से खून देने के लिए आगे आने और थैलेसीमिया को रोकने और प्रभावित मरीज़ों की मदद करने के लिए जागरूकता कैंपेन में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने की अपील की।

रेलवे का विकास कई मोर्चों पर : अश्विनी वैष्णव

65 रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधा को देश को समर्पित

नई दिल्ली/हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेल, सूचना और प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने आज खातीपुरा रेलवे स्टेशन का दौरा किया और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और राजस्थान में आधुनिक, कुशल रेलवे सेवाएं देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण पहलों का अनावरण किया।

ये पहल राज्य के रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को बदलने और यात्रियों के लिए यात्रा के पूरे अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक और कदम है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुलार श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राजस्थान के

65 रेलवे स्टेशनों पर पूरे हुए यात्री सुविधाओं के कामों को समर्पित किया- जिसमें रामसर, सिवानी, लूनी, तीर्थराजपुर और भगतकी कोठी जैसे स्टेशन शामिल हैं। इन अपग्रेड में बेहतर वेटिंग एरिया, बेहतर लाइटिंग, बेहतर सफाई सुविधाएं, बैठने की जगह, साइनेज और एक्सेसिबिलिटी फीचर्स शामिल हैं, जिससे स्टेशन सुरक्षित, साफ और यात्रियों के लिए अनुकूल बनेंगे। यात्रियों के आराम को और बेहतर बनाने के लिए, केंद्रीय मंत्री ने जयपुर-असरवा एक्सप्रेस की सभी एसी क्लास में प्रिंटेड कंबल कवर लगाने की नई प्रैक्टिस भी शुरू की, जिससे हाइजीन, एक जैसापन और बेहतर ऑनबोर्ड अनुभव को बढ़ावा मिलेगा। इस मौके पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेलवे का विकास कई मोर्चों पर हो रहा है। नई तरह की ट्रेनें शुरू करना, नए स्टेशनों का निर्माण, नए ट्रैक बिछाना, इलेक्ट्रिफिकेशन का काम पूरा करना और मॉडर्न मेंटेनेंस डिपो बनाना। हालांकि, मुख्य फोकस यात्रियों के लिए एक अच्छा बदलाव लाना है। केंद्रीय बजट 2025-26 में, राजस्थान में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के कामों के लिए 9,960 करोड़ दिए गए हैं, जिससे तेज़ी से विस्तार और मॉडर्नाइजेशन होगा। अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत, 85 स्टेशनों को फिर से डेवलप किया जा रहा है। इनमें से 8 का उद्घाटन इस साल पहले ही हो चुका है। राज्य अब 12 वंदे भारत सर्विस चला रहा है, जो मुख्य रूटों पर तेज़, सुरक्षित और ज़्यादा आरामदायक यात्रा देती हैं। ये पहल राजस्थान में मॉडर्न, कुशल और पैसेंजर-फोकस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए इंडियन रेलवे के कमिटमेंट को दिखाती हैं।

जंगली फसल पूर्वजों ने पृथ्वी की छिपी मृदा जैव विविधता संरक्षित करने में निभाई भूमिका

अंतरराष्ट्रीय शोध में खुलासा

टिकाऊ कृषि और जलवायु-लचीले पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने पाया है कि आधुनिक फसलों के जंगली पूर्वज (सीडब्ल्यूपी) पृथ्वी की छिपी मृदा जैव विविधता को संरक्षित और पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह ऐतिहासिक अध्ययन बताता है कि जंगली फसल पूर्वज भूमिगत सूक्ष्मजीवों के अद्वितीय और पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण समुदायों को पोषित करते हैं, जो टिकाऊ कृषि और जलवायु-लचीले पारिस्थितिकी तंत्र के लिए मूल्यवान जानकारी देते हैं।

नेटिव एडैफोक्लाइमैटिक क्षेत्र फसल के जंगली पूर्वजों के मृदा समुदायों को आकार देते हैं शीर्षक से यह अध्ययन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस के जर्नल आईएसएमई कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुआ। इसमें 11 देशों के 25 अनुसंधान समूहों ने भाग लिया, जिनमें भारत से हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अप्पा राव पोडिले और उनकी टीम ने 'छोटे बाजरे' के जंगली रिश्तेदारों पर विशेष योगदान दिया। शोध टीम ने दुनिया भर के विविध वातावरणों से 10 जंगली फसल पूर्वजों की 125 आबादियों का अध्ययन किया और उनके मृदा सूक्ष्मजीव समुदायों की पहचान की, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि जंगली फसल पूर्वज टिकाऊ कृषि और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं।

सिकंदराबाद छावनी बोर्ड की बैठक स्थगित

विधायक और सांसद के बहिर्गमन के बाद बैठक रद्द

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी बोर्ड की बैठक गुरुवार को सिकंदराबाद के विधायक श्री गणेश और मलकाजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र के बहिर्गमन के बाद स्थगित कर दी गई। बोर्ड के अध्यक्ष ब्रिगेडियर एस राजीव और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डी मधुकर नाइक ने बताया कि बैठक का पुनर्निर्धारण किया जाएगा और नई तारीख बाद में घोषित की जाएगी।

विधायक और सांसद केवल विशेष आमंत्रित सदस्य थे और उन्हें मतदान का अधिकार नहीं था। बैठक से बाहर जाने का कारण था कि सीईओ ने बोर्ड में कुछ एजेंडा प्रस्तावों को बिना उनकी सहमति के रखा। बैठक में एओसी, सिकंदराबाद छावनी में दो वैकल्पिक सड़कों और चार-लाइन एक-दिशात्मक रसूलपुरा जंक्शन के निर्माण पर प्रस्ताव पास किए जाने थे। इस बीच, लगभग 100 संपत्ति मालिकों ने जिमखाना ग्राउंड और शमीरपेट के बीच प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर के कारण अपनी संपत्तियों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर बोर्ड कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया।

स्थानांतरण के खिलाफ प्रदर्शन

संस्थान अपने मूल स्थान पर ही बने रहें, स्थानीय लोगों ने की मांग

कोडंगल, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्वाचन क्षेत्र के ग्रामीणों ने गुरुवार को दुद्याला मंडल के अप्पयापल्ली से लागाचेरला तक शैक्षणिक संस्थानों के स्थानांतरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। राज्य सरकार ने अप्पयापल्ली में एक मेडिकल कॉलेज, एक पशु चिकित्सा कॉलेज और एक एकीकृत स्कूल को मंजूरी दी थी।

ग्रामीणों ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के लिए अप्पयापल्ली में लगभग 70 एकड़ जमीन पहले ही अधिग्रहित कर ली गई है और काम शुरू हो चुका था। इसी तरह, कोडंगल में एकीकृत स्कूल का निर्माण भी शुरू हो गया था, लेकिन हाल ही में इसे रोककर मशीनरी को लगाचेरला भेज दिया गया।

कोडंगल विकास संयुक्त कार्रवाई समिति के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने कहा कि ऐसा कदम उनके गांवों में विकास को रोक देगा और मुख्यमंत्री के क्षेत्र में असंतुलन बढ़ाएगा। उन्होंने मांग की कि कॉलेज और स्कूल अपने पहले से तय किए गए स्थान पर ही बने रहें। एक निवासी ने कहा कि अधिकारियों से सवाल करने पर कोई जवाब नहीं मिला, जिससे लोग नाराज होकर विरोध करने को मजबूर हुए।

कोंडागट्टू मंदिर में बिजली का झटका, महिला की मौत

परिवार ने मंदिर प्रशासन की लापरवाही का आरोप लगाया

जगतियाल, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी मंदिर परिसर में गुरुवार को 65 वर्षीय वेनागंती राजेश्वरी को बिजली का झटका लगने से मौत हो गई। बताया गया कि वह शौचालय जाते समय कल्याणकट्टा के पास एक गेट को छू गई, जो टूटे हुए बिजली के तार से जुड़ा था। गंभीर रूप से घायल राजेश्वरी वहीं गिर पड़ी और उसकी मदद को दौड़ी उसकी बहू सरिता को भी बिजली का झटका लगा।

परिवार ने राजेश्वरी को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि मंदिर प्रशासन की लापरवाही के कारण उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाई। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले इसी स्थान पर एक बंदर की बिजली से मौत हो जाने के बावजूद सुरक्षा उपाय नहीं किए गए।

वर्ल्ड फूड डे पर फूड डिस्ट्रीब्यूशन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ल्ड फूड डे के मौके पर गुरुवार को स्वीकार उपकार- एकेडमी ऑफ़ रिहैबिलिटेशन साइंसेज़, जुबली बस स्टेशन के सामने, सिकंदराबाद में एक फ़ूड डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम ऑर्गनाइज किया गया। यह इवेंट बोहरा कम्युनिटी की टीम प्रोजेक्ट राइज और नॉर्थ जोन पुलिस डिपार्टमेंट ने मिलकर ऑर्गनाइज किया था। डीसीपी, नॉर्थ जोन सुश्री रश्मि पेरुमल ने प्रोग्राम में हिस्सा लिया और दया, सबको साथ लेकर चलने और सोशल जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की उनकी कोशिशों के लिए ऑर्गनाइजर्स की तारीफ़ की। एकेडमी ऑफ़ रिहैबिलिटेशन साइंसेज के 200 से ज्यादा बच्चों ने प्रोग्राम में हिस्सा लिया और ऑर्गनाइज़र्स द्वारा बांटा गया खाना खाया। वर्ल्ड फ़ूड डे दुनिया भर में फ़ूड सिक्योरिटी पक्का करने और सभी के लिए भूख खत्म करने की अहमियत को दिखाने के लिए मनाया जाता है। यह खाने की बर्बादी कम करने, सस्टेनेबल खेती को सपोर्ट करने और कुपोषण और गैर-बराबरी से लड़ने के लिए मिलकर कम्युनिटी की कोशिशों को बढ़ावा देने की जरूरत पर ज़ोर देता है। ऐसे प्रोग्राम ऑर्गनाइज करने से समाज में शेयरिंग, केयरिंग और कलेक्टिव रिस्पॉन्सिबिलिटी का मैसेज मजबूत होता है। यह पुलिस और कम्युनिटी के बीच इंसानियत और सोशल वेल-बीइंग के लिए मिलकर काम करने के रिश्ते को भी मज़बूत करता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पीएम मोदी ने...

21000 करोड़ के निवेश से एक लाख रोजगार होंगे सृजित

इन केंद्रों से 21000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने और लगभग एक लाख रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, जिससे दक्षिणी राज्य के रायलसीमा क्षेत्र में औद्योगिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने 960 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सब्बावरम से शीलानगर तक छह लेन वाले ग्रीनफील्ड राजमार्ग की आधारशिला रखी। इस परियोजना का उद्देश्य बंदरगाह शहर विशाखापट्टनम में भीड़भाड़ को कम करना और व्यापार एवं रोजगार को सुगम बनाना है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने पिलेरू-कलूर खंड सड़क के चार लेन के निर्माण, कडप्पा-नेल्लोर सीमा से सीएस पुरम तक चौड़ीकरण और राष्ट्रीय राजमार्ग 165 पर गुडीवाड़ा और नुजेला रेलवे स्टेशनों के बीच चार लेन वाले रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) का उद्घाटन किया।

तेलंगाना सरकार...

राज्य सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया है, जिससे एससी (15 प्रतिशत) और एसटी (10 प्रतिशत) आरक्षण को मिलाकर कुल आरक्षण 67 प्रतिशत हो जाता है, जो ट्रिपल टेस्ट नियम का उल्लंघन है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के उस सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के साथ 8 अक्टूबर को स्थानीय निकाय चुनाव कराने का आदेश जारी किया गया था।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या:99से103_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_25 दि.13-10-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्यूरमेंट के माध्यम से दि.07-11-2025 के 15.00 बजे तक, खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः 99_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_25, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः एससी-एमयुइ सेक्शनः कैवलरी बैरेक्स-बोलारम स्टेशनों के बीच किमी 609/200-300 पर मौजूदा आरयुबी नं.739 (चौडीकरण किये जानेवाले) पर अतिरिक्त रोड ओवर ब्रिज(आरयुबी) के निर्माण का प्रस्ताव। (मेगा ब्लाक सहित ओपन कट पध्दति द्वारा आरसीसी बाक्स साइज 1x6x3.2एम), अनुमानित मूल्य रु.3,54,41,683.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,27,200.00

निविदा संख्याः 100_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_25, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः जेकेएम-बीडीएचएन सेक्शनः जेकेएम-बीडीएचएन स्टेशनों के बीच आरयुबी की व्यवस्था करते हुए, किमी 17/900--18/0 पर मानवनिर्मित मैन्ड लेवल क्रासिंग गेट नं.17/जेबी को हटाना। (एयर पुशिंग पध्दति द्वारा आरसीसी बाक्स साइज 2x5x4.5एम), अनुमानित मूल्य रु.8,31,06,186.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.5,65,500.00

निविदा संख्याः 101_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_25, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः एससी-डीएचएनइ सेक्शनः 76.20 किमी फेन्सिंग लम्बाई के लिए एनएचआय एन्टि-क्रैश बैरीयर/डब्ल्यू बीम का इस्तेमाल करते हुए स्पीड प्रतिघंटा किमी 130 एवं इससे अधिक हेतु ट्रैक के चारों ओर, सेफ्टी फेन्सिंग/बाउण्डरी वाल का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.25,75,24,599.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.14,37,600.00

निविदा संख्याः 102_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_25, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः एससी-डीएचएनइ सेक्शनः 85 किमी लम्बाई के लिए एनएचआय एन्टि-क्रैश बैरीयर/डब्ल्यू बीम का इस्तेमाल करते हुए स्पीड प्रतिघंटा किमी 130 एवं इससे अधिक हेतु ट्रैक के चारों ओर, सेफ्टी फेन्सिंग/बाउण्डरी वाल का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.28,67,58,647.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.15,83,800.00

निविदा संख्याः 103_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_25, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः एससी-एमयुइ सेक्शनः सबवे निर्माण का शेष कार्य (एलसी नं.247,एमइडी-जीडीपीएल,एनएच साइड)-थर्स्ट बेड, आरसीसी बाक्स कास्टींग एण्ड पुशिंग (सेकण्ड वेन्ट हेतु), यु-टाइप आरसीसी रिटेनिंग वाल तथा लेबर शेड पुनर्निमाण को मिलाकर संबंधित सिविल कार्य। अनुमानित मूल्य रु.6,00,04,676.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.4,50,000.00

एसआर. डीइएन/को-आर्ड./हैदराबाद

ई-निविदा सूचना संख्या:475/डीआरएम/डब्ल्यू/ जीएनटी, दि.15-10-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.11-11-2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:01, टेंडर आयडी:2820, डीइएन सेक्शनः उत्तर व पश्चिम, कार्य विवरणः गुंटूर डिवीजन में ट्रैक मशीन साइडिंग्स पर बुनियादी संरचनाओं या बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था/सुधार करना। अनुमानित मूल्य रु.1,50,78,835.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,25,400.00

ई-बोली या ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 11-11-2025 के 15.30 बजे तक है। विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें। अधिक संचार/शुद्धिपत्रों को ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), गुंटूर

ई-निविदा सूचना संख्या:08/2025-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, विभागीय बिजली अभियंता (रखरखाव), गुंटूर द्वारा आइआरईपीएस पोर्टलःwww.ireps.gov.in के माध्यम से निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:01, टेंडर टायटलः गुंटूर डिवीजन में ट्रैक मशीन साइडिंग्स पर बुनियादी संरचनाओं या बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की व्यवस्था/सुधार करना-बिजली व्यवस्थाएं। निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी-ई.08.2025-26, दि. 10-10-2025, अनुमानित मूल्य रु.3,91,17,283.84, पूर्व धरोहर राशि रु.3,45,600.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (अप्रतिदेय) रु. शून्य।

निविदा के लिए ई-बोली या ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 03-11-2025 के 15.30 बजे तक है।

अधिक संचार/शुद्धिपत्रों को केवल ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

विभागीय बिजली अभियंता/एम/गुंटूर

निविदा सूचना संख्याः 13-एमइसीएच-एसएटीएम-टीपीटीवाय-25-26, दि.14-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा तत्संबंधित निम्न विवरित निविदा संख्या एवं बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम संख्या:01, कार्य विवरणः निविदा सूचना संख्याः 13-एमइसीएच-एसएटीएम-टीपीटीवाय-25-26, दि.14-10-2025, साफ्टवेयर का उन्नयन सहित एक बार की मरम्मत तथा एनके ब्राण्ड शाक एबसार्बर टेस्टिंग मशीन का 2 वर्ष का सीएमसी (एम एण्ड पी नं.3780221) एवम् कायल स्प्रींग स्क्रैग्गीन्ग & लोड डिफ्लेक्शन टेस्टिंग मशीन (एम एण्ड पी नं.3750322) का तत्संबंधित कार्य। अनुमानित मूल्य रु.31,11,070.00, बोली सुरक्षा राशि रु.62,200.00, पूरा करने की अवधिः 36 महिने, बंद करने की तिथिः 05-11-2025 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्ते/विवरण (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुद्धिपत्र हेतु कृपया हमारा वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/कैरेज रिपेयर शाप/तिरुपति

संख्या:बी/ई.सीएन(जीएस)/29/I/एमएलजीटी-जीटीएल(डब्ल्यू) आरओआर, दि.14-10-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु सिंगल पैकेट सिस्टम आफ टेंडरिंग में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:01, एनआयटी संख्याः निविदा सं. 04-2025-2026-ई-जीएस-सीएन-जीटीएल, कार्य विवरणः निविदा सं. 04-2025-2026-ई-जीएस-सीएन-जीटीएलः विद्युतीय निर्माण/जीटीएलः गुंटकल डिवीजनः क) स्टेशन बिल्डिंग, आरबीजीइ रूम, गूमटीज के लिए बिजली व्यवस्थाएं, परिसंचरण क्षेत्र या सर्कूलेटिंग एरिया लाइटिंग, एप्रोच रोड लाइटिंग आदि सहित एमएलजीटी-जीटीएल(डब्ल्यू) आरओआर परियोजना कार्यों से संबंधित विद्युत उपयोगिताओं का स्थानांतरण/डिसमैन्टलिंग ध्वस्त करने का कार्य। ख) आरजीएम & पीएनएम लोडिंग लाइन्स-हायकोर्ट मास्ट टावर्स पर रोशनाई या लाइटिंग व्यवस्थाओं का प्रावधान। ग) डीएचएनइ-पीडीएल सेक्शन के बीच स्पेयर केबल्स का प्रावधान/बिछाना तथा जीएनटी-जीटीएल सेक्शन में शेष बिजली कार्यों के पूरा करनेपर ध्यान देना। घ) पिट/कैटवाक रोशनाई या प्रकाश व्यवस्थाओं सहित लाइट शेड्यल बे हेतु बिजली व्यवस्थाएं तथा डिजील लोकोशेड गुंटकल पर बिजली आपूर्ति व्यवस्थाएं-बिजली व्यवस्थाएं। विवरण-अनुमानित लागत रु.4,93,83,509.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,96,900.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य, पूरा करने की अवधिः12(बारह) महिने, बंद करने की तिथिः 03-11-2025 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।

पूर्व धरोहर राशि-पूधरा का भुगतान केवल नेट बैंकिंग/आईआरईपीएस में आनलाइन पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे सुविधाओं द्वारा करना चाहिए।

निविदाकारों को, अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पहले, पंद्रह दिनों के भीतर करना होगा।

निविदाकार, किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

A1634 मुख्य बिजली अभियंता (निर्माण)/सिकंदराबाद

निविदा की नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in को देखें।

पूर्वोत्तर रेलवे निविदा सूचना सं. 42 दिनांक 15.10.2025

Website : www.ner.indianrailways.gov.in E-mail : cos@ner.railnet.gov.in

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर-273012 कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रम सं.	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	मात्रा
1.	28250904	15.12.2025	फलो चेक क्लीनर/रिमूवर इत्यादि	11953 Sets
2.	24255007	11.12.2025	फ्लेक्सी क्वायल बोगी फ्रेम कम्पलीट इत्यादि	02 Sets
3.	26251012	08.12.2025	फ्लेक्सिबल पीवीसी फ्लोरिंग विथ पीवीसी इत्यादि	7524 Mtrs.
4.	26255168	28.11.2025	क्रासिंग आन पीएससी स्लीपर्स इन एकॉर्डेंस इत्यादि	100 Sets
5.	26255202	17.11.2025	मैनुफैक्चरर एण्ड सप्लाई आफ 10125 एमएम, 52 केजी इत्यादि	168 Sets
6.	26251047	10.11.2025	डेकोरेटिव थर्मोसेटिंग सिन्थेटिक रेजिन इत्यादि	32029 Nos.
7.	29251033	06.11.2025	स्प्रिंग सेट यूज्ड इन कांटेक्ट ग्रुप असेंबली इत्यादि	50000 Set
8.	29255130	05.11.2025	सप्लाई, इंस्टालेशन, वायरिंग, टेस्टिंग इत्यादि	30 Pair
9.	29255188	05.11.2025	सप्लाई आफ लो मेंटेनेंस लीड एसिड इत्यादि	4664 Nos.
10.	26255205	31.10.2025	मैन्युफैक्चरर एण्ड सप्लाई आफ थिक इत्यादि	1688 Sets

मुजाधि/एस-52 प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

पूर्व तट रेलवे

ओवर हेड ट्रैक्शन वायर ऊर्जीकरण की सार्वजनिक अधिसूचना प्रारूप-10-01

पूर्व तट रेलवे के निम्न वर्णित सेक्शन के पूरा हो चुके सेक्शन स्थित रेलवे लाइनों एवं परिसरों का उपयोग करने वाले सभी जनों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि 25,000 वोल्ट, 50 Hz, AC ओवर हेड ट्रैक्शन वायर निर्दिष्ट सेक्शन के अंतर्गत विनिर्धारित तिथि को अथवा तत्पश्चात ऊर्जीकृत किया जाएगा। इस तिथि से या उसके बाद उक्त ओवर हेड ट्रैक्शन लाइन हर समय के लिए ऊर्जीकृत एवं सक्रिय रहेगा तथा कोई अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के पास न जाये और न ही उसके आसपास कोई कार्य करे।

सेक्शन	मण्डल	ऊर्जीकरण की तिथि
पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल के विशाखापटनम में ट्रामवे OHE, पिट लाइन 01 से 04 तक टॉप वायरिंग, NCC यार्ड के दोनों छोर के साथ गैर विद्युतीकृत NCC लाइन (पिट संख्या : 1 से पिट संख्या : 04, विशाखापटनम यार्ड एन्ड एवं DYD यार्ड एन्ड), कुल : 2.126 RKM का विद्युतीकरण।	वाल्टियर	20.10.2025

AC 25 KV ट्रैक्शन की शुरूआत "सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी" प्रारूप-10-02

यह सर्वसाधारण की सूचना हेतु अधिसूचित किया जाता है कि, पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल के विशाखापटनम में ट्रामवे OHE, पिट लाइन 01 से 04 तक टॉप वायरिंग, NCC यार्ड के दोनों छोर के साथ गैर विद्युतीकृत NCC लाइन (पिट संख्या : 1 से पिट संख्या : 04, विशाखापटनम यार्ड एन्ड एवं DYD यार्ड एन्ड), कुल : 2.126 RKM का विद्युतकरण, 25,000 वोल्ट AC इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन की शुरुआत से संबंधित ऊर्जित ट्रैक्शन वायर (संपर्क तार), जो रेलवे फाटक के स्तर पर न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊँचाई पर होगा, के संपर्क में या खतरनाक तरीके से नजदीक आने से रोकने के लिए सड़क स्तर से 4.78m मीटर के बीच की स्पष्ट ऊँचाई पर सभी समपारों पर स्पष्ट हाईट गेज लगा दिया गया है।

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि वे वाहनों में माल लदान के दौरान ऊपर निर्दिष्ट ऊँचाई का ध्यान रखें तथा देखें कि सड़क वाहनों में ढोये जानेवाला भार किसी भी परिस्थिति में हाइट गेज का अतिक्रमण न करे।

अधिक ऊंचाई के लोड से खतरा निम्नानुसार हैं :-

i) हाइट गेज के लिए खतरनाक है तथा परिणामस्वरूप सड़क और रेलवे लाइन के लिए भी बाधक है।

ii) वाहनों में ढोये जानेवाली सामग्री अथवा उपकरण अथवा खुद वाहन हेतु खतरा।

iii) कन्डक्टर के संपर्क में आने से या आसपास के खतरे की वजह से आग का खतरा और जीवन का जोखिम।

PR-687/Q/25-26 वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRD), वाल्टियर

रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे ही होगा खास

5वीं बार कोई भारतीय करेगा कारनामा

मेलबोर्न, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहुंच चुकी है. 19 अक्टूबर से इस दौरे का आगाज है, जिस दिन 3 वनडे की सीरीज का पहला मैच पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम पर खेला जाएगा. बड़ी बात ये है कि रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेला जाने वाला पहला वनडे ही खास रहने वाला है. ये मुकाबला उनके इंटरनेशनल करियर में एक माइलस्टोन बनने जा रहा है. अब आप सोच रहे होंगे कि भला वो कैसे? तो इसके जवाब में बस इतना जान लीजिए कि रोहित शर्मा इस मुकाबले के लिए मैदान पर उतरते ही इतिहास रच देंगे.

पर्थ में रोहित शर्मा खेलेंगे 500वां मैच

अब रोहित शर्मा जो इतिहास बनाने वाले हैं, वो है क्या, जान लीजिए. उसका ताल्लुक इंटरनेशनल करियर के 500वें मैच से है. रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेला जाने वाला पहला वनडे, उनके इंटरनेशनल करियर का 500वां मैच होगा. रोहित शर्मा अगर इस मैच की प्लेइंग इलेवन में शामिल होते हैं, तो उसी के साथ ही वो इंटरनेशनल करियर में 500 मैच खेलने वाले भारत के 5वें और दुनिया के 11वें खिलाड़ी बन जाएंगे.

5वीं बार कोई भारतीय छुएगा ये मुकाम

भारतीयों में उनसे पहले 500 इंटरनेशनल मैच खेलने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर (664 मैच), विराट कोहली (550 मैच), एमएस धोनी (535 मैच) और राहुल द्रविड़ (504 मैच) के नाम है. 2007 में डेब्यू करने वाले रोहित शर्मा के फिलहाल 499 इंटरनेशनल मैच हैं, जिसमें उन्होंने 67 टेस्ट, 273 वनडे और 159 T20I मुकाबले खेले हैं.

दुनिया के 11वें खिलाड़ी बनेंगे रोहित

500 या उससे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दुनिया के 10 खिलाड़ियों में 4 भारतीयों के अलावा श्रीलंका के माहेला जयवर्धने (652 मैच), श्रीलंका के कुमार संगकारा (594 मैच), श्रीलंका के ही सनथ जयसूर्या (586 मैच), ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग (560 मैच), पाकिस्तान के शाहीद अफरीदी (524 मैच) और साउथ अफ्रीका के जैक कैलिस (519 मैच) हैं.

499 इंटरनेशनल मैचों में रोहित का प्रदर्शन

500वें मैच को खेलने से पहले रोहित शर्मा के इंटरनेशनल करियर की बात करें तो उन्होंने 499 मैचों में 49 शतक के साथ 19700 रन बनाए हैं.

इसमें टेस्ट में उनके 12 शतक के साथ 4301 रन है. जबकि वनडे में उनके 32 शतक के साथ 11168 रन हैं. इसके अलावा 5 शतक के साथ T20I में उन्होंने 4231 रन बनाए हैं.

रणजी ट्रॉफी में बिहार के बल्लेबाज ने छक्के-चौके का ढेर लगाकर बनाया सबसे बड़ा स्कोर

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। हल्ला वैभव सूर्यवंशी के नाम का मचा था. लेकिन महफिल बिहार के 22 साल के बल्लेबाज आयुष लोहारुका लूट गए. उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी पारी की सक्रिप्ट लिखी है. जिस मैदान पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी का बल्ला कभी नहीं चलता दिखा, उसी मैदान पर आयुष ने रणजी के मौजूदा सीजन का पहला दोहरा शतक जड़ा है. आयुष लोहारुका के लिए अरुणाचल के खिलाफ खेली उनकी इनिंग कई मायनों में खास है. वहीं उनकी उस इनिंग से वैभव सूर्यवंशी को सीखने की भी जरूरत है.

बिहार के आयुष ने अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया

आयुष लोहारुका ने अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पहली पारी में दोहरा शतक जमाया. उन्होंने 247 गेंदों का सामना करते हुए 91.50 की स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए, जो कि उनके फर्स्ट क्लास करियर का सबसे बड़ा स्कोर रहा. अपने अब तक के करियर के सबसे बड़े स्कोर को बनाने में आयुष ने कुल 38 छक्के-चौके मारे. इसमें ज्यादातर चौके ही रहे. उन्होंने 37 चौके लगाए.

आयुष लाहरुका का फर्स्ट क्लास क्रिकेट में इससे पहले सबसे बड़ा स्कोर 101 रन था, जो कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपने पहले ही फर्स्ट क्लास मैच में जमाया था. कमाल की बात ये भी है कि उन्होंने अब तक जमाए अपने दोनों बड़े स्कोर की सक्रिप्ट पटना के मोइनुल हक स्टेडियम पर ही लिखी है.

बिहार फ्रंटफुट पर, वैभव के लिए सबक!

आयुष के दोहरे शतक की बदौलत बिहार की टीम तो अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ फ्रंटफुट पर आ ही गई है. उसके अलावा उनकी इनिंग वैभव सूर्यवंशी के लिए एक सबक भी है. वैभव सूर्यवंशी भले ही व्हाइट बॉल के जबरदस्त खिलाड़ी हैं. लेकिन, रेड बॉल क्रिकेट में खेलने का हुनर अभी उन्हें दुरुस्त करना होगा. और, ये काम वो आयुष लाहरुका की इनिंग देखकर कर सकते हैं. वैसे भी अपने साथी खिलाड़ी को देखकर सीखने में कुछ गलत नहीं. और, वैभव सूर्यवंशी भी इस बात को अच्छे से समझेंगे, जो अपनी पहली पारी में सिर्फ 14 रन बनाकर आउट हुए.

नेपाल-ओमान ने टी20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया

समोआ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्रुप चरण में अजेय रही नेपाल ने सुपर सिक्स में दो अंक हासिल किए और यूएई और कतर के खिलाफ दो अंतिम गेंद वाले रोमांचक मुकाबले जीते

नेपाल और ओमान ने एशिया/पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालीफायर से आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह बना ली है, यूएई की समोआ पर जीत के साथ ही नेपाल और ओमान की विश्व कप में जगह सुनिश्चित हो गई. टी-20 विश्व कप 2026 के लिए 19 टीमें फाइनल हो गई है. एक सीट के लिए तीन टीमें दावेदार है.

ग्रुप चरण में अजेय रही नेपाल ने सुपर सिक्स में दो अंक हासिल किए और यूएई और कतर के खिलाफ दो अंतिम गेंद वाले रोमांचक मुकाबले जीते. एक दिन बादरोहित पौडेल की टीम ने एक और शानदार प्रदर्शन किया, 148 रनों का बचाव करते हुए, नेपाल मुकाबले से बाहर लग रहा था क्योंकि कतर 12 ओवर में 97/1 पर पहुंच गया था, लेकिन संदीप लामिछाने के 5-18 के शानदार स्पेल ने कहानी पलट दी, लेग स्पिनर की धारदार गेंदबाजी ने कतर को 10 रनों से हरा दिया, जिससे नेपाल को एक यादगार जीत मिली और टीम ने 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया।

ओमान ने नेपाल की निरंतरता को दोहराया, सुपर सिक्स चरण में भी दो अंक हासिल किए. ओमान ने कतर के खिलाफ 172 रनों का आराम से बचाव किया और फिर यूएई के खिलाफ एक कड़ा मुकाबला जीता.

एक सीट के लिए तीन दावेदार

यूएई, जापान और कतर के पास मौका है कि वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने वाली अंतिम टीम बन सके. टीमों टीमों के बचे हुए मैच अब महत्वपूर्ण हो गए हैं. यूएई क्रिकेट टीम अगर जापान के खिलाफ मैच जीत गई तो वह वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लेगी. कतर के लिए क्वालिफाई करना थोड़ा मुश्किल इसलिए क्योंकि उसे पहले सामोआ को तो हराना होगा, लेकिन फिर बाकी दो टीमें अपने मैच हार जाए.

एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में चीन का दबदबा

पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन ने एशियाई टेबल टेनिस में अपना दबदबा फिर साबित करते हुए पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए। पुरुष टीम ने हांगकांग को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने जापान को 3-0 से मात दी। महिला वर्ग में पहले मुकाबले में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग मानयु ने 11वीं रैंकिंग वाली होनोका हाशिमोतो को 12-10, 11-3, 11-6, 11-3 से हराया। अगले मैच में सुन यिंगशा ने मीवा हारिमोतो को 11-9, 11-5, 11-7 से मात दी। आखिरी मैच में कुआइ मान ने जापान की हिना हयाता को 8-11, 12-10, 11-6, 11-9 से शिकस्त दी। पुरुष फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी लिन शिडोंग ने वोंग चुन तिंग को 11-8, 11-4, 11-4 से हराकर चीन को शानदार शुरूआत दी। इसके बाद दूसरे नंबर के खिलाड़ी वांग चुकिन ने चान बाल्डविन को 12-10, 11-9, 5-11, 14-12 से हराया। आखिरी मुकाबले में लियांग जिंगकुन ने यिउ कवान गो को 13-11, 11-6, 12-10 से मात दी।

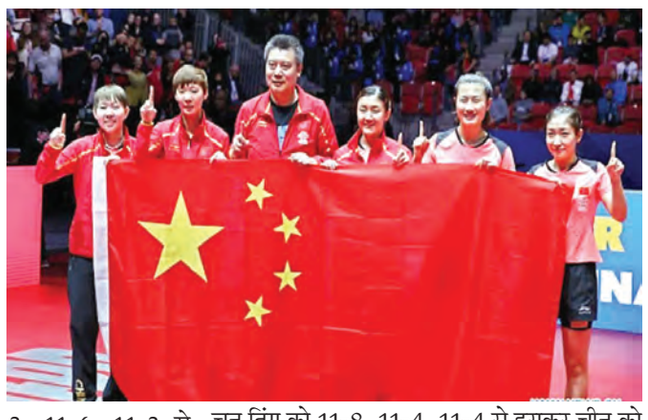

'ट्रॉफी चोर' मोहसिन नकवी की पूर्व आईसीसी अंपायर ने उड़ाई धज्जियां

कहा- कौन है वो, ऐसा कोई रूल नहीं

खेल डेस्क, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के फाइनल में टीम इंडिया ने जीत दर्ज की. भारतीय प्लेयर्स ने पहले ही बता दिया था कि वो पीसीबी चीफ और एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे. इसी के चलते नकवी ट्रॉफी अपने साथ ले गए और अभी तक टीम इंडिया को ये कप नहीं मिला है. इसी विषय पर अब ICC के पूर्व अंपायर अनिल चौधरी ने बात की. उन्होंने क्लियर किया है कि रूल बुक में ऐसा कोई नियम नहीं है कि सिर्फ एक ही व्यक्ति ट्रॉफी दे सकता है.

पूर्व ICC अंपायर ने दिखाया मोहसिन नकवी को आईना

ट्रॉफी अपने साथ ले जाने के बाद से ही मोहसिन नकवी की काफी बेइज्जती हुई है. उन्हें ट्रॉफी चोर नाम दे दिया गया है. अनिल चौधरी ने नकवी की जमकर

धज्जियां उड़ाई और कहा कि वो नकवी को जानते तक नहीं. उन्होंने कहा, 'कोई भी ट्रॉफी सौंप सकता था. वहां पर कई सारे लोग थे, जो यूएई का नेतृत्व भी कर रहे थे. ऐसा नहीं है कि आपको सिर्फ एक ही व्यक्ति से ट्रॉफी लेनी है. किसी भी नियम में ऐसा नहीं लिखा गया है लेकिन वो सज्जन ट्रॉफी लेकर चले गए.'

अनिल चौधरी ने आगे कहा, 'जैसा मैंने कहा कि ऐसा कोई रूल नहीं है कि आपको ट्रॉफी मात्र एक व्यक्ति से लेनी है. मुझे नहीं पता कि वो कौन हैं. मैं मोहसिन रजा को जानता हूं. मैंने ये चीज मीडिया पर देखी थी. ये कोट पैंट वालों से ज्यादा नहीं मिलता मैं. मैंने कभी नहीं देखा की ट्रॉफी नहीं गई. हां, लोकल क्रिकेट में ऐसा हुआ होगा लेकिन मुझे याद नहीं आ रहा.'

एशिया कप 2025 की ट्रॉफी भले ही मोहसिन नकवी अपने साथ ले गए. हालांकि, अन्य बोर्ड मेंबर्स के साथ बातचीत के बाद उन्हें ट्रॉफी वापस सौंपनी पड़ी. हालांकि, अभी टीम इंडिया को ट्रॉफी नहीं मिली. रिपोर्ट्स की मानें, तो कप इस समय एसीसी (एशियन क्रिकेट काउंसिल) के ऑफिस में है. नकवी ने आदेश दिया है कि उनकी अनुमति के बिना ट्रॉफी को जगह से नहीं हिलाया जा सकता.

अभिषेक शर्मा आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

टी-20 में नंबर-1 बैटर, एशिया कप में 314 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे

मुंबई, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस वक्त पूरी तरह से छाए हुए हैं। एशिया कप के दौरान उन्होंने जिस तरह से गेंदबाजों की धुनाई की थी, इसकी गूंज अभी तक सुनाई दे रही है। इस बीच अभिषेक ने एक और अवार्ड अपने नाम कर लिया है। आईसीसी ने उन्हें सितंबर के प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए चुना है। हालांकि इसके लिए भारत के ही कुलदीप यादव को भी नॉमिनेट किया गया था, लेकिन अभिषेक ने बाजी मार ली है।

आईसीसी ने सितंबर 2025 के लिए अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। एशिया कप के दौरान अभिषेक ने पाकिस्तान के खिलाफ खूब रन बनाए थे। भले ही अभिषेक फाइनल में जल्दी आउट हो गए हों, लेकिन

इसके बाद भी उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। अभिषेक शर्मा की खास बात ये है कि वे विरोधी टीम के गेंदबाजों को नहीं देखते। वे गेंद देखते हैं और उसके बाद उस पर स्ट्रोक खेलते हैं। यही बात उन्हें बेखौफ बल्लेबाज बनाती है।

इस बीच अवार्ड जीतने के बाद अभिषेक शर्मा का बयान भी सामने आ गया है। आईसीसी के अनुसार प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब जीतने के बाद शर्मा ने कहा कि उन्हें इस अवार्ड को पाकर बहुत ज्यादा खुशी हो रही है। उन्होंने ये भी कहा कि वे उस टीम का हिस्सा होने पर गर्व महसूस करते हैं, जो मुश्किल हालात होने पर भी जीत दिला सकती है।

बात अगर अभिषेक शर्मा के प्रदर्शन की करें तो उन्होंने एशिया कप के दौरान खेले गए 7 टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में 314 रन बनाने का काम किया था। वे सभी को पीछे छोड़ते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने, यही कारण रहा कि उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के अवॉर्ड से भी नवाजा गया।

इस वक्त अभिषेक शर्मा आईसीसी की टी20 रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज भी हैं। उन्होंने डेविड मलान का रिकॉर्ड तोड़कर सबसे ज्यादा रेटिंग प्वाइंट्स हासिल करने का भी रिकॉर्ड बनाया है। डेविड मलान के नाम 919 रेटिंग अंक थे, लेकिन अभिषेक 931 तक पहुंच चुके हैं।

रणजी ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी हर दिन कमाएंगे 40000 रुपये

मुंबई, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी इस बार रणजी ट्रॉफी का अपना दूसरा सीजन खेल रहे हैं. इस बार खास ये है कि बिहार की रणजी टीम में उनकी भूमिका महज एक खिलाड़ी की नहीं बल्कि उप-कप्तान की भी है. वैभव सूर्यवंशी को रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए हर दिन के 40000 रुपये मिलेंगे. जी हां, 14 साल के खिलाड़ी की ये कमाई रणजी मुकाबले के आगाज के साथ ही शुरू हो जाएगी. अब अगर हर रोज के 40000 रुपये मिलेंगे तो जरा अंदाजा लगाइए कि वैभव सूर्यवंशी कितना कमा लेंगे? वैसे 14 साल के बिहार के लाल को ये पैसे मिलेंगे कैसे?

वैभव सूर्यवंशी हर दिन कमाएंगे 40000 रुपये

रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में वैभव सूर्यवंशी हर रोज 40000 रुपये की कमाई अपनी मैच फीस के तौर पर करते दिखेंगे. रणजी ट्रॉफी में खिलाड़ियों के अनुभव के हिसाब से उनकी मैच फीस डिसाइड है. जिस खिलाड़ी के पास कम से कम 20 मैचों का अनुभव है, उसे हर दिन के 40000 रुपये मिलते हैं. अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबला वैभव सूर्यवंशी का छठा रणजी मैच होगा. इस वजह से उन्हें 40000 रुपये ही मैच फीस के तौर पर हर रोज मिलेंगे.

वैभव सूर्यवंशी की कुल कमाई कितनी होगी?

अब अगर हर दिन के 40000 रुपये मिलेंगे तो वैभव सूर्यवंशी टोटल कितनी कमाई कर लेंगे. रणजी ट्रॉफी में नॉकआउट से पहले एक मैच 4 दिन का होता है. उस हिसाब से वैभव सूर्यवंशी एक रणजी मैच से इस सीजन 160000 रुपये की कमाई कर सकते हैं. मतलब इस सीजन के पहले राउंड में बिहार को जो 5 मुकाबले खेलने हैं, उन सबको मिलाकर वैभव सूर्यवंशी की कुल कमाई 650000 रुपये की होने वाली है.

इन खिलाड़ियों को वैभव सूर्यवंशी से भी ज्यादा पैसा

रणजी ट्रॉफी में कई खिलाड़ियों की कमाई वैभव सूर्यवंशी से भी ज्यादा होने वाली है. ये वो खिलाड़ी होंगे, जिनके पास 20 या 40 से ज्यादा मैच खेलने का अनुभव होगा. 20 से 40 मैचों का अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों को हर दिन की मैच फीस 50000 रुपये मिलती है. वहीं जिन खिलाड़ियों के पास 40 से ज्यादा मैचों का अनुभव होता है, उन्हें हर रोज के 60000 रुपये मिलते हैं.

केन विलियमसन एलएसजी से जुड़े

ऋषभ पंत के साथ बनाएंगे जीत का प्लान

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन से पहले केन विलियमसन ने लखनऊ सुपर जायंट्स का दामन थाम लिया है. न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज आईपीएल 2026 में ऋषभ पंत के साथ मिलकर जीत की रणनीति बनाते दिखेंगे. केन विलियमसन मे एलएसजी को बतौर खिलाड़ी नहीं बल्कि उसके रणनीतिकार के तौर पर जॉइन किया है.उन्हें टीम में स्ट्रेटजिक सलाहकार के तौर पर शामिल किया गया है.

आईपीएल 2025 में अनसोल्ड रहे थे केन

केन विलियमन को आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में कोई खरीददार नहीं मिला था. पिछले सीजन में नहीं बिकने के बाद केन वहां कमेंट्री करते दिखे थे. लेकिन, आईपीएल 2026 में वो ना खेलते हुए भी एलएसजी के हर मुकाबले से जुड़े रहेंगे. केन विलियमसन के जुड़ने को टीम के लिए बड़ा मूव बताया जा रहा है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका की स्पेशल रिक्वेस्ट पर केन विलियमसन उनकी फ्रेंचाइजी के रणनीतिक सलाहकार बनने को तैयार हुए हैं.

केन विलियमसन का आईपीएल करियर

केन विलियमसन का एक खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर आईपीएल करियर अच्छा रहा है. उन्होंने 79 आईपीएल मैच खेले, जिसमें 18 अर्धशतक के साथ 2128 रन बनाए. आईपीएल में उनका स्ट्राइक रेट 125.62 का रहा. बतौर कप्तान उनकी सबसे बड़ी कामयाबी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल 2016 का खिताब जीतना रहा.

लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल 2022 में अपना पहला सीजन खेली थी. हालांकि, तब से अब तक इस टीम ने एक बार भी ट्रॉफी पर कब्जा नहीं किया है. ऐसे में केन विलियमसन के जुड़ने के बाद उसकी उम्मीदों का दायरा बढ़ता हुआ जरूर दिखेगा.

एलएसजी के 'पांडव' से मिलिए

केन विलियमसन को मिलाकर अब आने वाले आईपीएल सीजन में 5 लोगों पर एलएसजी के लिए बड़ी जिम्मेदारी रहने वाली है. उन 5 लोगों में जस्टिन लैंगर होंगे, जो कि एलएसजी के हेड कोच हैं. कार्ल क्रो, जो कि नए-नए टीम के स्पिन बॉलिंग कोच बने हैं. इनके अलावा टीम के बॉलिंग कोच भरत अरुण और असिस्टेंट कोच लांस क्लूजनर पर भी जिम्मेदारी बड़ी होगी.

पिता ने बेटी की हत्या कर की आत्महत्या

मंचेरियल, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल में बुधवार को एक दुखद घटना सामने आई, जहां राजीवनगर में एक दंपति ने अपने बेटे के खोने का गम सहन न कर पाने के कारण अपनी बेटी की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। मंचेरियल टाउन इंस्पेक्टर एस. प्रमोद राव ने बताया कि ऑटो-रिक्शा चालक बंदी चक्रवर्ती (36) और उनकी पत्नी दिव्या (32) ने 5 अक्टूबर को अपनी बेटी दीक्षिता (10) को देने के बाद कीटनाशक मिला ठंडा पेय पीकर अपनी जान देने की कोशिश की। उन्हें तुरंत शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दीक्षिता की मौत 8 अक्टूबर को हुई, जबकि दिव्या की मृत्यु 10 अक्टूबर को हुई। चक्रवर्ती भी बुधवार को वारंगल के एमजीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि दो महीने पहले वायरल बुखार के कारण उनके 12 वर्षीय बेटे पवन की मौत हो गई थी। इसके बाद दंपति काफी अवसाद में थे। चक्रवर्ती और दिव्या ने दस साल पहले प्यार में पड़कर शादी की थी। उनके परिवार वाले सिर्फ दो महीनों में हुई चार मौतों से गहरे सदमे में हैं। चक्रवर्ती के भाई ओमकार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

श्री सखी बाबा मठ

मं. : 19-1-920, पुरानापूल, श्मशान वाटिका के समाने, हैदराबाद

धनतेरस के पावन अवसर पर

शनिवार, 18-10-2025 को संध्या आरती शाम में 7.00 बजे

स्थान : श्री सखी बाबा मठ, पुरानापूल, हैदराबाद

मुख्य जजमान

प्रभु का श्रृंगार : महेश लाहोटी जी

आप सभी सादर आमंद्रित हैं

मुख्य अतिथि

श्री गोपाल बल्दवा-श्रीमती बल्दवा मंजू बल्दवा

महंत ठाकुरदासजी महाराज

18 अक्टूबर को सुबह 4.00 बजे से 5:00 बजे धनतेरस पूजा

धनतेरस श्री सखी बाबा मठ पुराण पुल हैदराबाद धनतेरस की पूजा सुबह 4:00 बजे से 5:00 बजे तक श्री लक्ष्मी कुमकुम अर्चना गर्भगृह में 5:30 बजे श्रृंगार आरती लक्ष्मी पूजन संध्या 5:30 बजे तक

संध्या आरती शाम 7.00 बजे से

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

ब्रिगेट रोड नें 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

GB GOPAL BALDAWA GROUP

कोंडा सुरेखा के घर पर पुलिस की मौजूदगी से हंगामा

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार देर रात एंडोमेंट्स मिनिस्टर कोंडा सुरेखा के घर पर पुलिस की मौजूदगी से तेलंगाना के राजनीतिक माहौल में काफी हलचल मच गई। यह घटना राज्य सरकार के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) एन सुमंत की सर्विस खत्म करने के फैसले के बाद हुई, जिन्हें मिनिस्टर के साथ एंडोमेंट्स पोर्टफोलियो को मैनेज करने के अपने रोल के अलावा काम करने के लिए भेजा गया था। मिनिस्टर कोंडा सुरेखा फॉरेस्ट, साइंस और टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट को भी सुपरवाइज करती हैं, जिसके तहत सुमंत को पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड में ओएसडी के तौर पर अपॉइंट किया गया था और उन्हें फॉरेस्ट मिनिस्टर की मदद करने के लिए भेजा गया था। पूर्व ओएसडी के बचाव में, मिनिस्टर की बेटी, कोंडा सुष्मिता ने कहा कि डेक्कन सीमेंट्स से जुड़ा यह मामला सुमंत और मुख्यमंत्री के करीबी रोहिन रेड्डी के बीच एक मीटिंग के बाद उठा, जिसके दौरान वे मुख्यमंत्री के ऑफिस में बातचीत कर रहे थे।

सुष्मिता ने एक वायरल वीडियो में कहा कि उनकी बातचीत में डेक्कन सीमेंट्स का मैनेजमेंट भी शामिल था, जो कोई धमकी नहीं है। अगर इस स्थिति को जबरदस्ती वसूली माना जाता है, तो इसमें रोहिन रेड्डी और मुख्यमंत्री दोनों शामिल हैं। सुष्मिता ने सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, रेवेन्यू मिनिस्टर पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और स्टेशन घनपुर के एमएलए कडियम श्रीहरि समेत दूसरों पर आरोप लगाए हैं, और दावा किया है कि उन्होंने जानबूझकर उनकी माँ और परिवार को निशाना बनाया है। उन्होंने आगे कहा कि वेम नरेंद्र, जो पहले वारंगल ईस्ट चुनाव क्षेत्र से चुनाव लड़े थे और हार गए थे, इलाके पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आग्रह किया कि डेक्कन सीमेंट्स, रोहिन रेड्डी और सुमंत के टेलीकम्युनिकेशन डेटा की अच्छी तरह से जांच की जाए और उसे सबके लिए उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा, उन्होंने अपने समर्थकों से सरकार और पुलिस की कार्रवाई की निंदा करने और उनसे एकजुटता दिखाने का आग्रह किया। सुष्मिता ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली में एआईसीसी प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ मीटिंग के दौरान उनकी मां को डांटा, जिससे उनकी मां काफी परेशान हो गईं।

गुरुवार को, यह खबर आई कि मंत्री कोंडा सुरेखा और उनकी बेटी सुष्मिता ने प्रजा भवन में डिप्टी चीफ मिनिस्टर भट्टी विक्रमार्क से मुलाकात की, जहा सुरेखा ने भट्टी को पिछली रात के हालिया डेवलपमेंट के बारे में जानकारी दी।

इन दावों के बीच, एआईसीसी की ज़िम्मेदार मीनाक्षी नटराजन ने कथित तौर पर कुछ खास 'चिंताओं' को दूर करने के लिए सुरेखा से फोन पर बात की। उनकी बातचीत के नतीजे के बारे में डिटेल्स सामने नहीं आई हैं।

कोंडा मुरली ने सीएम रेवंत के साथ अनबन से इनकार किया

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। फॉरेस्ट मिनिस्टर कोंडा सुरेखा के घर पर हुई ड्रामैटिक घटनाओं और उनकी बेटी कोंडा सुष्मिता के बुधवार रात कांग्रेस सरकार पर लगाए गए आरोपों के बीच, मिनिस्टर के पति और पूर्व एमएलसी कोंडा मुरली ने अगले दिन हालात के बारे में अपनी जानकारी न होने की बात कही। गुरुवार को वारंगल में मीडिया से बात करते हुए मुरली ने कहा, मुझे नहीं पता कि हैदराबाद में कल रात क्या हुआ। मुझे कोंडा सुरेखा के पूर्व ओएसडी, सुमंत से जुड़े हालात के बारे में भी जानकारी नहीं है। कोंडा मुरली ने माना कि उनकी बेटी सुष्मिता को मुश्किलों का सामना करना पड़ा और वह अपनी बात शेयर करने की हकदार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी में उनकी कोई ऑफिशियल भूमिका नहीं है। उन्होंने यह भी साफ किया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के साथ उनका कोई झगड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि रेवंत अन्ना के साथ मेरा कोई झगड़ा नहीं है। असल में, उन्होंने मुझे भरोसा दिलाया था कि वे मुझे एमएलसी का पद देंगे, और मुझे भरोसा है कि वे अपना वादा निभाएंगे। पूर्व एमएलसी को याद आया कि पहले उनके परिवार के खिलाफ कई विवाद खड़े किए गए थे। उन्होंने पूरे भरोसे के साथ कहा, कि मैं कोंडा सुरेखा की गाड़ी इस्तेमाल नहीं करता या उनके मंत्रालय का फायदा नहीं उठाता। अगर कोई हम पर हमला करने की कोशिश करेगा, तो इससे सिर्फ़ उनका नुकसान होगा। मैं किसी के पीछे नहीं पड़ता।

किसी भी फूड-ड्रिंक प्रोडक्ट पर ओआरएस लिखना बैन

हैदराबाद की महिला डॉक्टर ने बच्चों के लिए 8 साल तक लड़ी लड़ाई

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसी भी फूड-ड्रिंकिंग प्रोडक्ट पर अब ओरल रिहाइड्रेशन साल्ट (ओआरएस) का लेबल लगाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से मंजूरी जरूरी होगी। केंद्र सरकार की खाद्य सुरक्षा संस्था (एफएसएसएआई) ने गुरुवार को यह आदेश जारी किए। कहा कि जिन कंपननियों के पास डब्ल्यूएचओ की मंजूरी नहीं है, वे अपने प्रोडक्ट्स से ओआरएस लेबल हटा लें।

दरअसल, ड्रिंक कंपनियां बच्चों के मीठे पेय पदार्थों को डब्ल्यूएचओ के नाम से बेच रही थीं, जिससे लोग गुमराह हो रहे थे। जिन ड्रिंक्स में शुगर ज्यादा होती है, वे बच्चों के डायरिया को और खराब कर सकती हैं। इसे लेकर एफएसएसएआई को शिकायत मिली थीं।

हैदराबाद की बच्चों की डॉ. शिवरंजनी संतोष ने इसके लिए 8 साल लड़ाई लड़ी। सरकारी संस्थाओं से लेकर हाईकोर्ट तक में अपील की। उनका मकसद था कि गलत मार्केटिंग रोककर असली ओआरएस को पहचाना जाए, ताकि बच्चों को मीठे पेयों से नुकसान न पहुंचे। यूनिसेफ के मुताबिक, ओआरएस एक ऐसा घोल होता है जिसमें चीनी और नमक का सही मिश्रण होता है। इसे साफ पानी में घोलकर पीने से शरीर में पानी की कमी पूरी होती है।

डॉ. शिवरंजनी ने कई साल तक

> यह जन स्वास्थ्य की बड़ी जीत है। अब ORS नाम सिर्फ WHO के नियमों के मुताबिक बने असली मेडिकल फार्मूले पर ही लिखा जा सकेगा। यह बच्चों की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है।
>
> **डॉ. शिवरंजनी संतोष**
> बच्चों की डॉक्टर

अलग-अलग सरकारी संस्थाओं जैसे सीडीएससीओ, एफएसएसएआई, स्वास्थ्य मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री तक इस मामले को उठाया। तेलंगाना हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) भी दायर की थी। सोशल मीडिया पर वीडियो बनाकर जनता को जागरूक किया। उनका वीडियो 33 लाख से ज्यादा बार देखा गया, जिससे देशभर में यह मुद्दा चर्चा में आया।

अभी क्या हो रहा था :

केंद्र सरकार के 2022 और 2024 के आदेश में कंपनियों को अपने प्रोडक्ट में ओआरएस शब्द जोड़ने की अनुमति दी गई थी। इसके बाद कुछ फ्रूट ड्रिंक, नॉन-कार्बोनेटेड या रेडी-टू-ड्रिंक पेय पदार्थ ओआरएस का लेबल लगाने लगे थे। हालांकि, तब शर्त रखी गई थी कि उस प्रोडक्ट पर साफ लिखना होगा कि उत्पाद डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित ओआरएस फार्मूला नहीं है। अब एफएसएसएआई ने इन पुराने आदेशों को पूरी तरह रद्द कर दिया है।

सरकार ने कहा कि इससे फर्जी ओआरएस उत्पादों पर लगाम लगेगी और ग्राहकों को असली, सुरक्षित और डब्ल्यूएचओ मानक वाले ओआरएस प्रोडक्ट ही मिलेंगे। इससे सेहत सुरक्षा को मजबूत करने में मदद मिलेगी। यूनिसेफ के मुताबिक, ओआरएस एक ऐसा घोल होता है जिसमें चीनी और नमक का सही मिश्रण होता है। इसे साफ पानी में घोलकर पीने से शरीर में पानी की कमी पूरी होती है। यह दवा डायरिया, उल्टी, या हीट स्ट्रोक जैसी स्थितियों में डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) से बचाने का सबसे कारगर तरीका है। डॉक्टरों के अनुसार, ओआरएस का प्रयोग सिर्फ चिकित्सक की सलाह पर ही करना चाहिए, क्योंकि गलत उपयोग से नमक की अधिकता (सॉल्ट टॉक्सिसिटी) हो सकती है।

भाजपा के दो नेताओं को कारण बताओ नोटिस

पेद्दापल्ली, 16 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना अनुशासन समिति ने पेद्दापल्ली के पूर्व सांसद डॉ.बी. वेंकटेश नेथा और पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र के प्रभारी गोमासे श्रीनिवास को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है कि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। समिति के संयोजक रवींद्रनाथ विश्वनाथ ने बुधवार को यह पत्र जारी किया।

खबरों के अनुसार हाल ही में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव के वेमनपल्ली मंडल के दौरे के दौरान दोनों नेताओं के बीच विवाद हुआ था और उन पर संगठनात्मक मानदंडों का उल्लंघन कर पार्टी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने तथा एक-दूसरे के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप लगे। राव वेमनपल्ली मंडल अध्यक्ष एता मधुकर के परिवार को सांत्वना देने के लिए कोत्तागुडा गांव गए थे, जहां 14 अक्टूबर को कथित उत्पीड़न के बाद एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली थी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.